THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 4 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.3 2080 शुक्रवार, 24 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मानहानि केस में राहुल को 2 साल की सजा

➤ सूरत कोर्ट से जमानत भी मिली, 2019 में कहा था-सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों

नई दिल्ली/सूरत, 23 मार्च (एजेंसियां)। 'सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है...' इस बयान से जुड़े मानहानि केस में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने गुरुवार को दोषी करार दिया। इस फैसले के 27 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें 2 साल की जेल की सजा सुनाई और 15 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके कुछ देर बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत भी दे दी। साथ ही सजा को 30 दिन के लिए स्थगित कर दिया। सुनवाई के दौरान राहुल कोर्ट में मौजूद रहे।

राहुल ने कोर्ट में अपना पक्ष रखा। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने कहा कि बयान देते वक्त मेरी मंशा गलत नहीं थी। मैंने तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। उधर, कोर्ट के बाहर विधायक और याचिकाकर्ता पूर्णेश मोदी और उनके समर्थकों ने भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे लगाए।

राहुल आईपीसी की धारा 500 में दोषी करार :

राहुल को आईपीसी की धारा 400 और 500 के तहत दोषी करार दिया गया है। इसमें 2 साल की सजा का प्रावधान है। राहुल के वकील ने कोर्ट से कहा, इस पूरी घटना में कोई घायल नहीं हुआ। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इसलिए हम किसी प्रकार की दया की याचना नहीं करते हैं।

बड़ा सवाल : क्या राहुल गांधी की संसद सदस्यता जा सकती है :

जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अदालतों में 2 साल या उससे ज्यादा की सजा पाए जनप्रतिनिधियों (विधायकों-सांसदों) की सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। इसी आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि जो सांसद या विधायक सजा को ऊपरी अदालत में चैलेंज करेंगे, उन पर सदस्यता रद्द करने का आदेश लागू नहीं होगा। राहुल गांधी को आईपीसी की धारा 500 के तहत दोषी करार दिया गया है। उनके वकील ने कोर्ट में कहा, हम फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। हायर कोर्ट में अपील करने के लिए राहुल गांधी के पास 30 दिन का वक्त है। रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट 1951 के सेक्शन 8 (3) के मुताबिक 2 साल की सजा होने के बाद टेक्निकली राहुल गांधी की सदस्यता जा सकती है। बशर्ते ये सजा सुप्रीम कोर्ट से भी बरकरार रहे।

होटल मालिक से बोले राहुल, मेरे साथ फोटो मत खिंचवाओ, मुश्किल में पड़ जाओगे

लंच करने के बाद होटल के मालिक ने राहुल गांधी के साथ सेल्फी लेने की इच्छा जाहिर की तो राहुल ने कहा, मेरे साथ फोटो मत खिंचवाओ। ये लोग मुझे नहीं छोड़ते तो आपको कैसे छोड़ देंगे। मुझे आपके साथ फोटो खिंचवाने में कोई तकलीफ नहीं, लेकिन उसके बाद आप मुसीबत में फंस जाओगे। यह केस सूरत पश्चिम के विधायक पूर्णेश मोदी ने दर्ज किया था। पूर्णेश का कहना था कि राहुल गांधी ने हमारे समाज को चोर कहा था। चुनावी सभा में हमारे खिलाफ आरोप लगाए गए, जिससे हमारी और समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची। इसी के चलते हम इस मामले को कोर्ट में लेकर आए। हम आखिरी सांस तक लड़ेंगे। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। हालांकि, राहुल गांधी के वकील ने दलील दी थी कि पूर्णेश मोदी को इस मामले में पीड़ित पक्ष के रूप में शिकायतकर्ता नहीं होना चाहिए था, क्योंकि राहुल गांधी के अधिकांश भाषणों में प्रधानमंत्री को निशाना बनाया गया था न कि पूर्णेश मोदी को। रेप पीड़ितों पर दिए बयान पर राहुल गांधी ने दिल्ली पुलिस की नोटिस पर मेल के जरिए 10 पॉइंट में 4 पेज का जवाब दिया है। राहुल ने कहा कि क्या यह मेरी ओर से अडाणी पर दिए गए बयान की वजह से हो रहा है। मैंने बयान 45 दिन पहले दिया था, जिस पर अब अचानक नोटिस देने की क्या जरूरत पड़ गई? देश में अभी भी महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न हो रहा है।

क्या है मानहानि का पूरा मामला

2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में एक रैली के दौरान राहुल ने अपने भाषण में कहा था कि चोरों का सरनेम मोदी है। सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है, चाहे वह ललित मोदी हो या नीरव मोदी हो चाहे नरेंद्र मोदी। इस केस की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी तीन बार कोर्ट में पेश हुए थे। आखिरी बार अक्टूबर 2021 की पेशी के दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था।

संसद स्थगित, विपक्ष ने गेट पर प्रदर्शन किया

➤ अडाणी मामले पर जेपीसी की मांग

➤ खड़गे बोले-तानाशाह सरकार को लोकतंत्र में यकीन नहीं

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। संसद की कार्यवाही गुरुवार को शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। जिसके चलते सदन को दोबारा शाम 6 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले मंगलवार को राहुल-अडाणी मामले पर दोनों ही सदनों में हंगामा होने के कारण लगातार 7वीं बार संसद स्थगित की गई थी। संसद स्थगित होने के बाद विपक्षी नेताओं ने पार्लियामेंट के गेट नंबर 1 पर प्रदर्शन किया। उन्होंने 'वी वॉन्ट जेपीसी, मोदी सरकार डाउन-डाउन, मोदी सरकार शेम-शेम' जैसे नारे लगाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र में हमें विरोध जताने का अधिकार है। लोगों तक सच पहुंचाना हमारी ड्यूटी है। यह तानाशाह सरकार न चर्चा में यकीन करती है और न लोकतंत्र में।

6 अप्रैल तक प्रस्तावित है बजट सत्र का दूसरा फेज :

सदन में भाजपा राहुल गांधी से लंदन में दिए बयान पर माफी की मांग पर अड़ी हुई है।

वहीं, हिंडनबर्ग-अडाणी मामले पर कांग्रेस की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) की मांग बरकरार है। बता दें कि बजट सत्र का दूसरा फेज 13 मार्च से शुरू हुआ था और यह 6 अप्रैल तक चलना प्रस्तावित है। राज्यसभा सदस्यों ने स्पीकर जगदीप धनखड़ के चैम्बर में बैठक की। उन्होंने राज्यसभा की कार्यवाही सही तरीके से चलाने की मांग की। राज्यसभा सदस्यों ने स्पीकर जगदीप धनखड़ के चैम्बर में बैठक की। उन्होंने राज्यसभा की कार्यवाही सही तरीके से चलाने की मांग की।

राज्यसभा के सभापति ने बैठक बुलाई

राज्यसभा स्पीकर ने गुरुवार सुबह जगदीप धनखड़ ने नेताओं की बैठक बुलाई है। इस बैठक में राज्यसभा की कार्यवाही को ठीक से कैसे चलाया जा सकता है, इस मुद्दे पर बात हुई। यह पहली बार नहीं है जब सभापति ने नेताओं की बैठक बुलाई हो। इससे पहले मंगलवार को भी धनखड़ ने अपने चेम्बर में सदन के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई थी। जिसमें भाजपा, वाईएसआरसीपी और टीडीपी को छोड़कर अन्य राजनीतिक दलों के नेता शामिल नहीं हुए थे।

➤ लोकपाल के तहत आज तक एक व्यक्ति पर नहीं चला मुकदमा, संसदीय समिति ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टचारियों को सजा देने के लिए लाए गए लोकपाल पर संसद में सवाल खड़े किए गए हैं। संसद में पेश एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लोकपाल के तहत आज तक भ्रष्टाचार के एक भी आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया है, रिपोर्ट में कहा गया कि इसका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है।

संसदीय समिति ने पिछले साल मई से खाली पड़े लोकपाल के अध्यक्ष के पद को नहीं भरे जाने पर सवाल उठाया और रिक्तियों को भरने के लिए की जा रही कार्रवाई पर सरकार से जवाब मांगा। रिपोर्ट में समिति ने कहा कि लोकपाल द्वारा दिए गए आंकड़ों से अनुमान लगाया जा सकता है कि बड़ी संख्या में शिकायतों का निपटारा इस आधार पर किया जा रहा है कि वे निर्धारित प्रारूप में नहीं हैं। लोकपाल ने समिति को प्रस्तुत किया है कि उसने आज तक भ्रष्टाचार एक भी व्यक्ति पर आरोप नहीं लगाया है। पैनल ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए कानूनी और संस्थागत तंत्र को मजबूत करने के लिए लोकपाल की स्थापना की गई थी।

संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि लोकपाल का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है। समिति का विचार है कि लोकपाल की स्थापना स्वच्छ और उत्तरदायी शासन को बढ़ावा देने के प्रयास में की गई थी और इसलिए, इसे एक अवरोधक के बजाय एक समर्थक के रूप में कार्य करना चाहिए।

समिति ने लोकपाल से सिफारिश की कि वह केवल तकनीकी आधार पर वास्तविक शिकायतों को खारिज न करे कि शिकायत निर्धारित प्रारूप में नहीं थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मोड़ पर जब भारत जी-20 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह का नेतृत्व कर रहा है, लोकपाल को इस अवसर पर आगे आना चाहिए और देश में भ्रष्टाचार विरोधी परिदृश्य को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

अमृतपाल के उत्तराखंड या महाराष्ट्र में होने का शक

➤ हरियाणा में जिस महिला के यहां ठहरा था, उससे पूछताछ

➤ गनमैन बाबा गोरखा लुधियाना से अरेस्ट

अमृतसर, 23 मार्च (एजेंसियां)। वारिस पंजाब दे का चीफ और खालिस्तान सपोर्टर अमृतपाल सिंह को छठे दिन भी पंजाब पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पुलिस सूत्रों की मानें तो वह पंजाब से भाग गया है। पुलिस को उसके उत्तराखंड में होने का शक है। पंजाब से भागकर वह हरियाणा गया था। वह कुरुक्षेत्र जिले के शाहबाद में 19 और 20 मार्च को रुका था।

यहां वह जिस महिला के घर रुका था, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस पता करने में जुटी है कि क्या महिला को अमृतपाल जानता था या महिला के घर वह जबरदस्ती घुसा था।

वहीं पुलिस को महाराष्ट्र के नांदेड़ में अमृतपाल के छिपे होने के भी इनपुट मिले हैं। पंजाब पुलिस की टीमें वहां रेड करने के लिए रवाना हो गई हैं। पंजाब के पड़ोसी राज्यों के अलावा उत्तराखंड में भी अमृतपाल के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुरुघरों की भी जांच की जा रही है। अमृतपाल के साथी तजिंदर सिंह उर्फ गोरखा बाबा को लुधियाना में गिरफ्तार किया गया है। वह अमृतपाल का गनर है।

पुलिस और खुफिया एजेंसियों को जांच के दौरान पता चला कि अमृतपाल को 158 विदेशी खातों से फंडिंग की जा रही थी। इनमें से 28 खातों से 5 करोड़ से ज्यादा की रकम भेजी गई थी। इन खातों का संबंध पंजाब के माझा और मालवा से है। अमृतसर, तरनतारन, बटाला, गुरदासपुर, जालंधर, नवांशहर, कपूरथला और फगवाड़ा के खातों का संबंध अमृतपाल से मिला है।

कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव बोले भारत में डेली 17 केस आ रहे

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया में अभी भी कोरोना का खतरा बना हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने गुरुवार को कहा कि अभी भी यह वैश्विक महामारी खत्म नहीं हुई है, क्योंकि नए मामले आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले हफ्ते के आंकड़े के मुताबिक, दुनिया में 94 हजार से मामले रोज आ रहे हैं। स्वास्थ्य सचिव के मुताबिक, अमेरिका में 197, रूस में 12.67, चीन में 8.37, दक्षिण कोरिया में 87 और भारत में 17 मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

फेक न्यूज से तनाव बढ़ने का खतरा : सीजेआई

➤ देश में लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता जरूरी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि फेक न्यूज डिजिटल युग में समुदायों के बीच तनाव पैदा कर सकती हैं। इससे डेमोक्रेटिक वैल्यूज को खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र के लिए प्रेस को स्वतंत्र रहना चाहिए। फेक न्यूज समाज में प्रेस की स्वतंत्रता और निष्पक्षता के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है। यह पत्रकारों के साथ-साथ सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे घटनाओं की रिपोर्टिंग बिना किसी पूर्वाग्रह से करें। फेक न्यूज लाखों लोगों को एक साथ गुमराह कर सकती है। यह लोकतंत्र के फंडामेंटल्स के खिलाफ होगा।

सीजेआई चंद्रचूड़ रामनाथ गोयनका पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई ने यह भी कहा कि अगर सत्ता प्रेस को सच बोलने से रोकती है तो इससे लोकतंत्र प्रभावित होता है।

पत्रकारिता की अपनी चुनौतियां

मीडिया ट्रायल के बारे में उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां मीडिया ने अदालत के दोषी पाए जाने से पहले ही लोगों की नजरों में आरोपी को दोषी करार दे दिया। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हर संस्थान की तरह पत्रकारिता भी चुनौतियों का सामना कर रही है। जिम्मेदार पत्रकारिता वह इंजन है जो लोकतंत्र को बेहतर कल की ओर ले जाता है। डिजिटल युग में पत्रकारों के लिए अपनी रिपोर्टिंग में सटीक, निष्पक्ष, जिम्मेदार और निडर होना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक स्वस्थ लोकतंत्र को एक ऐसी प्रेस को इनकरेज करना चाहिए जो सत्ता से कठिन सवाल पूछ सके या सत्ता से सच बोले। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि यह उदाहरण है कि मौन कितना ताकतवर है। उन्होंने कहा कि आपातकाल का दौर एक भयावह समय था, लेकिन ऐसे मौके निडर पत्रकारिता को भी जन्म देते हैं और इसलिए 25 जून 1975, जिस दिन आपातकाल लगाया गया था, इतिहास में एक निर्णायक क्षण था।

उन्होंने कहा, एक घोषणा ने बता दिया कि स्वतंत्रता कितनी कमजोर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि पत्रकार, वकील और उनके जैसे जज बहुत कुछ एक जैसे होते हैं। दोनों भरोसा दिलाते हैं कि कलम तलवार से ताकतवर है। साथ ही उनका पेशा ऐसा है कि उन्हें लोग नापसंद कर सकते हैं। इसे सहन करना आसान नहीं है।

मुंबई में बीएमसी ने माहिम बीच से दरगाह हटाई

राज ठाकरे ने कहा था-अवैध दरगाह नहीं तोड़ी गई तो पास में गणपति मंदिर बनाएंगे

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई में माहिम बीच पर बनी एक दरगाह को गुरुवार सुबह बीएमसी ने हटा दिया। पुलिस की भारी मौजूदगी के बीच बुलडोजर से दरगाह हटाई गई।

बीएमसी मलबे को भी ट्रकों में भरकर ले गई है। दरअसल, बुधवार को एमएनएस नेता राज ठाकरे ने कहा था कि माहिम के पास समुद्र में अतिक्रमण करके एक मजार बनाई गई है। अगर इसे नहीं तोड़ा गया तो उसके पास बड़ा गणपति का मंदिर बनाएंगे। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री दीपक केसरकर ने कहा कि कोस्टल रेगुलेशन जोन (सीआरजेड) को ध्यान में रखते हुए दरगाह को हटाने का फैसला लिया गया। कोस्टल रेगुलेशन जोन एक्ट के तहत समुद्र के अंदर किसी तरह का निर्माण नहीं किया जा सकता है। इसमें कुछ गलत नहीं है। हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। मंत्री दीपक केसरकर ने कहा कि हम बालासाहेब ठाकरे के विजन पर विश्वास करते हैं। पहले बालासाहेब ऐसे मुद्दों को उठाया करते थे, अब राज ठाकरे उठा रहे हैं। >14

चश्मदीद ने मर्डर देखा और घर जाकर सो गया

सुप्रीम कोर्ट ने 20 साल बाद दोषी को बरी किया

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 20 साल पुराने हत्या के मामले में दोषी को बरी कर दिया। कोर्ट का कहना था कि गवाह का बनावटी रूप उसके बयान की विश्वसनीयता पर संदेह करने का आधार हो सकता है। इस केस में भी चश्मदीद का ये कहना कि दोस्त का मर्डर देखने के बाद वह डरके मारे घर जाकर सो गया, भरोसा करने लायक नहीं है।

कोर्ट ने निचली अदालतों को भी फटकार लगाते हुए कहा कि, दुर्भाग्य से किसी भी निचली अदालत ने न्यायशास्त्र के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लेख नहीं किया है। अदालतें भविष्य में सबूतों की समीक्षा किए बिना ऐसी गलतियां करने से बचें, जिससे किसी निर्दोष को 20 साल तक जेल में न गुजारना पड़े।

पहले जानिए मामला क्या है :

गुजरात की ट्रायल कोर्ट ने 2003 में नरेंद्र भाई केशुभाई जाला को राम नाम के व्यक्ति की हत्या के आरोप में उम्र कैद की सजा सुनाई थी। जिसे गुजरात हाईकोर्ट ने बरकरार रखा था। इसके बाद नरेंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में

अपील की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने नरेंद्र को बरी किया है।

मरने वाले राम के दोस्त नीरव बिपिन भाई पटेल का दावा था कि वह घटना का चश्मदीद है। जब वे दोनों सड़क किनारे बैठे थे जब नरेंद्र बाइक पर शैलेंद्र नाम के शख्स के साथ आया और उसने राम को गोली मार दी। नीरव ने कहा था कि गोली मारने के पहले नरेंद्र ने राम से पूछा था कि वह उधार कब लौटाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अदालतें गलतियां करने से बचें :

ट्रायल कोर्ट और गुजरात हाईकोर्ट ने नीरव के बयान पर भरोसा किया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नीरव की गवाही भरोसा करने लायक नहीं है। क्योंकि नीरव न सिर्फ वहां से भाग गया, बल्कि उसने खून में लथपथ अपने दोस्त को मरने के लिए छोड़ दिया।

उसने कहा था कि वह डर गया था। जब उसने अपने चाचा से घटना के बारे में बताया तो उसने नीरव से घर जाकर सोने के लिए कहा। अगले दिन नीरव राम के घर गया और उसने राम की मां और बहन से घटना के बारे में बताया।

जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय करोल की बेंच ने कहा कि चश्मदीद वयस्क और समझदार है। 24 साल की उम्र है, किराना दुकान चलाता है। वह अनपढ़ नहीं है।

बावजूद इसके उसने दोस्त को बचाने कुछ नहीं किया। उसका ये बयान बनावटी और विश्वसनीय नहीं है, खास तौर पर ये कि वह अपने घायल दोस्त को मरने के लिए छोड़कर घर जाकर सो गया। उसका ये कहना कि वह डरा हुआ था ये भी भरोसे लायक नहीं क्योंकि जहां घटना हुई पुलिस स्टेशन वहां से 4 मिनट की दूरी पर ही था।

भाजपा ने 4 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदले

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने गुरुवार को पार्टी के भीतर बड़े बदलाव किए। 4 राज्यों में भाजपा अध्यक्ष को बदला गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजस्थान की कमान सीपी जोशी को सौंपी है। ओडिशा में मनमोहन सामल, दिल्ली में वीरेंद्र सचदेव और बिहार में सम्राट चौधरी को अध्यक्ष बनाया गया है।

राजस्थान में इस साल यानी 2023 में विधानसभा चुनाव होना है। दिल्ली और बिहार में 2025 और ओडिशा में 2024 में विधानसभा चुनाव होंगे।

भाजपा ने ढाई महीने से ज्यादा के इंतजार के बाद दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष की घोषणा कर दी है। पार्टी ने कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को स्थायी अध्यक्ष बनाया है। नगर निगम चुनाव में हार के बाद आदेश गुप्ता ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वीरेंद्र सचदेवा को पार्टी हाईकमान ने दिल्ली भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था।

अब केजरीवाल हटाओ के पोस्टर्स

➤ पीएम मोदी के खिलाफ पोस्टरबाजी के बाद लगाए गए

➤ केजरीवाल बोले-किसी को गिरफ्तार मत करना

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में पोस्टर वॉर छिड़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाए जाने के दो दिन बाद दिल्ली में जगह-जगह दीवारों पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पोस्टर लगाए गए हैं। इन पर केजरीवाल को दिल्ली से हटाने के नारे लिखे हैं। पोस्टर्स पर केजरीवाल ने कहा है कि मुझे इनसे कोई परेशानी नहीं है। किसी को गिरफ्तार न किया जाए।

दिल्ली में दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगे थे। इन पर लिखा था- 'मोदी हटाओ, देश बचाओ'। जैसे ही इन पोस्टर्स के लगे होने की जानकारी सामने आई, पुलिस ने 36 एफआईआर दर्ज कीं। प्रिंटिंग प्रेस के दो मालिकों समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया। आम आदमी पार्टी के बाहर एक वैन से 10 हजार पोस्टर्स भी जब्त किए थे।

पोस्टर्स पर लिखा है भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम

इन पोस्टर्स में लिखा है- बेईमान, रिश्वतखोर, तानाशाह अरविंद केजरीवाल को हटाओ, दिल्ली को बचाओ। इन पोस्टर्स के नीचे भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम भी लिखा है। उन्होंने एक ट्वीट में ये पोस्टर शेयर करके बताया कि अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाले, बस घोटाले, स्कूल घोटाले में रिश्वत ली। सिरसा ने कहा कि लोकसभा की टिकट बेचनी हो, राज्यसभा की टिकट बेचनी हो, अरविंद केजरीवाल ने सब किया है। वह कट्टर बेईमान आदमी है। जब आदमी सच बोलता है तो अपना नाम छुपाने की जरूरत नहीं पड़ती है। इसलिए मैंने आज दिल्ली के अंदर पोस्टर लगवाए हैं और उनमें नीचे अपना नाम लिखवाया है।

केजरीवाल ने कहा, लोकतंत्र में सबको पोस्टर लगाने का अधिकार

इस पर केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने ये पोस्टर देख लिए हैं और उन्हें इनसे कोई परेशानी नहीं है। लोकतंत्र में हर व्यक्ति को ऐसे पोस्टर लगाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि मोदी जी को अपने खिलाफ लगे पोस्टरों से क्यों परेशानी हुई। केजरीवाल ने आगे कहा कि प्रिंटिंग प्रेस के मालिक समेत पोस्टर लगाने वाले 6 गरीब लोगों को क्यों गिरफ्तार किया गया। >14

राहुल गांधी को सजा पर कुमारी शैलजा ने दी प्रतिक्रिया

कहा-उनकी आवाज दबने वाली नहीं

फतेहाबाद (हरियाणा), 23 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी शैलजा ने राहुल गांधी को मानहानि मामले में सजा पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की आवाज दबने वाली नहीं है। वह गरीब, मजबूर वर्ग की आवाज उठा रहे हैं, इसलिए भाजपा सरकार ने उन पर केस करवाया है। मगर उन्हें बेल मिल गई है। कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। कुमारी शैलजा कि राहुल गांधी के साथ जनता का भरपूर समर्थन है। इसलिए सरकार उन्हें रोकने के लिए हर हथकंडा अपना रही है। राहुल गांधी ने संसद में कोई अमर्यादित बात नहीं कही, फिर भी माइक बंद कर दिया गया। संसद नहीं चलने दी गई। सरकार राहुल गांधी से डर गई है। उन्होंने कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक यात्रा निकाल कर जमीन पर जनता की समस्या जानी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा सरकार के खिलाफ सड़क

गुरुवार को फतेहाबाद जिले के गांव भूथन कलां में ग्रामीणों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा पर उतरी हुई है। जनता के बीच नेता राहुल गांधी का संदेश लेकर जा रहे हैं।

फिर रंग बदलेगी महाराष्ट्र की सियासत

फडणवीस के साथ तस्वीर पर उद्धव का बड़ा बयान

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत ने पिछले कुछ महीनों में ऐसे-ऐसे रंग देखे हैं जिनकी पहले कल्पना भी करना मुश्किल था। कभी देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार साथ में शपथ लेते नजर आए, कभी कट्टर विरोधी रही शिवसेना और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई, और कभी बालासाहेब की अभेद्य मानी जाने वाली शिवसेना के 2 टुकड़े हुए। अब एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसे देखकर सूबे के सियासी गलियारों में कानाफूसी शुरू हो गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एक तस्वीर में साथ-साथ मुस्कुराते नजर आए हैं। देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद उद्धव ठाकरे ने बड़ा बयान देते हुए कहा, 'पहले एक खुलापन था। आज ऐसा कहते है कि बंद दरवाजे के भीतर जो चर्चा होती है, वह लाभदायक होती है, इसलिए हमारी फिर कभी बंद दरवाजे के भीतर चर्चा हुई तब बात करेंगे।' यह पूछे जाने पर कि क्या यह कोई संकेत है, उद्धव ने कहा, 'ऐसा कुछ नहीं है। मैं और वह विधानभवन के गेट पर आ रहे थे और उस समय जिसे राम-राम या हेलो कहते हैं, वह हुआ।'

'क्या किसी को हाय-हेलो कहना पाप हो गया है?'

जब उद्धव ठाकरे से पूछा गया कि क्या आज के हाय-हेलो के बाद आपका मोदी विरोध कम हो जाएगा, उद्धव ने कहा, 'नहीं, आप जल्दबाजी में ऐसी बड़ी बात मत करिए। क्या आज किसी को हाय-हैलो कहना पाप हो गया है? क्या किसी मकसद के साथ ही ऐसा करना चाहिए?' बता दें कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे को बीजेपी ने मुख्यमंत्री बनाया था, जबकि देवेंद्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री पद संभालने को कहा गया था। शिंदे की बगावत के बाद उद्धव को मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ा था।

दो गुटों के झगड़े में दुष्कर्म के दोषी की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में गुरुवार सुबह एक शख्स का शव मिलने से सनसनी मच गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि एक शख्स के सिर पर चोटें हैं और उसके साथ अन्य तीन लोग हैं जो घायल अवस्था में वहां पड़े हैं। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया तो डॉक्टरों ने एक शख्स को मृत घोषित कर दिया और अन्य तीन का इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान मो. रजा के रूप में हुई है। वहीं घायलों की पहचान विजय उर्फ रहीम, सुंदर लाल और रफीक के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धारा 302/307/34 के तहत एफआईआर दर्ज की है और साथ ही मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान पुलिस ने दो संदिग्धों की भी गिरफ्तारी भी की है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि यह वारदात दो गुटों के बीच हुए झगड़े का परिणाम है।

मैं भी मोदी, अपमानित महसूस किया

भाजपा सांसद ने राहुल गांधी की सजा का किया स्वागत

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उपनाम के बारे में टिप्पणी पर 2019 के मानहानि मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराने के सूरत की अदालत के फैसले का स्वागत करता हूं. मैं भी एक मोदी हूं. राहुल गांधी की टिप्पणी से मैंने भी खुद को अपमानित महसूस किया. बिहार से राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि उन्होंने भी पटना में कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है. उन्होंने कहा, मैंने पटना में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा भी दायर किया है. मुझे उम्मीद है कि मुझे भी न्याय मिलेगा. साथी भाजपा नेता और उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने दावा किया कि राहुल गांधी विभिन्न अदालतों में कई मामलों का सामना कर रहे हैं. उन्होंने कहा, लगता है राहुल गांधी को एक बार जेल जाना पड़ेगा. राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोलार में 13 अप्रैल 2019 को एक चुनावी रैली को संबोधित किया था.

राज ठाकरे ने उद्धव और शिंदे दोनों पर किया हमला

मंच से किसे कहा 'अलीबाबा'?

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चीफ राज ठाकरे ने महराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे दोनों पर जमकर निशाना साधा। मुंबई के शिवाजी पार्क की रैली में राज ठाकरे ने बीजेपी-शिवसेना गठबंधन टूटने के लिए उद्धव ठाकरे को ज़िम्मेदार ठहराया। राज ठाकरे ने इस दौरान पूछा कि जब पीएम मोदी ने मंच से कहा था कि देवेन्द्र फडणवीस सीएम बनेंगे तब उद्धव ने आपत्ति क्यों नहीं जताई। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे ने नतीजे आने के बाद खेल शुरू किया।

अलीबाबा और 40 लोग

इतना ही नहीं इस दौरान राज ठाकरे ने एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा। राज ठाकरे ने कहा कि अलीबाबा और उसके 40 लोग जून में छोड़ कर चले गए। उन्होंने कहा कि मैं उनको (विधायकों) चोर नहीं कह सकता हूं। ये सब उद्धव से परेशान होकर छोड़कर गए।

क्योंकि उद्धव ठाकरे किसी से मिलते नहीं थे। राज ने कहा कि बाला साहब की विरासत को ना उद्धव संभाल पाए और ना ही उनका बेटा संभाल पाएगा। इस दौरान राज ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को भी नसीहत देते हुए कहा कि वो उन जगहों पर रैली करने की कोशिश ना करें जहां उद्धव ठाकरे रैली करते हैं।

राज ठाकरे ने सीएम एकनाथ शिंदे को चेताया

राज ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के लिए कहा कि आप महाराष्ट्र के लिए काम करिए, जहां उद्धव सभा ले रहें है वहां आप सभा मत लो। राज ठाकरे ने महाराष्ट्र के हालात के लिए सीएम शिंदे को चेताया कि राज्य में नए उद्योग नहीं आ रहे हैं। बेरोजगारी बढ़ गई है, जनता सरकार की तरफ देख रही है और सरकार कोर्ट पर नजर टिकाए हुए है। इस दौरान राज ठाकरे ने अपनी रैली की शुरुआत मराठी भाई बहनों की बजाय हिंदू भाई बहनों से की।

रैली से पहले लगे 'भविष्य का मुख्यमंत्री' के पोस्टर

वहीं, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की रैली से कुछ घंटे पहले पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे को 'भविष्य का मुख्यमंत्री' घोषित करने वाले बैनर बुधवार को दादर के छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क के आसपास देखे गए थे।

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज को शाम एक बड़ी रैली को संबोधित करना था। महाराष्ट्र नव वर्ष गुड़ी पड़वा पर रैली के लिए माहौल तैयार करते हुए मनसे की दादर इकाई के प्रमुख लक्ष्मण पाटिल ने महाराष्ट्र के लोगों के मन में 'हिंदू जननायक' और 'भविष्य के मुख्यमंत्री' का दर्जा देने वाले बैनर लगाए थे।

महिला पार्षद सपना मालवीय को पति ने पीटा, ससुराल वालों के खिलाफ केस दर्ज, पति गिरफ्तार

सीहोर, 23 मार्च (एजेंसियां)। एक तरफ सरकार और प्रशासन महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार कदम उठा रही है, वहीं, घरेलू हिंसा रोकने के भी अनेक उपाय किए जा रहे हैं, लेकिन सीहोर नगर से सामने आया मामला बता रहा है कि सरकार के प्रयास अभी जमीनी हकीकत में नहीं बदले हैं। नगर के वार्ड क्रमांक 20 से निर्दलीय पार्षद सपना मालवीय के साथ उनके पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट की है। पार्षद के भाई शिवा मालवीय ने बताया कि उनकी बहन के साथ अमानवीय तरीके से मारपीट की। इसके बाद महिला पार्षद सपना मालवीय महिला थाने पहुंची, जहां अपनी चोट के निशान दिखाते हुए पति सूरज मालवीय पर मारपीट करने का आरोप लगाया। जिसके बाद महिला थाना प्रभारी ने सपना मालवीय का मेडिकल कराकर प्रकरण दर्ज किया।

बैंकों का कर्ज डकारा फ्रांस-इंग्लैंड में खरीदी 330 करोड़ की प्रॉपर्टी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारत के आर्थिक भगौड़े विजय माल्या को लेकर सीबीआई ने बड़ा दावा किया है. सीबीआई ने अपनी लेटेस्ट सप्लीमेंट्री चार्जशीट में कहा है कि 2015-16 में जिस समय किंगफिशर एयरलाइंस आर्थिक संकट में थी उस समय विजय माल्या के पास पर्याप्त पैसे थे और उसी समय उसने इंग्लैंड और फ्रांस में 330 करोड़ रुपए की संपत्तियां खरीदी थी. सीबीआई ने चार्जशीट में कहा है कि 2015-16 में किंगफिशर एयरलाइंस उस समय नकदी की कमी का सामना कर रही थी जिसकी वजह से बैंक अपने कर्ज की वसूली भी नहीं कर पाए थे. विजय माल्या कथित तौर पर आईडीबीआई बैंक-किंगफिशर एयरलाइंस धोखाधड़ी मामले में आरोपी है. जांच का जिम्मा सीबीआई के कंधों पर है. मुंबई की एक अदालत में सीबीआई ने हाल ही में एक सप्लिमेंट्री चार्जशीट फाइल की है जिसमें जांच एजेंसी ने दावा किया है कि 2008 और 2016-17 के बीच माल्या के पास पर्याप्त पैसे थे. ये वो दौर था जब किंगफिशर एयरलाइंस मंदी के दौर से गुजर रही थी. सीबीआई ने कहा है कि विजय माल्या ने ब्रिटेन में करीब 80 करोड़ रुपए और फ्रांस में करीब 250 रुपए की संपत्ति खरीदी है.

9000 करोड़ से अधिक के धोखाधड़ी का आरोप

बता दें कि विजय माल्या पर आईडीबीआई समेत अलग-अलग बैंकों से 9000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है. भारत जब तक जांच शुरू हुई उससे पहले ही माल्या भारत से भाग खड़ा हुआ. माल्या फिलहाल ब्रिटेन में शरण लिए हुआ है. 5 जनवरी 2019 को मुंबई की एक विशेष अदालत ने माल्या को भगौड़ा घोषित कर दिया था. जिसके बाद से माल्या को भारत लाने के लिए केंद्र सरकार और जांच एजेंसिया पूरी कोशिश में लगी हुई है. सीबीआई की ओर से इस मामले में पहले फाइल की गई चार्जशीट में कुल 11 अभियुक्तों के नाम शामिल थे, लेकिन अब इस मामले में एक और नाम जुड़ गया है. जांच एजेंसी ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट में आईडीबीआई बैंक पूर्व महाप्रबंधक बुद्धदेव दासगुप्ता का नाम जोड़ दिया है.

जैकलीन फर्नांडिस ने कोर्ट में जमा किया पासपोर्ट

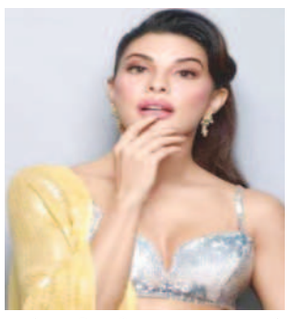

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लांड्रिंग मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने तीन आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है. वहीं जैकलीन फर्नांडिस के वकील ने उनका पासपोर्ट कोर्ट में जमा किया. जैकलीन के वकील ने कोर्ट को बताया कि वो विदेश यात्रा से वापस आ गई हैं और उनका पासपोर्ट कोर्ट में जमा कर रहे हैं. पटियाला हाउस कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडिस के वकील से कहा कि आप अपने क्लाइंट से कहिए कि वो कानून के प्रावधानों को गंभीरता से लें. 200 करोड़ ठगी मामले में आरोपी सुकेश चंद्रशेखर को भी पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया.

अपने जन्मदिन पर जेल में 5 करोड़ 11 लाख रुपये देने के प्रस्ताव पर उसने कहा कि मेरी तरफ से एक छोटी से भेंट है मैं अच्छा इंसान बनने की कोशिश कर रहा हूं. वहीं मामले की सुनवाई के दौरान कई आरोपियों की तरफ से कहा गया कि अभी तक उनको एफएसएल रिपोर्ट नहीं मिली है. कोर्ट ने ईडी से कहा कि अगली सुनवाई तक एफएसएल रिपोर्ट जमा करें. कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि अगर अगली सुनवाई पर एफएसएल रिपोर्ट नहीं आई तो उनके डायरेक्टर से पूछेंगे. पटियाला हाउस कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 5 अप्रैल को होगी.

बहुविवाह और निकाह हलाला के खिलाफ संविधान पीठ के सामने जल्द सुनवाई की मांग

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। मुस्लिमों में बहुविवाह और निकाह हलाला के खिलाफ याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने संविधान पीठ के सामने जल्द सुनवाई की मांग की है. फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने कोई तारीख नहीं दी. सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि उचित समय आने पर संविधान पीठ का गठन करेंगे. 30 अगस्त 2022 को बहुविवाह और निकाह हलाला के खिलाफ याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया था. केंद्र, एनसीडब्ल्यू, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग और एनएचआरसी से जवाब मांगा था. पांच जजों के संविधान पीठ ने 9 याचिकाओं पर नोटिस जारी किया था. याचिकाकर्ता और तीन बच्चों की मां समीना बेगम दो बार तीन तलाक का शिकार हो चुकी हैं. याचिका में कहा गया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) आवेदन अधिनियम, 1937 की धारा 2 को संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21 और 25 का उल्लंघन करने वाला घोषित किया जाए, क्योंकि यह बहुविवाह और निकाह हलाला को मान्यता देता है. साथ ही भारतीय दंड संहिता, 1860 के प्रावधान सभी भारतीय नागरिकों पर बराबरी से लागू हो. याचिका में यह भी कहा गया है कि 'ट्रिपल तलाक आईपीसी की धारा 498ए के तहत एक क्रूरता है. निकाह-हलाला आईपीसी की धारा 375 के तहत बलात्कार है और बहुविवाह आईपीसी की धारा 494 के तहत एक अपराध है. साथ ही याचिका में कहा गया है कि कुरान में बहुविवाह की इजाजत इसलिए दी गई है ताकि उन महिलाओं और बच्चों की स्थिति सुधारी जा सके, जो उस समय लगातार होने वाले युद्ध के बाद बच गए थे और उनका कोई सहारा नहीं था पर इसका मतलब यह नहीं है कि इसकी वजह से आज के मुसलमानों को एक से अधिक महिलाओं से विवाह का लाइसेंस मिल गया है. याचिका में उन अंतरराष्ट्रीय कानूनों और उन देशों का भी जिक्र किया गया है, जहां बहुविवाह पर रोक है. समीना ने कहा है कि सभी तरह के पर्सनल लॉ का आधार समानता होनी चाहिए, क्योंकि संविधान महिलाओं के लिए समानता, न्याय और गरिमा की बात कहता है.

इससे पहले बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय ने भी बहुविवाह और निकाह हलाला पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए याचिका दायर की थी. उनका कहना था कि इससे महिलाओं के मौलिक अधिकारों का हनन होता है. इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर की 27 वर्षीय फरजाना ने बहुविवाह और हलाला को असंवैधानिक करार देने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की है. इससे पहले भी बहुविवाह और हलाला के खिलाफ कई याचिकाएं दायर हो चुकी हैं

और इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को करनी है. हलाला के तहत तलाकशुदा महिला को अपने पति के साथ दोबारा शादी करने के लिए पहले किसी दूसरे पुरुष से शादी करनी होती है. दूसरा पति जब तलाक देगा, तभी वह महिला अपने पहले पति से निकाह कर सकती है. जबकि बहुविवाह नियम मुस्लिम पुरुष को चार पत्नी रखने की इजाजत देता है.

इस खतरनाक बीमारी से जूझ रहीं नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी

चंडीगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू कैंसर की चपेट में हैं। इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी। उन्होंने ये भी बताया कि वो कैंसर के दूसरे स्टेज में हैं। बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू रोडरेज मामले में इन दिनों जेल की सजा काट रहे हैं। नवजोत कौर का आज गुरुवार को ऑपरेशन है। चंडीगढ़ में उनकी सर्जरी की जाएगी। नवजोत कौर सिद्धू ने ट्वीट किया, वह एक ऐसे अपराध के लिए जेल में बंद हैं, जो उन्होंने किया ही नहीं। इसमें शामिल सभी लोगों को माफ कर दीजिए। हर दिन बाहर रहकर आपकी रिहाई का इंतजार करना बेहद कष्टदायक है। हमेशा की तरह आपके दर्द को दूर करने की कोशिश में हूं। बार-बार आपको न्याय से वंचित देखकर आपका इंतजार कर रही हूं।

एनआईए का बड़ा एक्शन

नागपुर में गजवा-ए-हिंद के तीन ठिकानों पर छापेमारी

नागपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। आतंकी समूहों को हो रही फंडिंग और भारत में आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। इसी कड़ी में एक नया मामला सामने आया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार तड़के चार बजे नागपुर में तीन स्थानों पर गजवा-ए-हिंद संगठन से जुड़े लोगों के घर पर छापेमारी की। गजवा-ए-हिंद एक ऐसा आतंकी संगठन है जो अल कायदा के साथ मिलकर कार्य करता है। इसके साथ ही लोगों को हिंसक प्रदर्शन के लिए उकसाने में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिन स्थानों की तलाशी ली गई, उनमें देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल संदिग्धों के आवासीय परिसर शामिल हैं।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मामला किया था दर्ज

बिहार के फुलवारी शरीफ में पिछले वर्ष 22 जुलाई को गजवा-ए-हिंद संगठन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके बाद इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपी गई थी। जांच में एनआईए ने बताया कि इस गजवा-ए-हिंद संगठन के एक आरोपी मरगुब अहमद दानिश ने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था और इसके बाद वह कई आतंकी संगठनों के साथ इस ग्रुप के माध्यम से संपर्क में था। इसके बाद एनआईए ने बताया कि मरगुब अहमद दानिश के द्वारा बनाए गए इस ग्रुप से कश्मीर में हो रही आतंकी गतिविधियों का बखान किया जा रहा था। इस साल 6 जनवरी को एनआईए ने आतंकी गतिविधियों से संबंधित मामले में एक आरोपी के खिलाफ विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इससे पहले 15 मार्च को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंकी फंडिंग से जुड़े मामले में जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ पंजाब में भी 15 स्थानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान एक पत्रकार को भी गिरफ्तार किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनआईए ने छापेमारी गोपनीय सूचना के आधार पर की थी।

हिन्दी पत्रकारिता को ऊंचाई पर लाने में बड़ी भूमिका निभाई थी अभय छजलानी ने

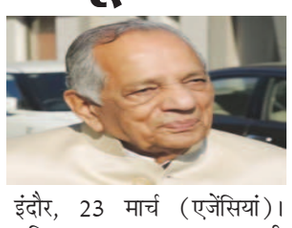

इंदौर, 23 मार्च (एजेंसियां)। वरिष्ठ पत्रकार अभय छजलानी नहीं रहे। वे लंबे समय से अस्वस्थ्य थे। उनके निधन पर शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने शोक व्यक्त किया है। उद्योगपति रमेश बाहेती ने कहा कि अभय छजलानी ने नईदुनिया अखबार के माध्यम से हिन्दी पत्रकारिता को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया। अखबार में उनके साप्ताहिक कालम गुजरता कारवां का पाठकों को इंतजार रहता है। उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर हिन्दी पत्रकारिता में अपनी जगह बनाई और राहुल बारपूते, राजेंद्र माथुर, प्रभाष जोशी के समकक्ष हो गए। नईदुनिया के लिए की गई उनकी मेहनत को मैंने काफी नजदीक से देखा है। उन्होंने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा हिन्दी पत्रकारिता को मजबूत करने के लिए दिया। उनका निधन शहर के लिए एक बड़ी कमी है। वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग ने कहा कि अविभाजित मध्य प्रदेश में उस समय जितनी प्रतिभाएं थी, अभय जी उन्हें जोड़ कर अपने साथ लाए। हरिशंकर परसाई, शरद जोशी, बसंत कुमार, मदन मोहन जोशी, प्रभाष जोशी नईदुनिया के लिए लंबे समय तक खिलते रहे। वे हिन्दी पत्रकारिता का मजबूत स्तंभ थे। खेलों के क्षेत्र में भी अभय छजलानी का अमूल्य योगदान रहा। मध्य प्रदेश से निकलने वाले अखबार नईदुनिया की हलचल दिल्ली तक रहती थी। उन्होंने हिन्दी पत्रकारिता के लिए जितना किया, उसके हिसाब से उनका मूल्यांकन नहीं हो सका। सामाजिक कार्यकर्ता मुकुंद कुलकर्णी ने कहा कि नर्मदा आंदोलन के कारण पहले चरण का पानी इंदौर पहुंचा। उस पूरे आंदोलन की योजना अभय जी ने बनाई थी। उन्हें शहर से बहुत प्यार था। इंदौर ने एक महान व्यक्ति खो दिया। इंदौर में जब भी कोई मंत्री आता था तो उनसे मिले बगैर नहीं जाता था। उनसे बातें करना बड़ा अच्छा लगता था। उनके पास कई रोचक किस्से होते थे। अफसोस है अब वे नहीं है। गुजरता कारवां हमेशा के लिए गुजर गया।

श्रवणबेलगोला जैन मठ के जगद्गुरु भट्टारक चारुकीर्ति स्वामीजी का निधन

बेंगलुरु, 23 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के हासन जिले में स्थित श्रवणबेलगोला जैन मठ के जगद्गुरु भट्टारक चारुकीर्ति स्वामीजी का आज निधन हो गया. वह सबसे वरिष्ठ और सम्मानित जैन मुनि थे. इसके बाद उनके अनुयायियों में शोक की लहर दौड़ गई है. चारुकीर्ति भट्टारक श्री बीमारी से पीड़ित थे, उन्हें बेलूर के आदिचुनचनागिरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. लेकिन इलाज के दौरान आज तड़के उनकी मौत हो गई. स्वामी जी के निधन की खबर सुनने के बाद आदिचुनचनगिरी मठ के अध्यक्ष श्री निर्मलानंदनाथ अस्पताल पहुंचे. 3 मई, 1949 को जन्मे श्री को 1970 में मठ के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था. मूल रूप से करकला के वरंगा गांव के रहने वाले उनके पिछले आश्रम का नाम रत्नवर्मा था. बैंगलोर विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद उन्होंने मैसूर विश्वविद्यालय से इतिहास में मास्टर डिग्री प्राप्त की थी. इसके अलावा, श्री चारुकीर्ति भट्टारक को प्राकृत, संस्कृत और कन्नड़ भाषाओं में विशेषज्ञता प्राप्त थी. जैन भट्टारक के देश भर में बहुत बड़े प्रशंसक रहे हैं जनिको स्वस्तिश्री चारुकीर्ति के नाम से भी जाना जाता है. बताते चलें कि श्रवणबेलगोला भारत के कर्नाटक राज्य के हासन जिले में स्थित एक नगर है. यह नगर एक प्रसिद्ध जैन तीर्थ के रूप में प्रसद्धि है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 24 मार्च, 2023 3

सुविचार

किसी भी काम में पूर्ण बनने के लिए लगातार अभ्यास की जरूरत है। शिक्षा में भी

एसआईटी के सामने पेश हुए रेवंत पेपर लीक के सबूत सौंपे

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी आज सनसनीखेज टीएसपीएससी पेपर लीक मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के पुलिस अधिकारियों के सामने पेश हुए। एसआईटी के अधिकारियों ने रेवंत रेड्डी से एक घंटे तक पूछताछ की और उन्होंने एसआईटी अधिकारियों को पेपर लीक मामले के सबूत सौंपे। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने दशकों के लंबे संघर्ष के बाद अलग राज्य हासिल किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के शहीदों के परिवारों ने अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य के संघर्ष का अंतिम चरण राज्य के लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने के लिए आयोजित किया गया था।

यह कहते हुए कि टीएसपीएससी को नौकरी के इच्छुक लोगों द्वारा एक धार्मिक स्थान माना जाता है, उन्होंने कहा कि आयोग के अधिकारी पारदर्शी तरीके से परीक्षा आयोजित करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के शासन में आयोग एक राजनीतिक पुनर्वास केंद्र बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के नेताओं ने आयोग की परीक्षाओं के आयोजन के मामले में हस्तक्षेप किया है. उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्र बाजार में मूंगफली की तरह बेचे हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग मंत्री केटी रामाराव को पेपर लीक मामले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और कहा कि उन्हें कैबिनेट से निष्कासित कर देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार आयोग के अध्यक्ष बी जनार्दन रेड्डी और आयोग की कर्मचारी वेंकटालक्ष्मी को जेल भेजे।

उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार उन सभी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करे, जो परीक्षा में शामिल हुए थे। बताते हैं कि मामले का मुख्य आरोपी प्रवीण कुमार राजमुंदरी का रहने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने आंध्र प्रदेश के मूल निवासियों के हाथों में राज्य के 30 लाख नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों का भविष्य रखा है। उन्होंने उपहास किया कि तेलंगाना राज्य का एक व्यक्ति आयोग के गठन के नौ साल बाद भी आयोग में कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में काम करने के लायक नहीं है। उन्होंने आलोचना की कि पेपर लीक मामले की जांच के लिए शुरू से ही कोई पुलिस अधिकारी नहीं है और कहा कि एसआईटी के प्रमुख एआर श्रीनिवास राव आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के हैं।

तेलंगाना में अगले पांच दिनों तक बारिश होने की संभावना

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में अगले पांच दिनों में बारिश होने की संभावना है। यह खुलासा हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र ने किया है।

एक बयान में, केंद्र ने कहा कि उत्तर और दक्षिण अवसाद के प्रभाव के कारण गुरुवार और शुक्रवार को राज्य में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

यह भी कहा कि 25 मार्च से 27 मार्च, 2023 तक राज्य के कई हिस्सों में ओलावृष्टि होगी। इसने कहा कि उत्तर और उत्तर पूर्व तेलंगाना के क्षेत्रों में बारिश होगी। इसने यह भी कहा कि राज्य के कई हिस्सों में 30 किमी से 40 किमी की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। केंद्र ने कहा कि दिन के समय तापमान बढ़ेगा और अगले पांच दिनों के दौरान रात के समय बारिश देखी जाएगी।

बंडी ने किसानों के मुआवजे को लेकर सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने तेलंगाना में हालिया ओलावृष्टि से नुकसान झेलने वाले सभी किसानों को मुआवजे के तौर पर 10,000 रुपये प्रति एकड़ देने की घोषणा को लेकर आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना की।

प्रदेश भाजपा प्रमुख ने आज एक बयान में मुख्यमंत्री से पूछा कि उन्होंने अपने शासन के पिछले आठ वर्षों में किसानों को मुआवजा क्यों नहीं दिया? उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर ने केंद्र सरकार की आलोचना करने के अलावा किसानों का ध्यान नहीं रखा। उन्होंने केसीआर से पूछा कि क्या वह पहले प्रभावित किसानों से मिले थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सीएम केसीआर किसानों से मिल रहे हैं और उनके क्षतिग्रस्त खेतों का दौरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 10,000 रुपये के मुआवजे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह किसानों के लिए पर्याप्त नहीं है। यह कहते हुए कि हाल ही में हुई ओलावृष्टि में पाँच लाख एकड़ में फैली फ़सलों को नुकसान पहुँचा है, बांदी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने राज्य के सभी प्रभावित क्षेत्रों में क्षेत्र स्तर के दौरे नहीं किए और सीएम के बयान में कहा कि राज्य में 2.28 लाख एकड़ भूमि में फैली फसल प्रभावित हुई है, यह हास्यास्पद है।

यह कहते हुए कि सीएम ने अभी तक केंद्र सरकार को हुए नुकसान के बारे में कोई रिपोर्ट नहीं भेजी है, उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि सीएम कह रहे हैं कि केंद्र से कोई वित्तीय सहायता मांगना बेकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने केंद्र सरकार की फसल भीम योजना को लागू नहीं किया क्योंकि इससे केंद्र में भाजपा सरकार का नाम होगा। राज्य में वामपंथी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि किसानों की ओर से आंदोलन करने वाले वामपंथी दल मुख्यमंत्री केसीआर की जयजयकार कर रहे हैं। उन्होंने सीएम केसीआर को केंद्र सरकार की आलोचना करना बंद करने की सलाह दी और उनसे राज्य के किसानों की मदद करने को कहा।

भगवान विश्वकर्मा के मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजस्थानी विश्वकर्मा संघ के तत्वावधान में जे.के. नगर सुचित्रा में भगवान श्री विश्वकर्मा जी का दिव्य और भव्य मंदिर बनाने से पूर्व शास्त्रीय विधि पूर्वक भूमि पूजन किया गया। श्री राजस्थानी विश्वकर्मा संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सुथार के मार्गदर्शन और नेतृत्व में समाज के सभी सदस्यों ने भूमि पूजन के आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर एक स्वर और एक मत से मंदिर निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता का संकल्प लिया। नेमीचंद जी के एक आह्वान मात्र से ही सम्पूर्ण विश्वकर्मा समाज ने एकजुटता का परिचय देते हुए मंदिर निर्माण में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। भूमि पूजन के पश्चात् भगवान श्री विश्वकर्मा जी की पूजा अर्चना की गई।

काकतीय नहर में दो भाई-बहन लापता हो गए

हनमकोंडा, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसआरएसपी की काकतीया नहर में दो भाई बह गए। कोत्तापल्ली गांव के नरेश के बेटे मटेदा हरसिथ (16) और अन्विक (9) दोपहर में तैरने गए थे और नहर में भारी बहाव के कारण बह गए थे। लड़कों को धोते हुए देखकर एक धोबी ने स्थानीय लोगों को सूचित किया। परिजन उन्हें खोजने पहुंचे, लेकिन उनका पता नहीं चला। पुलिस ने उनका पता लगाने के लिए विशेषज्ञ तैराकों को लगाया और आज सुबह फिर से शुरू हुई तलाश जारी है।

रेल मंत्रालय ने आंप्र में गूटी–पेंडेकल्लू के बीच रेल लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दी

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय हाल के दिनों में कई विकास कार्यों के साथ बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष जोर दे रहा है। भारतीय रेलवे के लिए फोकस क्षेत्रों में से एक ट्रेनों की गतिशीलता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण और संतृप्त खंडों का दोहरीकरण रहा है। इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेल मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश में गूटी–पेंडेकल्लू रेलवे स्टेशनों के बीच रेलवे लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दी है। 29.2 किलोमीटर की दूरी तक फैली इस परियोजना को 351.8 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर विशेष मंजूरी दी गई है।

दक्षिण मध्य रेलवे के गुंतकल मंडल में विशेष रूप से सिकंदराबाद/हैदराबाद और बेंगलुरु रेलवे स्टेशनों के बीच ट्रेनों को संभालने वाला गूटी–पेंडेकल्लू खंड महत्वपूर्ण खंडों में से एक है। यह सेक्शन इन दोनों शहरों और इससे आगे के शहरों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि अधिकांश ट्रेनें इसी सेक्शन से होकर गुजरती हैं। पिछले कुछ वर्षों में, इस सेक्शन में यात्री और मालगाड़ियों दोनों में लगातार वृद्धि देखी गई है, जिससे सेक्शन की संतृप्ति हुई है। इस सेक्शन के दोहरीकरण से न केवल ट्रेनों की आवाजाही आसान होगी और परिचालन दक्षता में सुधार होगा बल्कि इस सेक्शन में और ट्रेनों को पेश करने का अवसर भी मिलेगा।

भारतीय रेलवे ने गुंतकल–गुंटूर दोहरीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में पेंडेकल्लू–गुंटूर खंडों के बीच रेलवे लाइन के दोहरीकरण को पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके लिए काम पहले से ही प्रगति पर है। इसी तरह, इस क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण खंड यानी गूटी–धर्मवरम को भी हाल ही में एक डबल लाइन खंड में परिवर्तित कर दिया गया है। इस तरह, गूटी–पेंडेकल्लू रेलवे स्टेशनों के बीच 29.2 किलोमीटर रेलवे लाइन के दोहरीकरण से हैदराबाद /सिकंदराबाद और बेंगलुरु के बीच और उससे आगे दोनों दिशाओं में दोहरी लाइनों के साथ ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही हो सकेगी।

इस क्षेत्र में एक साथ शुरू की जा रही अन्य दोहरीकरण परियोजनाओं के साथ–साथ इस महत्वपूर्ण खंड के दोहरीकरण से क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक विकास में सहायता मिलेगी। क्षेत्र में उद्योग को मालगाड़ियों की तेज गति से लाभ होगा, जबकि यात्रियों को वर्गों में ट्रेनों की औसत गति में वृद्धि से लाभ हो सकता है।

अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा है कि गूटी–पेंडेकल्लू के दोहरीकरण से मंडल में अन्य दोहरी लाइनों के नेटवर्क के साथ क्षेत्र में महत्वपूर्ण खंड पुल होगा। उन्होंने कहा कि इससे इस महत्वपूर्ण खंड पर भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी और इन खंडों में और अधिक ट्रेनों के संचालन का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस खंड के दोहरीकरण से यात्री और माल ढुलाई दोनों ग्राहकों को लाभ होगा।

राज्य गठन के बाद से तेलंगाना में सड़क नेटवर्क दोगुना हुआ

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यह महसूस करते हुए कि बुनियादी ढांचा आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण कारक है, तेलंगाना सरकार ने पिछले आठ वर्षों में राज्य में सड़कों को पुनर्जीवित करने के लिए बहुत प्रयास किए हैं और आज, डबल लेन के साथ तेलंगाना में सड़क संपर्क में काफी सुधार हुआ है सड़क नेटवर्क, जो 2014 में 6,093 किमी था, अब बढ़कर 12,060 किमी हो गया है।

इसी तरह, 2014 में 669 किमी तक फैली चार लेन और उससे ऊपर की सड़कें अब बढ़कर 1,154 किमी हो गई हैं। यहां तक कि राष्ट्रीय राजमार्ग घनत्व भी 2023 में बढ़कर 4.45 किमी प्रति 100 वर्ग किमी हो गया, जो 2014 में राज्य के गठन के समय 2.25 किमी प्रति 100 वर्ग किमी था। सड़क और भवन विभाग (आर एंड बी) वर्तमान में 32,445 किमी सड़कों का रखरखाव करता

है, जिनमें से 27,461 किमी राज्य राजमार्ग हैं और 4,983 किमी राज्य से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। सड़क और भवन अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने विभागों की अपनी पहली समीक्षा बैठक के दौरान सड़कों के विकास का खाका तैयार किया था और उसके आधार पर सड़कों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। इसके बाद, मंडल और जिला मुख्यालयों के बीच डबल–लेन कनेक्टिविटी, जिला सड़कों और राज्य राजमार्गों को चौड़ा करके क्षमता वृद्धि, पुलों का निर्माण और प्रमुख शहरों में रिंग रोड और बाइपास ऐसे क्षेत्र है, जिन पर राज्य सरकार द्वारा प्राथमिकता से कार्य किए गए थे।

मरीजों पर नाराज न हों, हरीश राव की कर्मचारियों को सलाह

सिद्दीपेट, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने सरकारी अस्पतालों के कर्मचारियों को सलाह दी है कि वे मरीजों पर गुस्सा न करें और अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मरीजों को अच्छा माहौल मुहैया कराने को कहा है।

स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव ने गुरुवार को यहां सरकारी अस्पताल में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) द्वारा दान की गई लगभग 70 लाख रुपये की लेप्रोस्कोपिक मशीन और अन्य उपकरणों का शुभारंभ किया। जिला कलक्टर प्रशांत किशोर, जिला पंचायत अध्यक्ष रोजा शर्मा और ईसीआईएल के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि सिद्दीपेट जिले में 99.9 प्रतिशत संस्थागत प्रसव का रिकॉर्ड स्तर है, जिसमें 66 प्रतिशत मामले सरकारी अस्पतालों में और 33.9 प्रतिशत निजी अस्पतालों में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों से शिकायतें मिल रही थीं कि मरीजों के प्रति सिद्दीपेट अस्पताल के कर्मचारियों का व्यवहार अच्छा नहीं था और उन्होंने कर्मचारियों से रोगियों को प्राप्त करने के लिए अपना रवैया बदलने को कहा।

CLASSIFIEDS

LOST

I PATHI SUDHARSHAN REDDY, S/O Subbareddy R/o. H.No. 8-3-231/A-518/519, Sri Krishna Nagar, Yousufguda, Hyderabad I lose my weapon licence No. 07/DM/Doda and driving licence No. MN0220150021172 and Pancard No. AZBPP1833E any found call 7075717574

CHANGE OF NAME

I, Shanti W/o M.Ganesan R/o:1/139, North Street Paranam (post) Sendurai,(Tk) Ariyalur (Dist) Tamil-nadu Pin-621804. Have Changed My Name As"SANTHI" For Future Purpose.

I, SABITHA BINJRAJKA, R/o.10-1-14 P. No 151, West Marred-pally, Sec'bad-26, have changed name as SABITA BINJRAJKA W/o.RAMESH BINJRAJKA

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नेत्रहीनों को सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए : डॉ. जवाहरलाल कौल

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय नेत्रहीन परिसंघ के संस्थापक महासचिव डॉ. जवाहरलाल कौल ने आज देश के दृष्टिहीन लोगों से सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और अपने जीवन में सर्वोच्च पदों पर पहुंचने का आह्वान किया।

कौल ने कहा कि नेत्रहीनों के विकास और कल्याण संघ (डीडब्ल्यूएबी) के राज्य कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद एलबी नगर में चिंतालकुंटा चेक–पोस्ट की जहांगीर कॉलोनी में एक सभा को संबोधित करते हुए एआईसीबी के राज्य महासचिव पोन्नागोटी चोक्का राव ने बैठक की अध्यक्षता की। कौल ने इस अवसर पर कुछ कवियों को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। डॉ. जवाहरलाल कौल ने कहा कि उनकी संस्था पिछले 56 वर्षों से नेत्रहीनों के विकास के लिए छात्रवृत्ति और पेंशन प्रदान कर रही है। यह कहते हुए कि उन्होंने 300 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करके अपनी यात्रा शुरू की, उन्होंने कहा कि उन्होंने देश भर में अब तक 400 करोड़ की वित्तीय सहायता वितरित की है। उन्होंने राज्य सरकार से नेत्रहीनों के लिए कार्यशाला आयोजित करने के लिए भवन निर्माण के लिए भूमि का एक टुकड़ा आवंटित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे उत्तर प्रदेश के प्रताप गढ़ में पिछले तीन वर्षों से 15,000 रुपये प्रदान करके दृष्टिहीनों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने नलगोंडा जिले में समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम आयोजित किए।

चोक्का राव ने कहा कि नलगोंडा जिले में उनके द्वारा चलाए जा रहे नेत्रहीन स्कूल में 500 नेत्रहीन छात्र पढ़ रहे हैं और कहा कि उनकी मदद के कारण 100 से अधिक दृष्टिहीन छात्र अपने जीवन में सफलतापूर्वक बस गए हैं। संगठन के संस्थापक महासचिव जवाहरलाल कौल की प्रशंसा की। इस अवसर पर वनस्थलीपुरम पार्षद आर. वेंकटेश्वर रेड्डी, डीडब्ल्यूएबी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के. वेंकट सुब्बैया और के. विजय कुमार और अन्य ने भी उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया। चोक्का राव ने बैग बांटने के लिए साईं प्रसाद रेड्डी और दान करने के लिए बाबू राव को धन्यवाद दिया।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित पुजा–अर्चना, घट स्थापना, हवन–यज्ञ कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मांगीलाल काग, प्रेम पंवार, दुर्गाराम मुलैवा व समाज के बन्धु ।

सम्राट चौधरी को बिहार बीजेपी की कमानः जेपी नड्डा ने प्रदेश अध्यक्ष बनाया

लगातार महागठबंधन की सरकार पर हमलावर हैं सम्राट

पटना, 23 मार्च (एजेंसियां)। बिहार भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी होंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें ये जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने लेटर जारी कर इसकी जानकारी दी है। इसके पहले संजय जायसवाल बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष थे। एनडीए की सरकार टूटने के बाद बीजेपी लगातार सम्राट चौधरी को प्रमोट कर रही है। सबसे पहले इन्हें विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी दी। बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इन्हें मंच संचालन की जिम्मेदारी दी गई। अब उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। सम्राट चौधरी पिछले कई दिनों से हर मुद्दे पर सीधे नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। उन्होंने शपथ ली है कि जब तक वो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से बेदखल नहीं कर देंगे। तब तक वो पगड़ी बांधे रखेंगे। सितंबर में संजय जायसवाल का प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल खत्म हो गया था, लेकिन लगातार 2 विधानसभा उपचुनाव और अमित शाह के दौरे के कारण ये नियुक्ति टल रही थी।

सम्राट कुशवाहा समाज से 3 बार मंत्री रहे

भारतीय जनता पार्टी ने 2024 का लोकसभा चुनाव देखते हुए विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी को पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। सम्राट चौधरी कुशवाहा समाज से आते हैं। बिहार सरकार में तीन बार मंत्री रह चुके हैं। इनके और इनके पिता पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी की बिहार में काफी राजनीतिक पैठ मानी जाती है। सम्राट चौधरी उस समय विवादों में आए थे, जब लालू यादव की कैबिनेट में सबसे कम उम्र के मंत्री बन गए थे। फिर लंबे बवाल के बाद उन्हें मंत्री पद से हटना पड़ा था। चौधरी उस समय भी सक्रिय भूमिका में थे, जब राजद को जदयू तोड़ रही थी। कुछ विधायक और एमएलसी लेकर सम्राट चौधरी जदयू में शामिल हो गए थे। बाद में जीतन राम मांझी के कार्यकाल में उन्हें नगर विकास मंत्री बनाया गया था। इसके बाद सम्राट चौधरी ने जदयू को अलविदा कहकर भाजपा का दामन थामा था। भाजपा ने भी उन्हें इनाम देते हुए राज्यपाल कोटे से एमएलसी बनाया। पंचायती राज मंत्री बनाया। जब भाजपा सरकार से हटी तो उन्हें विधान परिषद में प्रतिपक्ष का नेता बनाया गया।

कभी लालू के लाडले रहे सम्राट

कभी लालू प्रसाद के लाडले रहे, सम्राट चौधरी साल 2014 में राजद छोड़कर जदयू में शामिल हुए थे। तब वह नीतीश कुमार के बेहद खास माने जा रहे थे। इतने खास कि पार्टी में शामिल होते ही सम्राट चौधरी को पहले एमएलसी बनाया गया और फिर मंत्री, लेकिन यह सिलसिला ज्यादा दिन नहीं चला। 2014 लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद, नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दी और जीतन राम मांझी को बिहार का नया मुख्यमंत्री बना दिया। 2015 तक जीतनराम मांझी और नीतीश कुमार के बीच जबरदस्त दूरियां दिखने लगी और फिर जदयू दो खेमों में बंट गई। सम्राट चौधरी तब जीतनराम मांझी मंत्रिमंडल में मंत्री थे और उन्होंने मांझी का साथ देना शुरू कर दिया। सम्राट चौधरी का नीतीश कुमार के खिलाफ बगावत करने का सिलसिला यहीं से शुरू हो गया। कई सालों तक मांझी खेमे का हिस्सा रहने के बाद सम्राट चौधरी ने 2018 में भाजपा जॉइन कर लिया। तब भाजपा विपक्ष में थी और बिहार में जदयू-राजद की सरकार थी। सम्राट चौधरी की भाजपा में एंट्री होने की 2 वजहें थीं - एक कुशवाहा वोट और दूसरा उनका नीतीश विरोधी होना। भाजपा ने पहले उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया और फिर 2021 में एमएलसी और मंत्री।

कुशवाहा समाज को साधने की कोशिश

5 साल में ही सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। इसके पीछे उनका कुशवाहा समाज से आना, बड़ा कारण है। उनके पिता शकुनी चौधरी कुशवाहा समाज के बड़े नेता रहे हैं। कुशवाहा-कुर्मी समाज को साधने के लिए सम्राट चौधरी बीजेपी के लिए तुरूप का पत्ता साबित होंगे। बिहार में कुशवाहा-कुर्मी समाज की आबादी 11 फीसदी है। ऐसे में सम्राट को भाजपा पूरे बिहार में घुमाएगी। 55 साल के सम्राट के एग्रेशन को देखते हुए भी भाजपा ने ये जिम्मेदारी दी है।

भाजपा के अंदर नीतीश विरोधी गुट की आवाज हैं सम्राट

सम्राट चौधरी का 2021 में भाजपा कोटे से नीतीश कैबिनेट में शामिल होना भी नीतीश कुमार के लिए बड़ा धक्का है। इससे पहले की भाजपा-जदयू सरकारों में वही चेहरे कैबिनेट में शामिल हुए हैं, जो नीतीश कुमार की पसंद के रहे थे। चाहे वह नेता जदयू का हो या भाजपा का।

2021 के नतीजों ने जदयू को सीटों के मामले में बेहद कमजोर कर दिया है। लिहाजा, नीतीश कुमार उस तरह से मंत्रियों को चुनने में अपना प्रभाव नहीं दिखा पाए और यही वजह रही कि सम्राट चौधरी बिहार सरकार में पंचायती राज मंत्री बन गए। सम्राट, भाजपा में उन गिने-चुने नेताओं में से एक हैं, जो दूसरी पार्टी से आने के बावजूद इतनी जल्दी मंत्री पद तक पहुंच गए। पार्टी में उनकी तरक्की की बड़ी वजह उनका नीतीश विरोधी होना ही है।

नीतीश कुमार की राष्ट्रीय नेता की छवि को तोड़ते रहते हैं सम्राट

सम्राट चौधरी भाजपा की तरफ से जदयू और नीतीश कुमार पर बयानी हमले करते रहते हैं।वे अपने बयानों से नीतीश कुमार की उस राष्ट्रीय नेता की छवि को तोड़ते हैं, जिसे बनाने की कवायद नीतीश कुमार और उनकी पार्टी करती रहती है।

1990 से राजनीति में सक्रिय है

सम्राट चौधरी 1990 से सक्रिय राजनीति में शामिल हुए। 19 मई 1999 को बिहार सरकार में कृषि मंत्री के पद की शपथ ली। 2000 और 2010 में परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े और निर्वाचित हुए। साल 2010 में विधानसभा में विपक्षी दल के मुख्य सचेतक बनाए गए थे। 2 जून 2014 को शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद बीजेपी में शामिल हुए और साल 2018 में भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें बिहार प्रदेश का उपाध्यक्ष बनाया। वर्तमान में सम्राट चौधरी विधान परिषद में विरोधी दल के नेता है।

जया प्रदा ने फिर बढ़ाई सियासी हलचल, शेयर की ये तस्वीरें

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अगले कुछ महीने के अंदर दो सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। लेकिन इससे पहले उम्मीदवारों के नाम को लेकर चल रही अटकलें थमने का नाम ही नहीं ले रही है। बीजेपी नेता और एक्ट्रेस जया प्रदा एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। अब फिर उन्होंने ऐसी कुछ तस्वीरें साझा की है, जिसकी चर्चा हो रही है। जया प्रदा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की है। बीजेपी नेता ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की। इसकी मुलाकात की तस्वीरें भी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए साझा की है। तस्वीरों में जया प्रदा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ नजर आ रही हैं। जया प्रदा ने तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी को मिलकर नव वर्ष की ओर नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। बीजेपी नेता द्वारा तस्वीरें साझा किए जाने के बाद राज्य में फिर से सियासी हलचल तेज हो गई है।

इन मुलाकातों की हुई चर्चा

हालांकि बीते दिनों में जया प्रदा की बीजेपी के कई बजे नेताओं के साथ मुलाकात हुई है। बीते महीने उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी।

तब उन्होंने तस्वीर साझा कर लिखा, आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से शिष्टाचार भेंट की। इसके बाद उन्होंने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मुलाकात की। तब तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक जी से शिष्टाचार भेंट की। इसके बाद जया प्रदा ने यूपी बीजेपी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच ये मुलाकात होली के आसपास हुई थी। इसकी तस्वीर साझा करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, आज उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी जी से मिलकर होली के त्यौहार की शुभकामनाएं दी। बता दें कि इन मुलाकातों के बाद जया प्रदा के स्वार विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा शुरू हुई थी।

बिना टिकट यात्रा करने वालों पर रेलवे सख्त, एक दिन में वसूले 54 लाख रुपये

समस्तीपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के प्रति सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में रेलवे द्वारा टिकट चेकिंग अभियान चलाया जाता है। रेलवे के समस्तीपुर रेलमंडल ने मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाकर एक दिन में रेल यात्रियों से 54 लाख रुपये वसूले है। इस अभियान में 7289 रेल यात्री पकड़े गए। पूर्व मध्य रेल इन दिनों लगातार बिना टिकट या बिना उचित टिकट के यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के खिलाफ विशेष टिकट चेकिंग अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में समस्तीपुर रेलमंडल के द्वारा समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा, रक्सौल, नरकटियागंज, बापूधाम मोतिहारी, जयनगर, सीतामढ़ी आदि स्टेशनों पर मुख्य रूप से टिकट जांच अभियान चलाया गया।

बीजेपी सरकार को अखिलेश यादव ने दी चेतावनी, कहा- 'करेंगे आंदोलन'

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव बीते कुछ दिनों से बीजेपी पर जमकर जुबानी हमला कर रहे हैं। अब उन्होंने बीजेपी सरकार को सीधे चेतावनी दी है। उन्होंने ये चेतावनी अमेठी के बहुचर्चित सारस के लापता होने पर दी है। इससे पहले भी अखिलेश यादव ने बीजेपी पर सरकार पर लखनऊ में प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान जमकर निशाना साधा था। अखिलेश यादव ने गुरुवार को चेतावनी देते हुए कहा, उप्र वन-विभाग द्वारा अमेठी से ज़बरदस्ती ले जाकर रायबरेली के समसपुर पक्षी विहार में छोड़ा गया 'बहुचर्चित सारस' अब लापता है। उप्र के राज्य-पक्षी के प्रति ऐसी सरकारी लापरवाही एक गंभीर विषय है। भाजपा सरकार तत्काल सारस खोजे, नहीं तो पूरी दुनिया के पक्षी-प्रेमी आंदोलन करेंगे। शर्मनाक। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री जी चाहें तो लापता सारस का कोई नामकरण भी कर दें लेकिन उसे ढूँढकर उसकी जान ज़रूर बचाएं। वो सारस भी पूरे उप्र को वैसे ही प्रिय है, जैसे मुख्यमंत्री जी को गोलू।

पीएम मोदी पर साधा निशाना

इससे पहले अखिलेश यादव ने लखनऊ में कहा कि अमेठी में एक व्यक्ति के साथ रह रहे सारस को वन विभाग द्वारा पक्षी विहार में भेजे जाने की घटना को लेकर सरकार पर निशाना साधा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर सरकार सारस छीन रही है तो उन लोगों से मोर भी छीन लेना चाहिये जो उसे दाना खिला रहे थे। सपा प्रमुख ने कहा, अगर सरकार सारस छीन रही है तो उनसे मोर भी छीन लेना चाहिए जो मोर को दाना खिला रहे थे। आरिफ ने जो सारस की सेवा की उसका परिणाम ये हुआ कि सारस इनका मित्र बन गया। मैं सबसे पहले समाजवादी पार्टी के नेता प्रमोद त्यागी जी का स्वागत करता हूं और उन्हें बधाई देता हूं। आप नेताजी के पुराने साथी और समाजवादी आंदोलन में हमेशा आगे रहे। उन्होंने कहा, इस प्रदेश की बर्बादी के जिम्मेदार मुख्यमंत्री हैं। ये किसानों के दुश्मन हैं। सदन में कहते हैं कि आलू खरीदेंगे बताओं कहां खरीदा? गोमती में नाले गिराए जा रहे हैं। मैं कहता हूं कि गोमती का मॉडल ही अंतोगत्वा आपको फॉलो करना पड़ेगा।

नोएडा में कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग

धुएं से 10 लोग बेहोश, फायर फाइटर ने कंधे पर उठाकर किया रेस्क्यू

नोएडा, 23 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर-10 स्थित कपड़े की कंपनी में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। आग कंपनी के तीसरे फ्लोर पर लगी। वहीं पर कंपनी में काम करने वाले मजदूरों के लिए एक कमरा बना है। उसी में 10 मजदूर सो रहे थे। उनको फायर फाइटर ने रेस्क्यू कर निकाला। कंधे पर लादकर फायर फाइटर एक-एक मजदूर को फैक्ट्री से लेकर बाहर निकले। इनमें से कई बेसुध हो चुके थे। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार ने बताया कि इमारत में कपड़े में प्रिंटिंग का काम किया जाता था। जब आग लगी तो इसके ऊपरी तल पर लोग सो रहे थे। इन्हें रेस्क्यू किया गया। 2 लोगों की धुएं के कारण तबीयत बिगड़ी है। उन्हें भर्ती कराया गया है। आग के कारण का पता नहीं चल पाया है। प्राथमिक अनुमान शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। प्रदीप ने बताया कि थाना फेज-1 के ए-108 सेक्टर-10 की घटना है। गार्ड ने इसकी सूचना गुरुवार सुबह पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियों को भेजा गया। जिन्होंने आग पर काबू पाते हुए अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पया। थर्ड फ्लोर पर कपड़े के भंडार रखे थे। इसमें तेजी से आग पकड़ी। गनीमत रही कि आग नीचे के फ्लोर पर नहीं पहुंची, नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था। सावधानी के तौर पर आस-पास की कंपनियों में रह रहे मजदूरों को भी बाहर जाने को कहा गया।

सीएम नीतीश कुमार का यूपी में बड़ा दांव

धनंजय सिंह को सौंपी अहम जिम्मेदारी, बीजेपी को मिलेगी चुनौती

पटना, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव (2024) की तैयारियों को देखते हुए जेडीयू ने बड़ा दांव चला है। पार्टी ने राज्य में केसी त्यागी की जगह धनंजय सिंह को अहम जिम्मेदारी दी है। पार्टी के ओर से धनंजय सिंह को यूपी में जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नीतीश कुमार की पार्टी के इस फैसले को अब बड़े कदम के तौर पर देखा जा रहा है। यूपी में केसी त्यागी की जगह पर धनंजय सिंह को जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। धनंजय सिंह को अहम जिम्मेदारी मिलने से लोकसभा चुनाव में जेडीयू को मजबूती मिलने की संभावना है। धनंजय दो बार विधायक और एक बार जौनपुर से सांसद भी रह चुके हैं। धनंजय सिंह को जिम्मेदारी देने के फैसले को पूर्वांचल में जेडीयू के विस्तार से जोड़ कर देखा जा रहा है। दरअसल, धनंजय सिंह पूर्वांचल से ही आते हैं।

क्यों अहम है ये फैसला?

वहीं जौनपुर लोकसभा सीट भी पूर्वांचल का ही हिस्सा है। अभी राज्य के इस हिस्से की ज्यादातर सीटों पर बीजेपी का कब्जा है। लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले इसे नीतीश कुमार का नया दांव माना जा रहा है। यूपी की एक दर्जन लोकसभा सीटों पर कुर्मी वोटर महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इन एक दर्जन सीटों में से ज्यादातर सीटें पूर्वांचल में पड़ती है। ऐसे में इसका फायदा जेडीयू को हो सकता है। हालांकि धनंजय सिंह की गिनती पूर्वांचल के बाहुबलियों में होती रही है। बता दें कि धनंजय सिंह ठाकुर समाज से आते हैं। वर्तमान में इस ठाकुर वोटर्स को बीजेपी का कोर वोटर माना जाता है। हालांकि जेडीयू ने ये फैसला ऐसे वक्त में लिया है जब लोकसभा चुनाव से पहले जेडीयू और सपा के बीच गठबंधन के संकेत मिल रहे हैं। इससे पहले बीते यूपी विधानसभा चुनाव में धनंजय सिंह को जेडीयू ने अपना प्रत्याशी भी बनाया था।

कुख्यात नक्सली डोमन कोड़ा गिरफ्तार

पुलिस व आरपीएसएफ पर हमले और हाई स्कूल में बम विस्फोट में था वांछित

लखीसराय, 23 मार्च (एजेंसियां)। शीर्ष नक्सली नेता प्रवेश के सहयोगी डोमन कोड़ा को सिमरातरी जंगल से गिरफ्तार कर लिया गया है। वह कजरा थाना क्षेत्र के कानीमोह निवासी नाथू कोड़ा का पुत्र है। लखीसराय के एएसपी अभियान मोती लाल के नेतृत्व में एसएसबी कंपनी नरोत्तमपुर कजरा, एसएसबी कंपनी बन्नू बगीचा, एसटीएफ कजरा एवं कजरा थाना की पुलिस ने यह गिरफ्तारी की। कुख्यात नक्सली डोमन कोड़ा ने 13 जून, 2013 को कुंदर हाल्ट के समीप धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस पर हमला कर ट्रेन मार्गरक्षी दल के आरपीएसएफ के जवान सुकांत देवनाथ, अवर निरीक्षक अमित एवं पूर्णिया के यात्री सरवर इस्लाम की गोली मारकर हत्या कर थी। इसके बाद एस्कार्ट टीम के हथियार और कारतूस लूट लिए थे। इसके अतिरिक्त वह कजरा नरोत्तमपुर हाई स्कूल पर धावा बोलकर बम विस्फोट करने सहित तीन अन्य मामलों में भी आरोपित है। नक्सली डोमन कोड़ा शीर्ष हार्डकोर नक्सली प्रवेश, सुरेश कोड़ा, रावण कोड़ा व अर्जुन कोड़ा आदि का सहयोगी है।

मौत के बाद भी पीछा नहीं छोड़ रही महंगाई

लखनऊ में चिता के लिए लकड़ियों के दाम बढ़े

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। महंगाई से जहां जान महंगी हो रही है, वहीं लखनऊ में अब मौत भी महंगी हो गई है। बैकुंठ धाम और गुलाला घाट पर अपने प्रियजनों के अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिवारों की शिकायत है कि लखनऊ नगर निगम (एलएमसी) द्वारा निर्धारित 550 रुपये के मुकाबले चिता के लिए लकड़ी 650-700 रुपये प्रति क्विंटल बेची जा रही है। चिता के लिए लकड़ी बेचने वाला ठेकेदार अंतिम संस्कार के लिए जरूरी 3-6 क्विंटल लकड़ी के लिए 2,520 रुपये की मांग कर रहा है, जबकि बोर्ड पर प्रदर्शित 550 रुपये प्रति क्विंटल की दर से यह लगभग 2,000 रुपये होनी चाहिए। लकड़ी की ऊंची कीमत पर सवाल उठाने वालों को कठोरतापूर्वक विद्युत शवदाह गृह जाने को कहा जाता है। बैकुंठ धाम में महाब्राह्मण का कर्तव्य निभाने वाले पंडित नरेंद्र मिश्रा कहते हैं, प्रत्येक चिता के लिए 3-4 क्विंटल लकड़ी की आवश्यकता होती है। बाजार में लकड़ी की कीमत बढ़ने के कारण ठेकेदारों ने भी कीमत बढ़ा दी है।

श्रम और परिवहन के लिए भी भुगतान करना पड़ता है। मूल्य बढ़ोतरी के फैसले का बचाव करते हुए बैकुंठ धाम के एक ठेकेदार कुमार ने कहा कि एलएमसी ने 2010 से दरों में संशोधन नहीं किया है। उन्होंने कहा, इन वर्षों में लकड़ी और अन्य खर्चे में जबरदस्त वृद्धि हुई है। 2020 में बाजार में लकड़ी की कीमत लगभग 400 रुपये प्रति क्विंटल थी, जो अब बढ़कर 600 रुपये हो गई है। दिसंबर में हमने एलएमसी अधिकारियों से कीमत संशोधित करने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। ऐसे में नुकसान से बचने के लिए हमने खुद दरें बढ़ाने का फैसला किया। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने कहा कि मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा, समिति की रिपोर्ट आने के बाद हम दर तय करने के लिए ठेकेदारों से मिलेंगे।

व्हाट्सएप -इंस्टाग्राम-फेसबुक यूजर्स हो जाएं सावधान

लग सकता है 10 लाख तक का जुर्माना

पटना, 23 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के दौर में कई लोग अलग अलग प्लेटफॉर्म पर खबर देने का काम करते हैं। ऐसे में कुछ लोग भ्रामक खबर को बिना सत्यापित किए अपलोड कर देते हैं। यानी कि सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म के जरिए भ्रामक या झूठी वीडियो या फोटो डाल देते हैं। ऐसे भ्रामक वीडियो, फोटो और न्यूज के कारण कई बार स्टेट में विधि व्यवस्था की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। इसके बाद पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ती है। ऐसे में आर्थिक अपराध इकाई के साइबर सेल के एसपी सुशील कुमार ने बताया कि लोगों को कुछ भी पोस्ट करने से पहले उसकी सत्यता की जांच कर लेनी चाहिए, अन्यथा परेशानी बढ़ सकती है।

बिना जांचे ना करें पोस्ट

आर्थिक अपराध इकाई के साइबर सेल के एसपी सुशील कुमार ने बताया कि जो लोग यूट्यूब, फेसबुक समेत अलग-अलग माध्यमों के जरिए खबर दे रहे हैं, उनको भारत सरकार के 2019 में जारी गाइडलाइन का पालन करना चाहिए। किसी भी वीडियो या पोस्ट को बिना सत्यापित किए अपने प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित ना करें। अगर आप किसी भ्रामक खबर, पोस्ट या फिर फोटो, वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करते हैं तो आप पर कार्रवाई हो सकती है।

सावधानी से करें सोशल मीडिया का प्रयोग

सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट, रीट्वीट या शेयर करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करना ना भूलें। सोशल मीडिया पर किसी भी सूचना की सच्चाई पता किए बिना फॉरवर्ड करना, शेयर करना, आगे बढ़ाना खतरनाक साबित हो सकता है। आपको बता दें कि आईटी एक्ट-2000 की धारा 67 के तहत अगर कोई पहली बार सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने का दोषी पाया जाता है, तो उसे तीन साल की जेल हो सकती है। साथ ही 5 लाख रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। अगर यही अपराध दोहराया तो दोषी को 5 साल की जेल और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है।

नवरात्रि में खाया कुट्टू के आटे का पकवान बीमार होकर 70 लोग पहुंचे अस्पताल

गाजियाबाद, 23 मार्च (एजेंसियां)। प्रशासन की लाख सख्ती के बावजूद मिलावटखोर अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में ही मिलावटी कुट्टू का आटा खाकर 70 से अधिक लोग बीमार हो गए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है, जहां करीब आधा दर्जन लोगों की हालत गंभीर बनी है। इन सभी लोगों ने नवरात्र का व्रत करते हुए फलाहार के तौर पर कुट्टू के आटे से बने पकवान खाए थे। इन सभी लोगों ने गांव की दुकान से फलाहार का सामान खरीदा था। मामला संज्ञान में आने के बाद खाद्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह मामला गाजियाबाद में मोदीनगर के पास डबाना गांव का है। जानकारी के मुताबिक गांव में बड़ी संख्या में लोगों ने नवरात्रि का व्रत किया था और सभी लोगों ने गांव की दुकान से फलाहार का सामान खरीदा और शाम को कुट्टू के आटे से पाकवान बनाया था। बताया जा रहा है कि यह पाकवान खाने के बाद रात में साढ़े आठ बजे से लोगों की हालत खराब होने लगी थी। देखते ही देखते लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायतें आई तो लोग अस्पताल पहुंचे। थोड़ी ही देर में पता चला कि अस्पताल में 50 से अधिक लोग इसी तरह की शिकायत लेकर अस्पताल में भर्ती हो गए। आनन फानन में इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग और खाद्य विभाग को दी गई। इसके बाद हड़कंप मच गया। डॉक्टरों के मुताबिक इन सभी लोगों ने कुट्टू के आटे से बने पकवान खाए थे। इसकी वजह से बीमार पड़े। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक कुट्टू का आटा मिलावटी था।

कभी क्रूर तरीके से मिलता था मृत्यदंड, अब भारत में फांसी पर सवाल; दुनिया के देशों में कैसे दी जा रही सजा-ए-मौत

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में मौत की सजा के लिए फांसी दिए जाने को बर्बर तरीका बताते हुए इसे बदलने की मांग की गई है. मंगलवार (21 मार्च) को सर्वोच्च अदालत में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि गरिमापूर्ण तरीके से मृत्यु मिलना मौलिक अधिकार है. इसलिए मौत की सजा के लिए फांसी दिए जाने पर पुनर्विचार हो. याचिकाकर्ता ने कहा कि फांसी की प्रक्रिया पूरी होने में 30-40 मिनट का वक्त लगता है. डॉक्टर अंत में सजायाफ्ता मरा या नहीं इसकी जांच करते हैं. यह बहुत ही दर्दनाक प्रक्रिया है. इस दौरान कोर्ट में कई पुराने फैसलों का जिक्र भी किया गया है. सुप्रीम कोर्ट की 3 जजों की बेंच ने 1983 में दीना बनाम भारत सरकार मामले में मौत के लिए फांसी को सबसे बेहतरीन माना था. भारत में मृत्युदंड की सजा का उल्लेख धर्मग्रंथों में भी है. मनुस्मृति में मृत्युदंड को लेकर कई श्लोक का जिक्र है. महाभारत काल में भी मृत्युदंड की सजा सुनाई जाती थी. मौर्य वंश की शासन काल में भी मृत्युदंड का उल्लेख मिलता है. ऐसे में आइए जानते हैं भारत के इतिहास में मौत के लिए कौन-कौन सा तरीका इस्तेमाल किया जाता था?

1. सूली पर चढ़ाना- ईसा पूर्व में भारत में मृत्युदंड का सबसे बेहतरीन और लोकप्रिय तरीका माना जाता था. एक लकड़ी के बीम पर अपराधी को बांध दिया जाता था. साथ ही दंडित मनुष्य एक नुकीले लोहे के डंडे पर बैठा दिया जाता था और उसके सिर पर मुंगरे से आघात किया जाता था. इससे नीचे से ऊपर तक उसका सारा शरीर छिद जाता था और वह मर जाता था. यह सबसे क्रूर तरीका माना जाता था, क्योंकि इस तरीके में मरने में हफ्ते और महीने का वक्त भी लगता था. सूली पर चढ़े व्यक्ति को खाने भी नहीं दिया जाता था.

2. जलाकर मरवा देना- मृत्युदंड की इस तरीके का जिक्र अशोक शासन काल में मिलता है. अशोक ने अपनी अंतिम पत्नी तिष्यरक्षा को जला कर मारने का आदेश दिया था. इतिहास के मुताबिक अशोक से शादी करने के बाद तिष्यरक्षा उसके बेटे कुणाल से प्रेम कर बैठी थी, जिसे कुणाल ने ठुकरा दिया. इसके बाद तिष्यरक्षा ने कुणाल के दोनों आंख निकलवा दिए. इस बात की जानकारी जब अशोक को लगी तो उन्होंने तिष्यरक्षा को जलाकर मारने का हुक्म सुना दिया.

3. सिर धड़ से अलग करना- मुस्लिम लुटेरों के भारत आने और फिर दिल्ली सल्तनत पर कब्जा करने के बाद मौत की सजा के तरीकों में बदलाव आया. अब तुरंत मारने के लिए तलवार से सीधे सिर को धड़ से अलग कर दिया जाता था. गुलाम और खिलजी वंश के दौरान इस तरह की सजा ज्यादा प्रचलित थी. दंडित व्यक्ति को हाथ बांधकर

लाया जाता था और फिर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया जाता था. इस तरीके में सबसे कम वक्त लगता था.

4. हाथी से कुचलवाना- मुहम्मद बिन तुगलक और हुमायूं के वक्त मौत की सजा देने के लिए दंडित व्यक्ति को एक बंद मैदान में खूंखार हाथी के आगे छोड़ दिया जाता था. हाथी व्यक्ति को कुचल कर मारता था और इस आयोजन का दरबारी मजा लेते थे. हाथी से कुचलवाकर मारने का तरीका को जहांगीर काल में भी प्रसिद्ध था. हालांकि, बाद में मुगलों ने इस तरीके को खत्म कर दिया.

5. पत्थर से पीटकर हत्या- औरंगजेब शासन काल में रेप और दुर्लभतम मामलों के दोषियों को पत्थर से पीट-पीटकर हत्या करवा देता था. इसके अलावा औरंगजेब शासन में दंड पाए व्यक्ति को चार हाथियों के पांव से बांधकर हाथियों को अलग दिशा में दौड़ा दिया जाता था. इससे उसकी मौत हो जाती थी. औरंगजेब शासन में सिर काटकर उसे चौराहे पर टांग भी दिया जाता था, जिससे खिलाफत करने की जुर्रत कोई न कर सके. औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह का सिर राजदरबार में दिखाने के लिए मंगवाया था.

6. फांसी की सजा- ब्रिटिश के भारत आने के बाद मौत की सजा के तरीकों में बदलाव किया गया. 1899 के बाद भारत में मौत के लिए फांसी की सजा दी जाती है. ब्रिटिश हुकुमत के वक्त दुनिया में 200 तरहों के अपराध के लिए मौत की सजा सुनाई जाती थी. 19वीं शताब्दी के आसपास 200 को कम कर 100 तरहों के अपराध के लिए मृत्युदंड का प्रावधान किया गया. आजादी के बाद भी भारत में फांसी के तरीके को ही बेहतर माना गया जो अब तक जारी है.

58 देशों में फांसी ही मृत्युदंड का सबसे बेहतरीन तरीका?

जर्नल ऑफ न्यूरो सर्जरी की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत समेत दुनिया के 58 देशों में मृत्युदंड के लिए फांसी सबसे बेहतरीन तरीका माना जाता है. दुनिया के 33 देशों में तो फांसी ही मृत्युदंड देने का एकमात्र जरिया है. फांसी देने का कांसेप्ट विलियम मारवुड ने दिया था. फांसी देते वक्त इंसान का गर्दन टूट जाता है, जिससे उसके शरीर से ब्रेन का संपर्क खत्म हो जाता है. ऐसे में इंसान को मौत के वक्त कम दर्द होता है. हालांकि, अब नए खोज आने के बाद इसको लेकर बहस शुरू हो गई है. ऐसे में आइए जानते हैं दुनिया के देशों में अभी मृत्युदंड कैसे दी जा रही है? पथराव- अफगानिस्तान और सूडान में अभी भी दुर्लभतम अपराध के दोषियों को पथराव के जरिए मार दिया जाता है. इस सजा देने के पीछे दोनों देश कुरान के नियमों का हवाला देते हैं. फायरिंग- अमेरिका, अफगानिस्तान, सूडान, यमन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान, थाईलैंड, बहरीन, चिली, इंडोनेशिया, घाना, अर्मीनिया, चीन समेत 78 देशों में गोली मारकर हत्या कर दी जाती है. इन देशों का मानना है कि इससे इंसान को दर्द कम होता है. इंजेक्शन- चीन और फिलीपींस समेत कई देशों में इंजेक्शन के जरिए मौत की सजा दी जाती है. इंजेक्शन से मारने की प्रक्रिया में सबसे पहला इंजेक्शन शरीर को सुन करता है और फिर दूसरा इंजेक्शन से जहर से भरा होता है. इलेक्ट्रोक्यूशन- मौत देने का यह तरीका अमेरिका में प्रयोग किया जाता है. इसमें बिजली के ज्यादा पावर का झटका दंडित व्यक्ति को दिया जाता है, जिससे उसकी मौत हो जाती है.

यह प्रक्रिया डॉक्टरों की निगरानी में पूरी की जाती है. फांसी- भारत, मलेशिया, बारबाडोस आदि देशों में फांसी के जरिए ही मौत की सजा दी जाती है. इसमें दंडित व्यक्ति को फंदा तक मुंह ढक कर लाया जाता है. इस दौरान कैदी का हाथ पीछे करके बांध दिया जाता है. फिर उसे फंदा तक लाया जाता है. रस्सी पर लटकाने के बाद नीचे का तख्ता लीवर के सहारे हटा दिया जाता है. जहरीला गैस चैंबर- यह तरीका भी सिर्फ अमेरिका में प्रयोग किया जाता है. इसमें सजायाफ्ता को एक एयर टाइट चैंबर में कुर्सी पर बैठाकर बांध दिया जाता है. साथ ही कुर्सी के नीचे एक सल्फ्यूरिक एसिड की बाल्टी रखी होती है, जिसमें क्रिस्टल सोडियम सायनाइड छोड़ा जाता है. दोनों के रिएक्शन से हाइड्रोजन सायनाइड गैस निकलता है. इसी जहरीली गैस के दंडित व्यक्ति की मौत हो जाती है.

ड्रेकुला और फ्रांस का खूंखार तरीका

15वीं शताब्दी में रोमानिया के वासलिया के राजा बने व्लाद थर्ड. बाद में उसने अपना नाम ड्रेकुला रख लिया. इतिहासकारों के मुताबिक युद्ध में ड्रेकुला पहले तुर्की के ऑटोमन साम्राज्य के खिलाफ हार गया. इसके बाद उसने दूसरी बार जंग की तैयारी शुरू की. युद्ध में युद्धबंदियों को ड्रेकुला खूंखार तरीके से मृत्युदंड देता था. वो दंडित व्यक्तियों के सिर पर भाले मार देता था और भाले को उसी में छोड़ देता था. कई इतिहासकारों ने दावा गया है कि ड्रेकुला को खून पीने की भी आदत थी. फ्रांस के क्रांति के समय गिलेटिन से सजा देने को भी खूंखार माना जाता है.

लुईस 16वां आंदोलनकारियों को गिलोटिन पर मरवाने का आदेश देता था. इसमें दंडित व्यक्तियों को पहले गिलोटिन पर सुलाया जाता था. इसके बाद उसके गर्दन पर एक नुकीला ब्लेड नुमा हथियार गिरता था, जिससे उसका सिर अलग हो जाता था. मैक्सिमिलियन रोबेस्पियर जब सत्ता में आए तो उन्होंने भी इसे बरकरार रखा. लुईस 16वां को भी इसी तरीके से मौत दी गई. मैक्सिमिलियन रोबेस्पियर ने अपने वक्त में करीब 17 हजार लोगों को गिलोटिन पर लिटा कर मरवाने का हुक्म दिया था. बाद में फ्रांस की अदालत ने रोबेस्पियर को फांसी की सजा सुनाई थी.

अब जाते-जाते जान लीजिए भारत के सुप्रीम कोर्ट में क्या सुनवाई हुई और आगे क्या होगा?

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने कहा कि हम इस मामले में कोई आदेश नहीं दे सकते हैं, लेकिन सरकार से मानवीय तरीका अपनाने के लिए कहेंगे. कोर्ट ने कहा कि 1983 के बाद सरकार को फांसी के तरीकों पर विचार करना चाहिए था. सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल ने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि बेहतर तरीका निकले. कोर्ट ने यह भी कहा कि गोली मारने का आदेश देना मानवाधिकार का उल्लंघन हो सकता है.

कोर्ट ने सरकार से कहा कि फांसी के दौरान कितना दर्द होता है और मरने में कितना वक्त लगता है, इसका डेटा उपलब्ध कराएं. कोर्ट ने कहा कि हम एक्सपर्ट कमेटी बना सकते हैं, जो इस पर विचार कर सुझाव दे. अगली सुनवाई 2 मई को होगी. भारत में अंतिम बार 2020 में निर्भया गैंगरेप के 4 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी. साल 2000 के बाद अब तक सिर्फ 5 बार फांसी की सजा दी गई है. 2004 में धनंजय चटर्जी, 2012 में अजमल कसाब, 2013 में अफजल गुरु, 2015 में याकूब मेमन और 2020 में निर्भया गैंगरेप के दोषियों को फांसी दी गई.

जम्मू में महिलाओं में बढ़ रहा स्तन कैंसर

गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग में सामने आ रहे केस

जम्मू, 23 मार्च (एजेंसियां)। पिछले कुछ सालों में जम्मू संभाग में महिलाओं के कैंसर के ट्रेंड में बदलाव आया है। कुछ साल पहले तक महिलाएं ज्यादातर बच्चादानी के मुंह (सर्विक्स) कैंसर से पीड़ित होती थी। लेकिन अब जागरूकता और साफ सफाई बढ़ने से इस कैंसर के बजाय महिलाएं स्तन कैंसर से अधिक पीड़ित हो रही हैं। स्तन कैंसर में संभाग के जिलों में जिला जम्मू सबसे ऊपर है। इसके मुख्यकारणों में शहरीकरण में बढ़ोतरी के साथ महिलाओं का स्तन स्वास्थ्य को लेकर गंभीर न होना है। संभाग के कुल स्तन कैंसर मामलों में जिला जम्मू से 35 से 40 प्रतिशत मामले मिल रहे हैं। संभाग में हो रही गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग में ऐसे तथ्य सामने आए हैं। जीएमसी जम्मू के कैंसर विभाग के एचओडी डा. आशुतोष गुप्ता ने बताया कि जम्मू जिले में महिलाओं में स्तन कैंसर मामलों में वृद्धि हुई है। पहले बच्चेदानी के मुंह के कैंसर के अधिक मामले मिले थे, लेकिन अब इसमें बदलाव आया है। इसके प्रमुख कारणों में बदलती जीवनशैली में महिलाओं में बच्चे कम होना, गर्भधारण कम होना, शादी देरी से होना, बच्चे को डेढ़ से दो साल के बजाय 4-5 माह ही स्तनपान करवाना, फिगर दिखाने के चक्कर में स्तनपान न करवाना, नौकरी का तनाव आदि है। स्तन कैंसर की सामान्य तौर पर एक गांठ से शुरूआत होती है। इनमें अधिकांश मामलों में शुरू में गांठ में दर्द नहीं होता है, लेकिन इसे नजरअंदाज करना आगे जाकर खतरनाक हो सकता है। स्तन कैंसर (ब्रेस्ट कैंसर) एक ऐसी बीमारी है जिसमें स्तन की कोशिकाएं नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं। स्तन कैंसर का प्रकार इस पर निर्भर करता है कि स्तन में कौन सी कोशिकाएं कैंसर में बदल गई हैं। स्तन कैंसर की कोशिकाएं आमतौर पर एक ट्यूमर बनाती हैं, जिसे गांठ के रूप में महसूस किया जा सकता है। स्तन कैंसर पूरी तरह से महिलाओं में होता है, लेकिन पुरुषों में भी इसकी आशंका रहती है। स्तन कैंसर रक्त वाहिकाओं और लिम्फ वेसेल्स के माध्यम से स्तन के बाहर फैल सकता है। जब स्तन कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलता है तो इसे मेटास्टेसिस कहा जाता है। स्तन कैंसर के मामले देर से पता चलने पर मृत्यु दर बढ़ रही है।

विशाखापट्टनम में ढही तीन मंजिला इमारत

दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत

विशाखापट्टनम, 23 मार्च (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम की रामजोगी में बीती रात के तीन मंजिला इमारत ढह गई। इस घटना में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, कई लोग काफी बुरी तरह से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विशाखापट्टनम के सीपी सीएच श्रीकांत ने बताया कि क्षतिग्रस्त हुए बिल्डिंग की बगल वाली जमीन में नींव खोदी गई थी और बुधवार को बोरवेल का काम चल रहा था। इसके कारण बिल्डिंग की नींव कमजोर हो गई और यह हादसा हो गया। फिलहाल, पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और आगे की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इमारत दो दशक पुरानी थी। सीएच श्रीकांत ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पूरी टीम घटनास्थल पर पहुंची और लोगों को रेस्क्यू करना शुरू कर दिया। इस दौरान रेस्क्यू टीम ने 6 लोगों को बचाया, जिसमें से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अन्य घायलों को इलाज के लिए विजाग शहर के केजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीती रात को दिल्ली के रोहिणी में खाली और कई साल पुरानी चार मंजिला इमारत अचानक ढह गई। हालांकि, खाली होने और रात होने के कारण किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। इमारत ढहने के बाद पुलिस और रेस्क्यू टीम को सूचित किया गया। बताया जा रहा है कि यह घटना रात के करीब पौने दो बजे हुई थी।

अब लगेगा तमिलनाडु में ऑनलाइन जुए पर बैन, एक बार फिर विधानसभा में हुआ बिल पास

चेन्नई, 23 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा ने गुरुवार को एक बार फिर सर्वसम्मति से ऑनलाइन जुए पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को पारित कर दिया है। राज्यपाल आरएन रवि ने इसे पुनर्विचार के लिए सरकार को वापस कर दिया था। विधेयक को पेश करते हुए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि वह कई जिंदगियों के नुकसान को देखते हुए इसे भारी मन से पेश कर रहे हैं। मालूम हो कि ऑनलाइन जुए में पैसा गंवाने के बाद हाल में कई लोगों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। कई सदस्यों ने बिल पर अपना समर्थन व्यक्त किया और इसे वापस करने के लिए राज्यपाल रवि का विरोध किया। स्पीकर एम अप्पावु ने बाद में घोषणा की कि बिल को सर्वसम्मति से अपनाया गया था। इस बीच, विपक्ष के नेता के पलानीस्वामी और पार्टी के अन्य विधायकों ने विपक्ष के नेता ओ पन्नीरसेल्वम को इस मुद्दे पर बोलने की अनुमति देने पर विपक्ष के नेता और के पलानीस्वामी और पार्टी के अन्य विधायकों द्वारा नेतृत्व के मुद्दे पर विपक्षी अन्नाद्रमुक में दरार दिखाई, जिससे हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। अप्पावु ने विपक्षी विधायकों से कहा कि उन्होंने अन्नाद्रमुक सदस्य के रूप में पन्नीरसेल्वम का उल्लेख नहीं किया और उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री की हैसियत से बोलने की अनुमति दी।

राजभवन ने इस महीने की शुरुआत में विधेयक को कुछ पहलुओं के मद्देनजर 'एक बार फिर से विचार' के लिए सदन को लौटा दिया था। 1 अक्टूबर, 2022 को रवि द्वारा एक अध्यादेश (ऑनलाइन जुआ, रम्मी और पोकर के दांव-आधारित ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध) को प्रख्यापित किया गया था और 3 अक्टूबर को सरकार द्वारा एक गजट अधिसूचना जारी की गई थी।

पप्पू यादव ने 'मोदी' उपनाम पर राहुल गांधी को मिली सजा के बाद किया ट्वीट, कहा- नरेंद्र मोदी जी सत्यवादी हरिश्चंद्र हैं

सभी 'मोदी' उपनाम वाले व्यक्ति पूज्यनीय महात्मा हैं

पटना, 23 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की क्षेत्रीय पार्टी जन अधिकारी दल के अगुवा और लोकसभा के पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'मोदी' उपनाम को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में गुजरात की सूरत कोर्ट द्वारा सुनाई गई 2 साल की सजा पर 'मोदी' उपनाम को लेकर तीखा व्यंग्य किया है। पप्पू यादव ने अपने ट्वीट में न केवल नीरव मोदी और ललित मोदी को संत बताया है बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यसभा सांसद सुशील मोदी पर तंज भरा हमला किया है। पप्पू यादव ने ट्वीट करते हुए कहा, नीरव मोदी ललित मोदी सब महान संत हैं! उन्होंने देश को लूटा नहीं, बल्कि धन का बोझ कम करने विदेश लेकर चले गये। नरेंद्र मोदी जी सत्यवादी हरिश्चंद्र हैं। सभी मोदी उपनाम वाले व्यक्ति पूज्यनीय महात्मा हैं। एक बिहार में भी हैं, जो बक-बक नहीं करते बड़े सुशील हैं! पप्पू यादव कांग्रेस पार्टी में नहीं हैं और वो एक अलग क्षेत्रीय दल बनाकर बिहार की राजनीति में खासा सक्रिय हैं लेकिन बावजूद उसके वो कांग्रेस पार्टी या फिर गांधी परिवार के लिए विशेष सहानभूति रखते हैं और अक्सर वो कांग्रेस या गांधी परिवार के पक्ष में बयान देते रहते हैं। इस मामले में एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि पप्पू यादव की पत्नी रंजीत रंजन कांग्रेस की वरिष्ठ नेता हैं और मौजूदा समय में वो छत्तीसगढ़ से राज्यसभा की सांसद हैं। जहां तक राहुल गांधी पर सूरत कोर्ट के फैसले पर विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया का सवाल है तो उस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल भी टिप्पणी कर चुके हैं और उन्होंने कांग्रेस से वैचारिक विरोध की बात को स्वीकार करते हुए राहुल गांधी को अदालत से मिली सजा का विरोध किया है। सीएम केजरीवाल ने अपने ट्वीट में कहा, ग़ैर बीजेपी नेताओं और पार्टियों पर मुक़दमे करके उन्हें ख़त्म करने की साज़िश हो रही है। हमारे कांग्रेस से मतभेद हैं मगर राहुल गांधी जी को इस तरह मानहानि मुक़दमे में फ़साना ठीक नहीं। जनता और विपक्ष का काम है सवाल पूछना। हम अदालत का सम्मान करते हैं पर इस निर्णय से असहमत हैं। मालूम हो कि 'मोदी' उपनाम के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि के मामले में उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई है। फिलहाल इस मामले में राहुल गांधी को जमानत मिली और उनकी दो साल की सजा पर 30 दिन की रोक लगाई गई। राहुल गांधी के खिलाफ यह मामला उनकी उस टिप्पणी को लेकर दर्ज किया गया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर 'मोदी' उपनाम को लेकर एक बयान दिया था। राहुल गांधी की टिप्पणी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी नेता और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। वायनाड से लोकसभा सदस्य गांधी ने यह कथित टिप्पणी 2019 के आम चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में आयोजित जनसभा में की थी।

नशे में धुत यात्रियों ने इंडिगो की फ्लाइट में किया हंगामा, एयरलाइंस में इस तरह की यह सातवीं घटना

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)। नशे में धुत दो यात्रियों ने इंडिगो की फ्लाइट में जमकर हंगामा किया और एयरलाइंस के क्रू मेंबर के साथ दुर्व्यवहार और हाथापाई की। जिसके बाद मुंबई पहुंचते ही क्रू मेंबर की शिकायत पर पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। यह घटना दुबई से मुंबई पहुंची इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट की है। पुलिस के मुताबिक दोनों यात्री दुबई से ड्यूटी फ्री शराब खरीद कर ला रहे थे।

शिकायत करने आई थी महिला, इंस्पेक्टर ने लिया नंबर, ड्राई फ्रूट्स के साथ भेजी होटल के कमरे की चाबी और फिर....

बेंगलूरू, 23 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां बेंगलुरु के एक पुलिस इंस्पेक्टर पर छेड़खानी करने और स्टेशन पर आने वाली एक शिकायतकर्ता को परेशान करने का आरोप लगा है. इस मामले की शिकायत होने के साथ ही पुलिस इंस्पेक्टर की मुश्किले बढ़ गई. इंस्पेक्टर के आचरण की जांच के आदेश दिए गए हैं और उन्हें छुट्टी पर जाने का निर्देश दिया गया है. पीड़ित महिला ने पिछले महीने 15 लाख रुपये से अधिक की ठगी के मामले की शिकायत दर्ज कराने के लिए कोडिगेहल्ली पुलिस स्टेशन में इंस्पेक्टर से संपर्क किया था. जानकारी के मुताबिक इंस्पेक्टर ने शिकायत दर्ज कर ली और शिकायतकर्ता का मोबाइल नंबर भी ले लिया. जिसके कुछ दिनों के बाद उसको मैसेज शुरू कर दिया.

मिलने के लिए दी होटल के कमरे का चाभी

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार इंस्पेक्टर ने उसे व्हाट्सएप पर बेवजह के मैसेज भेजे थे. इसके साथ ही उसे ड्राई फ्रूट्स का एक पैकेट दिया. इसके अलावा इंस्पेक्टर ने महिला से उसे मिलने के लिया भी कहा, जिसकी वजह से उसे होटल के कमरे का चाभी कार्ड भी दिया. जानकारी के मुताबिक जब महिला पुलिस इंस्पेक्टर के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर पाई तो उसने इसे बात की शिकायत डीसीपी से की. जिसके बाद डीसीपी ने एसीपी को घटना की जांच के लिए आदेश दिए और रिपोर्ट सौंपने के लिए भी कहा. साथ ही इंस्पेक्टर को छुट्टी पर जाने के भी आदेश दिए. इसके पहले पुलिस कमिश्नरेट के एसएचओ पर छेड़खानी का मामला सामने आया था. जानकारी के मुताबिक महिला सब इंस्पेक्टर ने एसएचओ पर यह आरोप लगाया कि वह उसे फिजूल के मैसेज करता था और जबरदस्ती उसके साथ दोस्ती का दबाव बना रहा था. साथ ही महिला सब इंस्पेक्टर ने आरोप लगाया था कि एसएचओ ने होली के दिन उसके साथ अश्लील हरकत भी की थी.

डिप्टी सीएम केशव मौर्य बोले- गिरफ्तारी की बात कह अखिलेश को नहीं करनी चाहिए सहानुभूति हासिल करने की कोशिश

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमलावर होते हुए कहा कि अखिलेश को यह दावा करके सहानुभूति हासिल करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। डिप्टी सीएम ने अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि गलत करने वाले जेल जाते हैं। हालांकि अभी तक उनकी जानकारी में इस संबंध में कोई जानकारी नहीं आई है। मौर्य ने कहा उन्हें इस तरह के बयान देकर सहानुभूति हासिल करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए और अपनी पार्टी पर ध्यान देना चाहिए। 2024 में सपा का सफाया हो जाएगा। यह उनके पतन का समय है। बता दें कि विपक्ष के नेता अखिलेश यादव ने हाल ही में आरोप लगाया था कि बीजेपी उन्हें सलाखों के पीछे चाहती है। अखिलेश यादव द्वारा लगातार की जा रही भाजपा सरकार की आलोचनाओं पर सवाल का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम ने दावा किया कि आखिलेश यादव का दिल उनके लिए विष से भरा है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी आरोप आरोप लगाया कि दूसरों के साथ मिलकर सपा प्रमुख उनकी हत्या भी करवा सकते हैं।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस ने जब्त किया करोड़ों का सोना

लाखों की नकदी समेत गांजा बरामद

बेंगलुरु, 23 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव नजदीक है. इससे पहले कर्नाटक पुलिस ने कई चेक पोस्ट से भारी मात्रा में नकदी जब्त की है. जिसे आगामी होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए ले जाया जा रहा था. वहीं कर्नाटक पुलिस भी ऐसे में लगातार चेकिंग अभियान चला रही है. जिसमे विभिन्न चेक पोस्ट पर चेकिंग कर्नाटक पुलिस के द्वारा लगातार जारी है. ऐसे में कर्नाटक पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. रिपोर्ट के मुताबिक, गडग पुलिस ने मुंदरगी चेक पोस्ट से 15 लाख रुपये और गांजा बरामद किया गया. वहीं, गडग पुलिस ने ग्रामीण चेक पोस्ट पर 1.75 करोड़ मूल्य के सोने की ज्वैलरी बरामद की है. पुलिस ने बासापुर चेकपोस्ट से 24 लाख रुपए बरामद किए हैं. कर्नाटक पुलिस ने नकद पैसो के साथ ही सोने की ज्वैलरी, 500 रुपए के नोट और भारी मात्रा में गांजा भी बरामद किया. पुलिस के मुताबिक, इन सबका इस्तेमाल कर्नाटक के विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया जाना था. दरअसल, यह सभी सामान टेंपो से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा रहा था. पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि वह उस सीट के संबंध में पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे, जहां से वह कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे फिर चाहे उन्हें 20 सीटों पर ही चुनाव क्यों न लड़ना पड़े. उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली सूची बुधवार को जारी की जाएगी. इस खबर को नकारते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने लिए एक उपयुक्त निर्वाचन क्षेत्र चुनना चाहते है. उन्होंने आगे कहा कि उनके पास 20 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने का आमंत्रण है, लेकिन वह वहीं से चुनाव लड़ेंगे जो आलाकमान का आदेश होगा. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बयान दिया कि वरुणा सीट के लिए मौजूदा विधायक यतींद्र को पार्टी ने हरी झंडी दे दी है. हालांकि राजनीति में कुछ भी हो सकता है. मुझे नहीं पता कि मेरा नाम पहली सूची में होगा या नहीं.

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 24 मार्च- 2023

सहयोग का सफर

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दुनिया में भारत जो मुकाम हासिल किया है, उस पर दुनिया के तमाम दुश्मन देश गिद्धदृष्टि लगाए बैठे हैं। लेकिन हमारा सहयोगी देश जापान प्रौद्योगिकी और व्यापार सहित अन्य संबंधों की जमीन को और मजबूत करने के साथ-साथ रणनीतिक साझेदारी पर भी डट कर खडा होकर संबंधों को और आगे बढ़ाना चाहता है। देखा जाए तो भारत के लिए वक्त का तकाजा भी है। जापान के प्रधानमंत्री के हाल के भारत दौरे में दोनों देशों के बीच सहयोग का सफर और मजबूती से आगे बढ़ रहा है। देखा जाए तो भारत और जापान का आपसी संबंध पहले से ही सहयोगी और बेहद सहज रहा है। दोनों देशों के संबंधों को तब और मजबूती मिल जाती है जब-जब शिखर सम्मेलन आयोजित होता है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने बातचीत के बीच सबसे अहम पहलू वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के विस्तार का संकल्प लिया, जिसे शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है। हाल के वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा और रक्षा उपकरण सहित प्रौद्योगिकी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य और डिजिटल साझेदारी पर विचारों का आदान-प्रदान वक्त का तकाजा है। सब जानते हैं कि बीते कुछ समय से विभिन्न स्तर पर चीन की गतिविधियों की वजह से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तरह-तरह की चुनौतियां पेश आ रही हैं। भारत के सामने वक्त रहते इस जटिलता को समझना और उसी के मुताबिक अपने हित में कदम उठाना कई वजहों से जरूरी हो गया है। जापान के प्रधानमंत्री ने भी यह सहमति जताई कि इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भारत अपरिहार्य है। यह तो किसी से छुपा नहीं है कि आधुनिक तकनीकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जापान का पूरी दुनिया में कोई सानी नहीं है। यह बात अलग है कि अपनी क्षमता के बावजूद भारत जापान से अतिरिक्त लाभ अर्जित करता रहा है, लेकिन रणनीतिक मोर्चे पर जापान के साथ सहयोग में मजबूती लाने की कोशिशों के कई मायने निकाले जा सकते हैं। यों भारत की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय पटल पर कानून के सम्मान पर आधारित है। पिछले कुछ सालों से वैश्विक परिदृश्य जिस तरह बदल रहा है, उसमें अलग-अलग देशों के बीच खड़े होने वाले नए समीकरणों का सिरा भविष्य में बनने वाली दुनिया से जुड़ा हुआ है। साफ देखा जा सकता है कि महाशक्ति माने जाने वाले देशों से लेकर विकासशील देशों के बीच बहुस्तरीय सहयोग के नए समीकरण बन रहे हैं और इस दिशा में देखा जाए तो कोई देश पीछे नहीं रहना चाहता है। इसके अलावा, दुनिया तेजी से जिस तकनीक आधारित व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, उसमें नई या आधुनिक प्रौद्योगिकी की अहमियत का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। खासतौर पर तकनीक आधारित व्यवस्था में माइक्रोचिप पर निर्भरता जिस कदर बढ़ने वाली है, उसके मद्देनजर सेमीकंडक्टर और अन्य अहम प्रौद्योगिकियों में विश्वस्त आपूर्ति शृंखला के महत्त्व पर भारत और जापान के बीच हुई बातचीत की उपयोगिता को भला कौन नकार सकता है। इस संदर्भ में देखें तो तकनीक और निवेश के लिहाज से जापान एक खास मुकाम हासिल किए हुए है, लेकिन सेमीकंडक्टर के मामले में भारत भी दुनिया में किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहता। यह बेवजह नहीं है कि जापानी प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के साथ सहयोग तेजी से बढ़ने के साथ-साथ जापान के लिए भी महत्त्वपूर्ण आर्थिक अवसर पैदा होने की उम्मीद जताई है। फिलहाल जापान जी-7 और भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक मोर्चों पर इन दोनों समूहों की जो भूमिका है, उसमें स्वाभाविक ही यह विचार का केंद्रीय बिंदु है कि आने वाले वक्त में अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत और जापान की हैसियत देख कर दुनिया रस्क करेगी।

राहुल गांधी लोकसभा सदस्य रहेंगे या फिर नपेंगे?

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

गुरुवार को राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने मानहानि का दोषी करार देते हुए 2 साल की कैद की सजा क्या सुनाई अब तो उनकी सांसदी पर भी बन आई है। उन पर 15 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया गया है। गनीमत रही कि कोर्ट से उन्हें तत्काल जमानत भी मिल गई है। अब सवाल है कि क्या इस मामले में दोषी पाए जाने के बाद 'रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल्स एक्ट 1951' की धारा 8 के तहत राहुल गांधी की सांसदी चली जाएगी? राहुल गांधी के पास अब क्या रास्ते बचे हैं? पहले किन नेताओं के साथ ऐसा हो चुका है? इसी की पडताल करती रिपोर्ट।

सवाल है कि 2019 में ऐसा क्या कह दिया था, जिसके लिए राहुल को 2 साल की कैद की सजा सुनाई गई है? खबरों के अनुसार 2019 लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, 'चोरों का सरनेम मोदी है। सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है, चाहे वह ललित मोदी हो या नीरव मोदी हो या फिर चाहे नरेंद्र मोदी।'

इसके बाद सूरत पश्चिम के बीजेपी विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल के खिलाफ मानहानि का केस दायर कर दिया था। उनका कहना था कि राहुल गांधी ने हमारे पूरे मोदी समाज को चोर कहा है जिससे हमारे समाज की मानहानि है। इस केस की सुनवाई के दौरान राहुल गांधी तीन बार कोर्ट में पेश हुए थे। आखिरी बार अक्टूबर 2021 की पेशी के दौरान उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था। उनके वकील ने बताया कि राहुल ने कहा कि बयान देते वक्त मेरी मंशा गलत नहीं थी। मैंने तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। इसी मामले में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने गुरुवार को दोषी करार दिया। कोर्ट ने उन्हें 2 साल की सजा और 15 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके कुछ देर बाद उसी कोर्ट ने उन्हें 30 दिन के लिए जमानत भी दे दी। बता दें कि मानहानि के मामले में 2 साल की जेल अधिकतम सजा है। यानी इससे ज्यादा इस मामले में सजा नहीं दी जा सकती है। राहुल गांधी के वकील बाबू मांगूकिया ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एचएच वर्मा की कोर्ट ने राहुल गांधी को आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत दोषी ठहराया था। साथ ही उन्हें जमानत दे दी और 30 दिनों के लिए सजा को निलंबित कर दिया ताकि उन्हें हाई कोर्ट में अपील करने का मौका मिल सके। ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि क्या दोषी साबित होने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द हो सकती है?

'रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल्स एक्ट 1951' की धारा 8 (3) के तहत अगर किसी सांसद या विधायक को किसी अपराध में दोषी ठहराया जाता है और उसे 2 साल या इससे ज्यादा की सजा सुनाई जाती है, तो उसकी संसद या विधानसभा सदस्यता खत्म हो जाएगी। वह रिहाई के 6 साल बाद तक चुनाव भी नहीं लड़ पाएगा।

'रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल्स एक्ट' की धारा 8 (4) कहती है कि दोषी सांसद या विधायक की सदस्यता तुरंत खत्म नहीं होती। उसके पास तीन महीने का समय होता है। इस दौरान अगर वह हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अपील कर देता है तो उस अपील की सुनवाई पूरी होने तक सदस्यता नहीं जाती। अगर वह अपील नहीं करता है तो तीन महीने बाद उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाती है।

हालांकि जुलाई 2013 में लिली थॉमस vs यूनियन ऑफ इंडिया मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 'रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल्स एक्ट 1951' की धारा 8 (4) के तहत मिली छूट को असंवैधानिक बताया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि सांसद या विधायक दोषी करार दिए जाते हैं और उन्हें 2 साल या इससे ज्यादा साल की सजा सुनाई, तो दोषी करार होते ही उनकी संसद या विधानसभा सदस्यता खत्म हो जाएगी। हालांकि इस प्रक्रिया को पूरा करने में लोकसभा सचिवालय को कुछ समय लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के हिसाब से राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खतरे में है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि उन्हें अब तभी राहत मिल सकती है जब ऊंची अदालत दोषसिद्धी पर रोक लगा दे। सिर्फ सजा पर ही रोक लगाना काफी नहीं होगा।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी बताते हैं कि लोकसभा स्पीकर को राहुल को अयोग्य घोषित करने की शिकायत मिलती है तो लोकसभा सचिवालय एक या दो दिन में चुनाव आयोग को बता सकता है कि केरल की वायनाड सीट अब खाली हो गई है और चुनाव कराओ। या फिर राहुल को अपील कोर्ट से राहत मिल जाए यानी उनकी दोषसिद्धी पर रोक लगा दी जाए।

अब राहुल को सिर्फ सजा के खिलाफ अपील दायर करने से ही राहत नहीं मिलेगी, बल्कि सजायाफ्ता सांसद को ट्रायल कोर्ट की तरफ से दोषसिद्धि के खिलाफ अपील कोर्ट स्पेसिफिक स्टे ऑर्डर दे। यानी सजा पर रोक नहीं बल्कि दोषसिद्धि पर ही रोक लगा दे तब राहुल की संसद सदस्यता जाने से बच सकती है। अपील कोर्ट अगर ये कहे कि हम सीआरपीसी की धारा 389 के तहत सजा पर रोक लगाते हैं तो ये जमानत मिलने जैसा है। राहत तब मिल सकती है जब अपील कोर्ट दोषसिद्धि पर ही रोक लगा दे। ऐसी स्थिति में राहुल लोकसभा सांसद बने रह सकते हैं।

अगर सुप्रीम कोर्ट भी सजा बरकरार रखती है तो राहुल को 2 साल जेल में रहना पड़ सकता है। रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल्स एक्ट 1951 की धारा 8 (3) के तहत राहुल रिहाई के 6 साल बाद तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। यानी लगभग 8 साल तक राहुल चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। देश में 'रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल्स एक्ट 1951' के आने के बाद से अब तक कई सांसद-विधायकों को अपना सदस्यता गंवानी पड़ी है। चारा घोटाले के मामले में साल 2013 में कोर्ट ने लालू यादव को दोषी ठहराते हुए 5 साल के जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी सांसदी चली गई थी। साथ ही लालू सजा पूरी करने के 6 साल बाद तक चुनाव नहीं लड़ सके। एमबीबीएस सीट घोटाले में कांग्रेस के सांसद रशीद मसूद की सदस्यता चली गई थी। काजी रशीद कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे थे। कांग्रेस ने उन्हें यूपी से राज्यसभा में भेजा था। राज्यसभा सांसद रहते उन्हें एमबीबीएस सीट घोटाले में दोषी पाया गया।

कोर्ट ने साल 2013 में चार साल की सजा सुनाई थी। इससे उनकी सांसदी चली गई। यूपी के हमीरपुर से भाजपा विधायक अशोक कुमार सिंह चंदेल की सदस्यता रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल्स एक्ट 1951 के तहत साल 2019 में चली गई थी। 19 अप्रैल 2019 को हाईकोर्ट ने उन्हें हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सजा सुनाई थी। यूपी के ही उन्नाव में नाबालिग से सामूहिक रेप केस में बांगरमऊ से विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। सजा सुनाए जाने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता खत्म हो गई थी। विधानसभा के प्रमुख सचिव की ओर से सजा के ऐलान के दिन यानी 20 दिसंबर 2019 से ही उनकी सदस्यता खत्म किए जाने का आदेश जारी किया गया था। इसी साल फरवरी में मुरादाबाद की एक विशेष कोर्ट ने 15 साल पुराने मामले में सपा नेता आजम खान और उनके विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम को 2 साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी विधायकी चली गई थी। यूपी विधानसभा सचिवालय ने अब्दुल्ला आजम की सीट को 2 दिन बाद ही रिक्त घोषित कर दिया था। बता दें कि राहुल गांधी पर मानहानि के 4 और मुकदमे चल रहे हैं, जिन पर फैसला आना बाकी है। 2014 में राहुल गांधी ने संघ पर महात्मा गांधी की हत्या का आरोप लगाया था। एक संघ कार्यकर्ता ने राहुल पर आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत मामला दर्ज कराया था। ये केस महाराष्ट्र के भिवंडी कोर्ट में चल रहा है।

2016 में राहुल गांधी के खिलाफ असम के गुवाहाटी में धारा 499 और 500 के तहत मानहानि का केस दर्ज किया गया था।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, राहुल गांधी ने कहा था कि 16वीं सदी के असम के वैष्णव मठ बरपेटा सतरा में संघ सदस्यों ने उन्हें प्रवेश नहीं करने दिया। इससे संघ की छवि को नुकसान पहुंचा है। ये मामला भी अभी कोर्ट में पेंडिंग है।

2018 में राहुल गांधी के खिलाफ झारखंड की राजधानी रांची में एक और केस दर्ज किया गया। ये केस रांची की सब-डिविजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट में चल रहा है। राहुल के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत 20 करोड़ रुपए मानहानि का केस दर्ज है। इसमें राहुल के उस बयान पर आपत्ति जताई गई है, जिसमें उन्होंने 'मोदी चोर है' कहा था। 2018 में ही राहुल गांधी पर महाराष्ट्र में एक और मानहानि का केस दर्ज हुआ। ये मामला मझगांव स्थित शिवड़ी कोर्ट में चल रहा है। आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत मानहानि का केस दर्ज है। केस संघ के कार्यकर्ता ने दायर किया था। राहुल पर आरोप है कि उन्होंने गौरी लंकेश की हत्या को बीजेपी और संघ की विचारधारा से जोड़ा।

शिक्षाप्रद सामाजिक परिवर्तन की अग्रदूत हैं महिलाएं

सलिल सरोज

हमें सर्वप्रथम अपने आप में विश्वास होना चाहिए। हमें विश्वास होना चाहिए कि जो चीज़ हमें उपहार में दी गई है, उसे प्राप्त करने का पूर्ण अधिकार होना चाहिए। - मैडम क्यूरी शिक्षा एक आवश्यक मानवीय गुण है और एक अच्छे समाज को आकार देने वाली और सामाजिक संरचना में अंतिम व्यक्ति के लिए स्वतंत्रता सुनिश्चित करने वाली सबसे गहन शक्तियों में से एक है। शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वामी विवेकानंद ने टिप्पणी कीः शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है। शिक्षा न केवल हमें सफल होने का मंच देती है बल्कि सामाजिक आचरण, साहस, चरित्र और मानवता के उत्थान की क्षमता का ज्ञान भी देती है। पूरे इतिहास में, मानवता को प्रकृति के उतार-चढ़ाव से लड़ना पड़ा और मानवता को पीड़ित असंख्य चुनौतियों के संदर्भ में जीवित रहने और जीवन को व्यवस्थित करने के लिए नवाचार करना पड़ा।

अनुसंधान और विकास का उपयोग जीवन और पर्यावरण के लिए खतरों को रोकने, समाप्त करने या कम करने और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तकनीकी विकल्प बनाने के लिए किया गया है। प्राचीन युग में लोग खानाबदोश शिकारी और संग्राहक के रूप में शुरू हुए, भोजन के रूप में पर्यावरण में पाए जाने वाले जानवरों और पौधों का उपयोग करते थे, फिर उन्होंने पारंपरिक तकनीक, रचनात्मकता की अभिव्यक्ति को संसाधित करके अपनी खाद्य आपूर्ति का विस्तार करना सीखा। लेकिन अब, कृषि उत्पादकता, परिवहन, अंतरिक्ष अन्वेषण से कृत्रिम बुद्धिमत्ता में सुधार ने मानव जाति के इतिहास में अब तक अभूतपूर्व तरीके से मानव जाति की नियति को बदल दिया है और अनुसंधान और विकास गतिविधियों के पीछे मूलभूत नैतिक मुद्दों को उठाया है। योग्यतम अवधारणा की उत्तरजीविता ने मनुष्य को तर्क करने की क्षमता और वैज्ञानिक स्वभाव के कारण जीवित रखा, जो मानव जाति के विकास का आधार है। आवश्यक प्रश्न जो हमेशा उठता था वह यह था कि क्या मानव जाति विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग मानव प्रगति के लिए एक उपकरण के रूप में कर रही है या अपने स्वयं के स्वार्थी जुनून की मरहम बन रही है। मानवता की पूर्णता की ओर इस अग्रसर मार्च में समाज के हर वर्ग विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी हमेशा विभिन्न हितधारकों के सशक्तिकरण के लिए एक प्रमुख विषय रही है। इस प्रकार अनुसंधान और विकास का विचार मनुष्य के जीवन को हर संभव आयाम में प्रभावित करता है, मनुष्य को एक किसान चरवाहा आदमी से निर्जीव ऊर्जा द्वारा समर्थित मशीनों के जोड़ तोड़ में बदल देता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के असंख्य आयाम हैं जैसे राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा आदि। महिलाओं के जीवन के हर पहलू में, अनुसंधान और विकास भीतर की शक्ति को उजागर करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, अनुसंधान और विकास में महिलाओं की भागीदारी से जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच का एक दृष्टिकोण विकसित होता है जो महिलाओं और मानव जाति को उन्नत बनाता है। 21वीं सदी में महिलाओं का सशक्तिकरण मानव अधिकारों के महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। यदि विकास समान नहीं है तो विकास टिकाऊ नहीं है। और यदि लैंगिक अंतरों का समाधान नहीं किया जाता है तो समानता प्राप्त नहीं की जा सकती है। प्रत्येक महिला के मानवाधिकारों और क्षमता को बनाए रखना राष्ट्रों का कर्तव्य है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्कृति और सूचना तक पहुँच के साथ महिलाओं का सशक्तिकरण स्कूल की बेंचों पर शुरू होता है। लैंगिक समानता में साक्षरता और विज्ञान तक पहुँच शामिल है। लड़कियों के लिए अपनी खुद की सूचित पसंद करने की वास्तविक संभावनाएँ इसका अभिन्न अंग हैं। लैंगिक समानता भी मानव अधिकारों, स्वास्थ्य और सतत विकास के लिए एक पूर्व-आवश्यकता है। भारत में, 1986 में नई शैक्षिक नीति के अनुवर्ती के रूप में दसवीं कक्षा तक के सभी छात्रों के लिए विज्ञान को अनिवार्य बनाने का निर्णय लिया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी लड़कियाँ विज्ञान पढ़ सकेंगी। इस प्रकार, शिक्षा और लिंग पर नारीवादी विमर्श में महिलाओं की अनुशासनात्मक पसंद महत्वपूर्ण रही है। उच्च शिक्षा को सकारात्मक भेदभाव के लिए संवैधानिक प्रावधानों के संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई। उच्च शिक्षा और अनुसंधान और विकास में संभावनाओं के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के पहलू में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य और आयुष चिकित्सा प्रणाली से संबंधित विभिन्न आयाम हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उन कुछ लोगों में से एक के रूप में जाना जाता है जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया- उन्हें महिला मुक्ति के एक दुर्लभ प्रवर्तक के रूप में चिह्नित किया। महात्मा गांधी के शब्दों में, महान समस्या (समाज में महिलाओं की भूमिका) में मेरा योगदान जीवन के हर क्षेत्र में सत्य और अहिंसा की स्वीकृति के लिए मेरी प्रस्तुति में निहित है, चाहे वह व्यक्तियों के लिए हो या राष्ट्रों के लिए। मैंने इस आशा को गले लगाया है कि इसमें यह, महिला निर्विवाद नेता होगी और इस प्रकार मानव विकास में अपना स्थान पाकर, अपनी हीन भावना को त्याग देगी। ऐसी असंख्य समस्याएं हैं जिनका सामना महिलाएं समकालीन पर्यावरण व्यवस्था में करती हैं। यह महत्वपूर्ण है कि वे उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य और वैज्ञानिक अनुसंधान तक पहुंच और अनुसंधान और नौकरी के अवसरों के लिए एक गैर-भेदभावपूर्ण वातावरण का सामना करें। उन महिला वैज्ञानिकों को मुख्यधारा में वापस लाने के प्राथमिक उद्देश्य को वापस लाने की आवश्यकता महसूस की गई, जिनका पारिवारिक दायित्वों और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक जिम्मेदारियों के कारण करियर में ब्रेक था।

अभय जी पत्रकारिता की आत्मा के वासी

नवीन जैन

काफी समय पहले हमारे दोस्त पत्रकार दीपक असीम ने अभय छजलानी जी उर्फ अब्बू जी को अभय प्रशाल में इंटरव्यू किया था। बातों _बातों में अब्बू जी ने कहा था , मैं पत्रकारिता में अपनी पारी की समाप्ति की घोषणा कर चुका हूं । उसके बाद प्रायःवे अभय प्रशाल में ही बैठने लगे थे। ये तो नहीं मालूम कि तब तक दैनिक जागरण समूह ने नई दुनिया को टेक ओवर किया था या नहीं ,लेकिन उसी समय के आस _पास अभयजी के सुपुत्र विनय जी वेब पत्रकारिता में नया सवेरा लेकर आए थे।उन्होंने पिलानी इंजीनियरिंग संस्थान ,और थामसान प्रेस लंदन से अर्जित ज्ञान के आधार पर वेब दुनिया पोर्टल की स्थापना की , जो हिंदी का पहला वेब पोर्टल था,और जो तमाम अन्य भारतीय संवेधानिक भाषाओं में आज भी सबसे तेज ,और विश्वसनीय पोर्टल माना जाता है। अभय जी खुद थामसन प्रेस के पास आउट थे। क्या खूब संयोग है कि जो वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश हिंदुस्तानी वेब दुनिया के पहले संपादक नियुक्त किए गए थे ,वे भी सरकारी नौकरी छोड़कर नईदुनिया में उप _संपादक बने थे । वे एक कोठरीनुमा कमरे से वेब दुनिया को जमाने में ऐसे लगे कि जैसे लंबे समय तक अपने घर का रास्ता ही जैसे भूल गए हो । बढ़ती उम्र की लगत बीमारियों के कारण अर्से से अभय जी लगभग बिस्तर पर ही थे । उनकी स्मृति भी करीब करीब बुझ चुकी थी ,लेकिन उन्होंने ,स्व.राहुल बारपुते उर्फ़ बाबा ,और स्व.राजेंद्र माथुर उर्फ स्व.रज्जू बाबू के साथ मिलकर नईदुनिया को हिंदी पत्रकारिता की रूह या आत्मा बनाने में अपना सर्वस्व दांव पर लगा दिया।

नईदुनिया तब बुलंदियों के पार जाने वाले नए पत्रकारों का जैसे रसोई घर हुआ करता था ,जिसमें मालवा का प्रसिद्ध भोजन दाल _बाफले यदि अभय जी शुरू शुरू में बनाते ,तो बाबा ,और रज्जू बाबू उसकी सिकाई करते।अब्बू जी का निवास चूंकि दफ्तर के पीछे ही था ,इसलिए अक्सर वे तीन बार नहाकर , कपड़े बदल कर और चक पक होकर आते।

यदि बाबा और रज्जू बाबू शब्दों की लपटे नईदुनिया के मार्फत निकालते,तो अभय जी उन्हें एक सुविचारित और सुअनुशासित आकल्पन या लेआउट के जरिए हर दिन का एक नया दस्तावेज बना देते। इसीलिए नईदुनिया को सालों तक छपाई और साज सजावट में राष्ट्रीय स्तर के प्रथम पुरस्कार मिलते रहें।तब एक भी प्रति में स्याही कम या ज्यादा हो जाती तो अभय जी बीसियों कॉपी रद्द करवा देते। एक बार तो हिंदी का एक शब्द गलत टाइप हो गया तो इंदौर भर की सारी कलमें (पेन) उसे ठीक करने के लिए खरीदी गई। एक बार हिंदी के मध्यप्रदेश से बाहर रहने वाले हिंदी के विश्वविद्यालय के रीडर को त्रुटियां निकालने के लिए ऊंचा मेहनताना देकर अलग से नियुक्त किया गया था। अभय जी ही किसी हिंदी अखबार में तीन कंप्यूटर से जुड़ी आफसेट ओरिएंट मशीन लाए जिसमें कीकर भी लगा हुआ था और तब ही उक्त तीनों मशीनें चार पेज का रंगीन परिशिष्ट अलग से छाप सकती थी। अभय जी एक एक शब्द को विज्ञापन के रेट से जोड़ने में भी माहिर थे। यदि अंत में किसी पंक्ति में सिर्फ है शब्द रह गया है तो वे कोई ऐसी तरकीब निकालते कि है शब्द भी रह जाता ,और पंक्ति की जगह भी बेकार नहीं जाती। अभय जी खुद कम से कम लिखते थे, लेकिन नए बंदों से ज्यादा से ज्यादा लिखवाते थे।एक जमाने में उनका साप्ताहिक कॉलम गुजरता कारवां पढ़ने के लिए लोग अखबार संबंधित पन्ने से ही खोलते थे।

पेज बनवाते समय शीर्षक में से वे एकाध शब्द को इधर उधर करवाकर हेडिंग को वे ऐसा कस देते थे कि उसे बार बार पढ़ने को जी चाहता था। लगता था यार , अपने में इतनी सृजनात्मकता ,सौदर्यबोध,और भाषा शैली की ऐसी समग्रता कब और कैसे आएगी। जैसे जब स्काई लेब गिरा था तो उन्होंने ही हेडिंग लगवाया था छपाक........इंदौर में जब एक बार बेइंतहा बादल फटे ,तो अभय जी की कलम से शीर्षक गुजरा पानी ही पानी ,पानी ही पानी। राज्यसभा टीवी के पूर्व संपादक प्रिंट ,और इलेक्ट्रोनिक माध्यम के ख्यातनाम राजेश बादल और वरिष्ठ पत्रकार और वेब पत्रकारिता में डॉक्टरेट कर चुके प्रकाश हिंदुस्तानी और वरिष्ठ पत्रकार शाहिद मिर्ज़ा नवीन जैन को अभय जी ने बच्चों की तरह पाला पोसा।

न्यूट्रिएंट्स के भंडार हैं मोटे अनाज

सुनील कुमार महला

भारत के प्रस्ताव के आधार पर, यूएनजीए द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष (आईवाईएम) के रूप में घोषित किया गया है। जानकारी देना चाहूंगा कि 5 मार्च 2021 को भारत के प्रस्ताव पर 72 देशों की स्वीकृति के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी।हाल ही में 18 मार्च शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर के सुब्रमण्यम हॉल में मोटे अनाज यानि कि 'श्रीअन्न' पर दो दिन तक चले वैश्विक सम्मेलन का उद्घाटन किया। 19 मार्च को यह सम्मेलन समाप्त हो गया। भारत के मोटा अनाज मिशन से ढाई करोड़ लघु एवं सीमांत किसानों को लाभ होगा। पीएम मोदी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश में मिलेट्स को अब 'श्री अन्न' की पहचान दी गई है, यह सिर्फ खेती और खाने तक ही सीमित नहीं है, श्री अन्न भारत में समग्र विकास का एक माध्यम बन रहा है।

इसमें गांव और गरीब भी जुड़ा है। मिलेट्स अब लोगों के लिए रोजगार का जरिया भी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज 2.5 करोड़ किसान सीधे तौर पर मिलेट्स से जुड़े हैं, श्री अन्न के लिए हमारा मिशन इन सभी किसानों और उनसे जुड़ी तंत्र को फायदा पहुंचाएगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। वास्तव में, मोटा अनाज प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों में और रसायनों एवं उर्वरकों का इस्तेमाल किए बिना आसानी से उगाया जा सकता है। आज मोटा अनाज वर्ष को सफल बनाने के लिए केंद्र सरकार बहुत सी योजनाएं लेकर आई है।आज राशन प्रणाली के तहत आमजन में मोटे अनाजों के वितरण पर लगातार जोर दिया जा रहा है। यहाँ तक कि आंगनबाड़ी और मध्यान्ह भोजन योजना(मिड-डे मील) में भी मोटे अनाजों को शामिल कर लिया गया है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रमों में मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का उल्लेख करते रहते हैं। आज फास्टफूड का जमाना है।

लोग फास्ट फूड का सेवन करके आज तरह तरह के बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। हृदय रोग, उच्चरक्तचाप , डाइबटीज , कैंसर, लीवर, किडनी से संबंधित बीमारियां, एलर्जी जैसी अनेक गंभीर बीमारियां आज लोगों को होने लगी है। इसलिए अब लोगो को आज जरूरत है कि वे मोटे अनाज का सेवन करें।एक समय था जब भारत के हरेक गांव-घरों की हरेक थाली में केवल ज्वार, बाजरा, रागी, चीना, कोदो, सांवा, कुटकी, कुटटू और चौलाई से बने हुए व्यंजन ही हुआ करते थे लेकिन फिर समय बदलता गया और आज स्थिति यह हो गयी है कि लोग इन अनाजों का महत्व तो दूर इनका नाम तक भी भूल गए हैं। आज के आधुनिक वातावरण में जब घरों में बड़े बुजुर्ग इन अनाजों का नाम लेते हैं या नई पीढ़ी को इनका महत्व बताते हैं तो युवा पीढ़ी इनके महत्व को मानने से इंकार तक करती है।वास्तव में, मोटा अनाज वर्ष के माध्यम से युवा पीढ़ी भी इन अनाजों का वैज्ञानिक महत्व समझ सकेगी और इनकी महत्व व महत्ता को स्वीकार कर सकेंगे।

बाजार में देखी अजीबोगरीब दुकान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मैंने बाजार में कुछ अजीबोगरीब दुकानें देखीं। जिस तरह साग-सब्जी की दुकानों पर तरकारी के भाव लटके होते हैं ठीक उसी तरह उन दुकानों पर अंतिम क्रियाओं के कीमतें लटकी हुई थीं। उसमें भी एक से बढ़कर एक वैरायटी दी गई थी। मैं इसके बारे में पता लगाने के लिए एक दुकान पर गया जिसका नाम था लास्ट रिचुवल्स एट योवर डोर स्टेप। मैं दुकान के मालिक से मिला। वह कहने लगा-वैरायटी की कैटगरी कीमतों पर निर्भर होती हैं। इसमें तीन तरह की कैटगरी होती हैं। इनका विभाजन सस्ते से महँगे के क्रम में कुछ इस प्रकार है। थर्ड कैटगरी में मरने वाले के क्रियाकर्म का सामान, अंतिम यात्रा की तैयारी सब कुछ शामिल होगा। बशर्ते अंतिम दर्शन के लिए आने वालों के लिए बैठने की कोई व्यवस्था नहीं होगी। उन्हें नीचे ही बैठना होगा। बीच-बीच में चाय-पानी की व्यवस्था की जाएगी। घी के बदले मिट्टी का तेल इस्तेमाल किया जाएगा। लकड़ी चंदन की नहीं बबूल की होगी। हमारी ओर से रोने वाले केवल बीस लोग आयेंगे। इनके रोने के लिए ग्लिसरीन का खर्चा एक्सट्रा लगेगा। इन्हें समय-समय पर कूल ड्रिंक और वडापाव, भेलपूरी खिलाना होगा। इसका भी एक्सट्रा चार्ज लगेगा। थर्ड कैटगरी के बारे में सुनकर कान खड़े हो गए। अगर यह थर्ड कैटगरी का हाल है तो दूसरी और पहली कैटगरी का क्या हाल होगा? फिर भी हिम्मत करके दूसरी और पहली कैटगरी के बारे में पूछ ही लिया। यदि मैं नहीं भी पूछता तब भी वह बताने के लिए उत्सुक था। उसे देखकर मुझे सामान्य ज्ञान का वह कथन गलत लगा जिसमें बताया गया था कि गिद्ध लुप्त होते जा रहे हैं। उसने आगे कहा - दूसरी कैटगरी में मरने वाले के क्रियाकर्म का सामान, अंतिम यात्रा की तैयारी के साथ नामी गिरामी बाबा के साथ दस-पंद्रह सुंदर बालाएँ माहौल को आध्यात्मिक, सौंदर्यात्मक और ध्वन्यात्मक बनाएँगी। इसमें सब कुछ शामिल होगा। बशर्ते अंतिम दर्शन के लिए आने वालों के लिए के लिए केवल प्लास्टिक कुर्सियों की व्यवस्था की जाएगी। बीच-बीच में बादाम मिल्क की व्यवस्था की जाएगी। शुद्ध घी का इस्तेमाल किया जाएगा। लकड़ी चंदन की होगी। हमारी ओर से रोने वाले पचास लोग आयेंगे। इनके रोने के लिए ग्लिसरीन का खर्चा एक्सट्रा लगेगा। इन्हें समय-समय पर मधुपान कराना होगा। इसका एक्सट्रा चार्ज लगेगा। कुल मिलाकर तीन लाख रुपए होंगे। जहाँ तक पहली कैटगरी का सवाल है तो इसका पैकेज सबसे हाई है। इसमें मरने वाले की अंतिम क्रिया पांस सितारा होटल की मेजबानी की तरह किया जाएगा। इसका खर्चा पाँच लाख रुपए होगा। इसमें मरने वाले के क्रियाकर्म का सामान, अंतिम यात्रा की तैयारी सभी आईएसआई मार्ग वाले और पैक्ड रैपर में लपेटकर लाये जायेंगे।

गणगौर तीज : मिट्टी से बनाते हैं शिव-पार्वती की मूर्ति

पति की लंबी उम्र के लिए होता है ये व्रत

24 मार्च को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है।

इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं।

सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छीटें देती हैं। वे चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं।

दूसरे दिन शाम को उनका विसर्जन कर देती हैं। जहां पूजा की जाती है उस जगह को गणगौर का पीहर और जहां विसर्जन होता है उस जगह को ससुराल माना जाता है। अविवाहित कन्या करती हैं अच्छे वर की कामना

गणगौर एक ऐसा पर्व है जिसे, हर महिला करती है। इसमें कुवारी कन्या से लेकर, शादीशुदा तक सब भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहला गणगौर पूजन मायके में किया जाता है। इस पूजन का महत्व अविवाहित कन्या के लिए, अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि, शादीशुदा महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती है। इसमें अविवाहित कन्या पूरी तरह से तैयार होकर और शादीशुदा सोलह श्रृंगार करके पूरे सोलह दिन विधि-विधान से पूजन करती हैं।

देवी पार्वती की विशेष पूजा

गणगौर पर देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करने का विधान है। तीज यानी तृतीया तिथि की स्वामी गौरी हैं। इसलिए देवी पार्वती की पूजा सौभाग्य सामग्री से करें। सौलह श्रृंगार चढ़ाएं। देवी पार्वती को कुमकुम, हल्दी और मेंहदी खासतौर से चढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य सुगंधित सामग्री भी चढ़ाएं।

नवरात्रि में नहीं कर पा रहे दुर्गा सप्तशती पाठ केवल करें नवार्ण मंत्र का जाप

क्या है नवार्ण मंत्र ?

काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट के अनुसार, मार्कण्डेय पुराण में नवार्ण मंत्र ओम ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे।। के बारे में बताया गया है। इस मंत्र को मां दुर्गा की आराधना के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। आप इस मंत्र का जाप चारों नवरात्रि में कर सकते हैं। इस मंत्र के बारे में भगवान शिव ने माता पार्वती को बताया था। इसे सभी देवी मंत्रों का सार तत्व कहा जाता है।

नवार्ण मंत्र जाप के फायदे

1. नवार्ण मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है।
2. इस मंत्र के जाप से बिजनेस, करोबार और करियर में उन्नति होती है। पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।
3. नवार्ण मंत्र के जाप से भय दूर होता है, साहस और पराक्रम में वृद्धि होती है। मां काली उसकी रक्षा करती हैं।
4. जो लोग संतान सुख से वंचित हैं, वे लोग भी इस मंत्र का जाप करके लाभ पा सकते हैं।
5. कुंडली के ग्रह दोषों को शांत करने के लिए यह मंत्र काफी कारगर माना जाता है।
6. करियर में यदि कोई समस्या है तो इस मंत्र के जाप से वह दूर हो जाता है।
7. इस मंत्र में माता महालक्ष्मी का भी आह्वान किया जाता है। उनकी कृपा से दरिद्रता दूर होती है। सुख-समृद्धि बढ़ती है।
8. नवार्ण मंत्र के जाप से व्यक्ति के हर प्रकार के पाप का नाश होता है। मानसिक शांति प्राप्त होती है।
9. इस मंत्र के जाप से दुर्गा सप्तशती के पाठ के समान पुण्य फल मिलता है।

चैत्र की विनायक चतुर्थी ?

चैत्र विनायक चतुर्थी 2023 तिथि
पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 24 मार्च शुक्रवार को शाम 04 बजकर 59 मिनट पर शुरू हो रही है। यह तिथि 25 मार्च शनिवार को शाम 04 बजकर 23 मिनट तक है। उदयातिथि के अनुसार, चैत्र की विनायक चतुर्थी 25 मार्च को है। इस दिन व्रत और गणेश पूजन होगा।
चैत्र विनायक चतुर्थी 2023 पूजा मुहूर्त
चैत्र की विनायक चतुर्थी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त दिन में 11 बजकर 14 मिनट से है। इस दिन आप गणेश जी की पूजा सुबह 11:14 बजे से लेकर दोपहर 01:41 बजे तक कर सकते हैं।

चैत्र की विनायक चतुर्थी व्रत इस माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को है। इस दिन चैत्र नवरात्रि का चौथा दिन है। चैत्र विनायक चतुर्थी के दिन व्रत रखकर गणेश जी की पूजा करते हैं। गणपति बप्पा के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता प्राप्त होती है, संकट दूर होते हैं, वास्तु दोषों का भी नाश होता है। हालांकि विनायक चतुर्थी की पूजा दिन के समय में करते हैं। इस दिन चंद्रमा का दर्शन वर्जित होता है क्योंकि व्यक्ति पर झूठे आरोप लग सकते हैं। काशी के ज्योतिषाचार्य रवि योग में है विनायक चतुर्थी व्रत

विनायक चतुर्थी व्रत के दिन रवि योग बना हुआ है। इस दिन सुबह 06 बजकर 20 मिनट से दोपहर 01 बजकर 41 मिनट तक है। इस दिन पूजा मुहूर्त के समापन तक रवि योग है। रवि योग में पूजा करना शुभ रहेगा। इस योग में सूर्य का प्रभाव अधिक होता है।

विनायक चतुर्थी को न देखें चंद्रमा

व्रत वाले दिन चंद्रोदय सुबह 08 बजकर 31 मिनट पर होगा। शुक्ल पक्ष में चंद्रमा का उदय सुबह में होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने चतुर्थी का चांद देखा था तो उन पर मणि चोरी करने का कलंक लगा था।

भद्रा में है चैत्र की विनायक चतुर्थी

इस साल चैत्र की विनायक चतुर्थी भद्रा में है। इस दिन भद्रा सुबह 06 बजकर 20 मिनट से शुरू हो रही है और इसका समापन शाम 04 बजकर 23 मिनट पर होगा। भद्रा के समय मांगलिक कार्य नहीं करते हैं। हालांकि गणेश जी की पूजा कोई समस्या नहीं है। यह भद्रा स्वर्ग की है, इसका प्रभाव मृत्यु लोक यानि पृथ्वी पर नहीं होता है।

हरे कपड़े में इस वस्तु को लपेट कर करें दान नवरात्रि में होगी नौ दुर्गा की कृपा

नवरात्रि में मां भगवती की आराधना करने के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। इन 9 दिनों में मां भगवती के अलग-अलग ्वरूपों की पूजा की जाती है। इतना ही नहीं ज्योतिष शास्त्रों में भी कहा गया है कि वरात्रि में दान करने से अपने ऊपर आए सभी विपत्ति और बाधाएं समाप्त हो जाती हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि नवरात्रि में कौन-कौन सी वस्तुएं दान करने से सुख-समृद्धि और घर में लक्ष्मी जी का वास होता है। ऐसे में रात्रि के दिन कुंवारी कन्याओं को वस्त्र दान करना, लाल चूड़ियां दान करना, किताबों को दान करना, फल का दान करना बेहद शुभ माना जाता है।

किताबों का भी करें दान

एक तरफ जहां कुंवारी कन्याओं को भोजना कराने और उन्हें वस्तुएं दान करने से नौ दुर्गा को प्रसन्नता होती है वहीं चैत्र नवरात्रि में किताबों को दान करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। किताबों को दान करने से किसी भी व्यक्ति के जीवन में कभी भी दुख का सामना नहीं करना पड़ता। मां लक्ष्मी के साथ मां सरस्वती मेहरबान रहती हैं।

ऐसे करें मां जगदंबा को प्रसन्न

कई बार ऐसा भी होता है कि लोग पूजा-पाठ बहुत विधि-विधान पूर्वक करते हैं, लेकिन उनके ऊपर दुखों का साया बढ़ाया करता है। ऐसी स्थिति में नवरात्रि के 9 दिन मां जगत जननी जगदंबा हरे कपड़े में छोटी इलायची दान करना चाहिए। ऐसा करने से आए हुए सभी विपत्तियों का नाश होता है। नौकरी के नए अवसर प्राप्त होते हैं।

केले का जरूर करें दान

वहीं दूसरी तरफ नवरात्रि में केले का दान करना भी बेहद शुभ माना जाता है। नवरात्रि में केले के दान करने से घर में बरकत बढ़ती है। धन वृद्धि होती है। जरूरतमंद लोगों को नवरात्रि के दिन दान करना अत्यंत शुभकारी माना जाता है।

बेहद लाभकारी हैं गरुड़ पुराण के ये 2 मंत्र

मंत्र जो गरीबी दूर करे

यदि किसी व्यक्ति को हमेशा आर्थिक तंगी बनी रहती है और उसे गरीबी का सामना करना पड़ता है तो ऐसे में आप गरुड़ पुराण में लिखे मंत्र 'ॐ जूं सः' का नियमित जाप करें। इससे आपको जल्द ही आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है। इसके साथ-साथ आपको प्रतिदिन 6 महीने तक श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ करना चाहिए। इससे भी मनुष्य को धन संबंधी समस्याओं से जल्द ही छुटकारा मिल सकता है।

सनातन धर्म एक ऐसा धर्म है जिसमें कई धार्मिक पुराण लिखे गए हैं। इन्हीं के आधार पर घर के बड़े बुजुर्ग अच्छे-बुरे और शुभ-अशुभ की शिक्षा समय-समय पर देते रहते हैं। हिंदू धर्म में 18 महा पुराणों का उल्लेख मिलता है, जिनमें से एक गरुड़ पुराण भी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गरुड़ पुराण में मनुष्य के जन्म से लेकर मृत्यु तक का उल्लेख मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जो व्यक्ति नियमित रूप से गरुड़ पुराण में लिखे इन मंत्रों का जाप करता है, उसके जीवन में आ रही अनेक समस्याएं दूर हो सकती हैं। आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से।

गरुड़ पुराण के कुछ मंत्र

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गरुड़ पुराण में बताए गए मंत्रों का नियमित रूप से जाप करना बेहद लाभकारी माना जाता है। इसके नियमित पाठ से मनुष्य को रोग, दीर्घायु और आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। कौन से हैं वे मंत्र आइए जानते हैं।

मुनि चैतन्य कुमार अमन

शक्ति आराधना का पर्व है नवरात्र

इस संसार में शक्ति का महत्व है। कायर क्लीव कमजोर व्यक्ति दीन-हीन और असहाय होता है। अपने आपको शक्ति सम्पन्न बनाने के लिए हर व्यक्ति प्रयत्न भी करता है। आचार्य महाप्र जी ने एक पुस्तक लिखी है शक्ति की साधना। उसमें उन्होंने अनेक प्रकार ही शक्तियों के बारे में बताया है जैसे अध्यात्म की शक्ति, संकल्प की शक्ति, चित्त की शक्ति, मन की शक्ति, इच्छा शक्ति, सहिष्णुता की शक्ति, नैतिक शक्ति, ध्यान की शक्ति, मंत्र की शक्ति, व्रत की शक्ति, आहार की शक्ति, ब्रहचर्य की शक्ति, अस्वीकार की शक्ति, मौन की शक्ति। इन सारी शक्तियों को प्राप्त करने के लिए साधना करनी होती है। साधना के बिना शक्ति सम्पन्न बनना मुश्किल होता है। भारतीय परम्परा में शक्ति की साधना के लिए नवरात्र का समय सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। चैत्रीय नवरात्र व आश्विन नवरात्र दोनो नवरात्र के अवसर यंत्र-मंत्र-तंत्र अनुष्ठान कर शक्ति सम्पन्न बनने का प्रयास होता है। हर व्यक्ति में शक्ति होती है किन्तु उस सुप्त शक्ति को जागृत करने की अपेक्षा रहती है। शक्ति की जागृति किसी न किसी अनुभवी व्यक्ति के देख-रेख में करनी चाहिए। मार्ग दर्शक के अभाव में दुर्घटना भी घट सकती है अतः साधना की सिद्धी मार्ग दर्शक के अभाव में नहीं करना चाहिए।

नवरात्र के दिनों में किए गए अनुष्ठान का लक्ष्य स्थिर होना आवश्यक है। अध्यात्म की शक्ति सर्वोपरि होती है। आश्विन माह में किया गया अनुष्ठान सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होता है। ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है आश्विनस्य सिते पक्षे दशमा तारको दये, स कालो विजय ज्ञेय सर्व कार्यार्थ सिद्धए अर्थात आश्विन शुक्ला दसमी के सांयकाल अगस्त्य नामक तारे के उदय होने तक जो काल रहता है वह सब कामनाओं को सिद्ध करने वाला होता है क्योंकि यह श्रेष्ठ विजय मुहुर्त होता है।

संकल्प शक्ति से ही अनुष्ठान को सफल किया जा सकता है। वैसे तो प्रत्येक आत्मा अनंत शक्ति सम्पन्न है, उसमें दोनों प्रकार की शक्तियां है एक ओर दंभ दर्प, क्रोध, अहंकार, वासना से आसुरी शक्तियां है तो दूसरी ओर अभय, अहिंसा, अप्रमाद, निरहंकार, सत्य, सहिष्णुता आदि देवीय शक्तियां भी विद्यमान है। जब व्यक्ति में आसुरी शक्तियां प्रकट होती है तब व्यक्ति उच्छृंखल बन जाता है और देवीय शक्तियों के प्रकट होने पर वह स्वयं तथा दूसरों के हितार्थ का चिंतन करता है। इस कालावधि में सम्पूर्ण रूप से आराधनी होती है तो विशेष रूप से लाभान्वित हो सकता है।

सर्वप्रथम जिस मंत्र की साधना करना हो तो उसके इष्ट के प्रति पूर्णत समर्पण हो, आस्था इतनी गहरी हो कि मंत्र और इष्ट के साथ एकात्मकता हो जाय। सघन आस्था के साथ काल शुद्धि, क्षेत्र शुद्धि, भाव शुद्धि भी अनिवार्य है। जो लोग इन नवरात्र के दिनों में मंत्रानुष्ठान करते हैं, उन्हें सर्वप्रथम सुरक्षा कवच का निर्माण करना होता है, जिससे अनुष्ठान को निर्विघ्न रूप से सम्पन्न किया जा सकें। प्राचीनकाल में जब भी कोई अनुष्ठान करते तो रक्षा कवच बनाकर फिर अनुष्ठान प्रारंभ करते जिससे कोई भी विघ्न बाधा उन्हें विचलित नहीं कर पाती। आज भी साधना को सिद्धी के द्वार तक ले जाया जा सकता है बशर्ते संकल्प सुदृढ हो, सहनशीलता व धेर्य हो, जागरुकता हो, समर्पण हो, आसन की स्थिरता हो, मन निश्चल हो, भावना विशुद्ध हो तो कोई वजह नहीं कि हमारा अनुष्ठान सफल न हो, तो नवरात्र का समय एक स्वर्णिम अवसर है। इस अवसर पर आध्यात्मिकता सम्पन्न बनने की दिशा में सार्थक प्रयास करें दुनिया में अनेक शक्तियां होती है परन्तु अध्यात्म शक्ति को सर्वोपरि शक्ति माना है। जितने अवतार या महापुरूष हुए उन्होंने अध्यात्म शक्ति सम्पन्न बनने के लिए पुरुषार्थ किया हमारा पुरुषार्थ भी उसी दिशा में होना चाहिए। यही काम्य है।

साउथ सुपरस्टार सूर्या ने तमिलनाडु छोड़ मुंबई में बसाया आशियाना?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के हाईएस्ट पेड एक्टर की लिस्ट में शामिल सूर्या की हर एक एक्टिविटी पर फैंस अपनी नजरें गड़ाए रखते हैं। बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके सूर्या 'उड़ान' और 'जय भीम' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय से नार्थ बेल्ट के दर्शकों के दिलों पर भी राज करते हैं। वहीं बीते कुछ समय में सूर्या को पत्नी ज्योतिका और दोनों बच्चों के साथ कई दफा मुंबई में स्पॉट किया गया। इसी को लेकर अब खबरें हैं कि सुपरस्टार ने मुंबई में 70 करोड़ का महंगा अपार्टमेंट खरीदा है। सूर्या मुंबई क्यों शिफ्ट हुए हैं, इसके पीछे की वजह भी दिल जीतने वाली है।

गौरतलब हो कि सूर्या बीते दिन मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए। इस दौरान उनके साथ पत्नी ज्योतिका और दोनों बच्चे देव और दीया भी नजर आए। हालांकि, सूर्या ने पैपराजी से बच्चों को कैमरों में कैप्चर ना करने की अपील की और खुद पैप्स को पोज देते देखे गए। वहीं अब जानकारी है कि सूर्या के बार-बार मुंबई में स्पॉट किए जाने का कारण यह है कि वह पत्नी और बच्चों के साथ मुंबई शिफ्ट हो गए हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो, सूर्या और ज्योतिका ने मुंबई शिफ्ट होने का फैसला अपने बच्चों के लिए किया है। जानकारी यह भी है कि जोड़े ने देव और दीया का एडमिशन भी मुंबई के एक स्कूल में करा दिया है। वहीं दूसरी खुशखबरी यह है कि ज्योतिका जल्द ही हिंदी वेब सीरीज में धमाल मचाती नजर आने वाली हैं। खबरों के मुताबिक, एक्ट्रेस ने इसके लिए अच्छी-खासी रकम चार्ज की है।

सूर्या और ज्योतिका क्या स्थाई रूप से मुंबई में शिफ्ट हो गए हैं, इसपर अबतक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। बताते चलें कि ज्योतिका और सूर्या की पहली मुलाकात एक फिल्म के सेट पर हुई थी। 1999 में फिल्म पूवेल्लम केत्तुप्पर के सेट पर सूर्या और ज्योतिका मिले। ज्योतिका मुंबई के पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जबकि सूर्या तमिल हैं। तमिल भाषा का ज्ञान ना होने के कारण ज्योतिका को साउथ फिल्म इंडस्ट्री में पैर जमाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। ज्योतिका के इसी लगन को देखकर सूर्या काफी प्रभावित हुए थे।

काम के मोर्चे पर गौर फरमाए तो सूर्या को आखिरी बार फिल्म 'रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट' में कैमियो करते देखा गया था। अब सूर्या डायरेक्टर सरुथाई शिवा के साथ अपनी अगली मूवी पर काम कर रहे हैं। सूर्या 42 पूरी होने के बाद वह Vetri Maaran के Vaadivaasal में नजर आएंगे। दूसरी ओर ज्योतिका राजकुमार राव के साथ श्री से धमाल मचाने को पूरी तरह तैयार हैं।

फिल्म 'फाइटर' में दिखेगा दीपिका पादुकोण का क्रेजी अवतार : सिद्धार्थ आनंद

फिल्म 'पठान' की जबरदस्त सफलता के बाद अब निर्देशक सिद्धार्थ आनंद इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'फाइटर' में जुटे हुए हैं। फिल्म की शूटिंग हो चुकी है। बता दें कि 'पठान' में अपने एक्शन का दम दिखाने वाली दीपिका पादुकोण फिल्म 'फाइटर' में भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में भी उनका एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। हाल ही में सिद्धार्थ आनंद ने दीपिका पादुकोण की तारीफों के पुल बांधे हैं।सिद्धार्थ आनंद ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा, 'हमने हाल ही में फिल्म का तीसरा शेड्यूल पूरा किया है। पहला शेड्यूल असम में पूरा हुआ, दूसरा कश्मीर में और आखिरी हैदराबाद में हुआ है। हम इस फिल्म के जरिए कुछ बेहद खास क्रिएट करने की यात्रा पर हैं।'फिल्म में दीपिका की मौजूदगी पर बात करते हुए सिद्धार्थ आनंद ने कहा, 'फिल्म 'फाइटर' में दीपिका का बिल्कुल अलग ही अवतार देखने को मिलेगा।' सिद्धार्थ ने आगे कहा, 'पठान में वह एक स्पाई रोल में थीं, वहीं फाइटर में वह एयर फोर्स ऑफिसर के रोल में हैं। वह एक शानदार रोल अदा कर रही हैं।'

एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए सिद्धार्थ ने आगे कहा, 'दीपिका रियल लाइफ कैरेक्टर बेहद खूबसूरती से अदा करती हैं। फाइटर में वह कई एक्शन और क्रेजी सीन करती नजर आएंगी। बता दें कि दीपिका पादुकोण इस फिल्म में ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। सिद्धार्थ आनंद ने दीपिका के अलावा ऋतिक को लेकर भी बात की।फिल्म के निर्देशक से जब ऋतिक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'ऋतिक रोशन मेरे लिए बेहद स्पेशल हैं। हम पिछले दस वर्षों से साथ काम करते आ रहे हैं। हमारे बीच काफी अलग अंडरस्टैंडिंग है। मैं फिल्म में क्या चाहता हूं, वह इशारों से ही समझ जाते हैं। एक एक्टर और डायरेक्टर के बीच इस तरह की समझ और एनर्जी काफी स्पेशल है। उम्मीद है कि फैंस को यह फिल्म पसंद आएगी।'

बोल्ड कपड़ों में हॉटनेस का ऐसा तड़का लगाती एक्ट्रेस हसीना ने तोड़ी मर्यादा, दिए कातिलाना पोज

21 साल की अवनीत कौर आए दिन कैमरे के सामने रिवीलिंग और बोल्ड कपड़ों में हॉटनेस का ऐसा तड़का लगाती हैं कि फोटोज इंटरनेट पर पलभर में छा जाती हैं. कभी एक्ट्रेस बिकिनी में परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आती है तो कभी डीपनेक फ्लॉन्ट कर फैंस को क्लीन बोल्ड कर देती हैं. लेकिन इस बार अवनीत ने घाघरा चोली पहन फैंस के दिलों से खेल गई हैं. इन फोटोज में अवनीत घाघरा चोली कैमरे के सामने येल्लो लगहंगा फ्लॉन्ट करती हुई दिखीं.अवनीत का ये लुक देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.

बेहद हॉट दिखी अवनीत

अवनीत कौर ने इंस्टाग्राम पर जो फोटोज शेयर की हैं उसमें वो यल्लो कलर की स्कर्ट और उसके ऊपर ब्रा पहनी हुई हैं. कैमरे के सामने खोलकर एक्ट्रेस अपनी हॉट येल्लो कलर ब्रा फ्लॉन्ट करती हुई नजर आईं. इसके साथ ही एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने रिवीलिंग ब्रा को फ्लॉन्ट कर ऐसे-ऐसे लुक्स दिए कि फैंस का उन पर से नजरें हटाना मुश्किल हो गया. इस रिवीलिंग ब्रा को पहनकर अवनीत कौर कैमरे के सामने अपने परफेक्ट फीगर को फ्लॉन्ट करते हुए नजर आईं. एक्ट्रेस की ये ब्रा इतनी ज्यादा रिवीलिंग और टाइट है कि वो उनके लुक को और भी ज्यादा बोल्ड बना रही है.

इन तस्वीरों को अवनीत ने इंस्टाग्राम पर खुद शेयर किया है. फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा- 'प्यार करने का यही कारण है.' आपको बता दें, अवनीत कौर भले ही कम उम्र की हैं लेकिन रिवीलिंग कपड़े पहनने में वो किसी एक्ट्रेस से पीछे नहीं हैं. अवनीत आए दिन कैमरे के सामने हर तरह के कपड़े पहनकर अपनी बॉडी को फ्लॉन्ट करते नजर आती हैं. इसी वजह से अवनीत अब सीरियल्स से ज्यादा अपने हॉट लुक की वजह से चर्चा में रहती हैं.

जया बच्चन को कभी पसंद नहीं आया बिग बी का यह तोहफा, वजह जानकर चौंक जाएंगे आप

कांजीवरम साड़ियों का जिक्र आते ही सबसे पहले एक्ट्रेस रेखा का नाम याद आने लगता है। उन्हें अक्सर खास मौकों पर कांजीवरम साड़ियों में देखा जाता है। उनके पास इन साड़ियों का अच्छा-खासा कलेक्शन है। दिलचस्प बात यह है कि कांजीवरम की साड़ियां अमिताभ बच्चन को भी बेहद पसंद हैं और वह अपनी पत्नी जया बच्चन को अक्सर तोहफे में यही साड़ियां देते आए हैं। मगर, इस मामले में जया बच्चन की पसंद बिल्कुल जुदा है।

जया बच्चन को कांजीवरम साड़ियों में कोई खास दिलचस्पी नहीं है। एक इंटरव्यू के दौरान जया ने खुद इस बात का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि अमिताभ उन्हें ज्यादातर साड़ियां ही गिफ्ट किया करते थे, वह भी खास तरह के डिजाइन वाली कांजीवरम साड़ियां।' जया बच्चन ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि बिग बी की गिफ्ट की गुई साड़ियां उन्हें बिल्कुल भी नहीं भाती थीं।

जया बच्चन ने यह भी कहा कि, 'अमिताभ का दिल रखने के लिए वह हमेशा उन साड़ियों को रख लेती थीं और पहनती थीं।' बता दें कि बिग बी की गिफ्ट की हुई ये वही साड़ियां हैं, जो 'अभिमान' फिल्म में कई बार जया बच्चन पहने हुए दिखाई दीं। खासतौर से 'तेरी बिंदियां रे...' गाने में उन्होंने जो साड़ियां पहनी हैं वो अमिताभ की ही दी हुई हैं।

एक तरफ जहां जया को ट्रेडिशनल साड़ियां बिल्कुल पसंद नहीं, वहीं रेखा इन साड़ियों की दीवानी रही हैं। आज भी रेखा किसी भी इवेंट या शादी में नजर आएं तो कांजीवरम साड़ी में ही दिखती हैं। वो खुद मंच से कह चुकी हैं कि उन्हें इस तरह की साड़ियां खूब पसंद हैं।

'सूर्या 42' के भारी-भरकम बजट के पीछे है एसएस राजामौली का हाथ : गनावेल राजा

सूर्यम, सिरूथाई, वीरम, वेदालम और विश्वासम जैसी सुपरहिट फिल्में बनाने के बाद, सिवा पहली बार तमिल सुपरस्टार सूर्या के काम कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा सितंबर में हुई थी। यह फिल्म थ्रीडी में बन रही है जिसे 10 भाषाओं में रिलीज करने की तैयारी है। तमिल सुपरस्टार सूर्या नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद से चर्चा में बने हुए हैं। 'सोरारई पोटरु' के बाद अब फैंस उनकी अगली फिल्म 'सूर्या 42' का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 'सूर्या 42' को अभिनेता के करियर की अब तक सबसे महंगी फिल्मों में गिना जा रहा है। फैंस के बीच इस फिल्म के बजट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। फिल्म के बजट को देखते हुए तरह-तरह कयास लगाए जा रहे थे। अब फिल्म के प्रोड्यूसर गनावेल राजा ने भी फिल्म के भारी-भरकम बजट पर बात की है और इसके पीछे की वजह आरआरआर फिल्म के निर्देशक राजामौली को बताया है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में गनावेल राजा ने खुलासा किया है कि 'सूर्या 42' के भारी भरकम बजट के पीछे एसएस राजामौली और उनकी फिल्म बाहुबली का हाथ है। गनावेल राजा ने कहा, 'निर्देशक राजामौली ने 'बाहुबली' जैसी सुपरहिट और बड़े बजट की फिल्म बनाकर साउथ सिनेमा के बाकी निर्देशकों को हिम्मत और हौसला दिया है।'

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'सूर्या 42' का बजट 200 करोड़ से ज्यादा का है और इसे 10 अलग-अलग भाषाओं में बनाया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि आखिर सूर्या में इतना पैसा क्यों खर्च किया गया तो गनावेल ने कहा, 'जब डायरेक्टर ने मुझे फिल्म का पोस्टर दिखाया तो मैं तभी समझ गया था कि यह कोई आम फिल्म नहीं है। इस फिल्म का बजट सूर्या की सबसे महंगी फिल्म से भी तीन गुना ज्यादा है। अभी तक तो सूर्या जी को भी फिल्म के बजट के बारे में कुछ नहीं पता है।'

सूर्या 42 - फोटो : सोशल मीडिया

आपको बता दें कि सूर्या के साथ इस पैन इंडिया फिल्म में दिशा पाटनी भी नजर आने वाली हैं। जानकारी के अनुसार यह फिल्म पुनर्जन्म पर आधारित होगी, जिसमें जमकर एक्शन दिखाया जाएगा। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

जाह्नवी की समंदर किनारे टू-पीस का दीदार कर फैंस हुए लट्टू!

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी अदाकारी से ज्यादा बोल्ड और हॉट लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं. जाह्नवी कपूर की हाल में भी बोल्डनेस से भरी फोटोज इंटरनेट पर चर्चाओं में बनी हुई हैं. वायरल फोटोज में जाह्नवी कपूर सिजलिंग ब्रालेट में सेक्सी अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं, वहीं एक्ट्रेस की फोटोज देख फैंस के सिर भी दीवानगी का खुमार चढ़ा जा रहा है. जाह्नवी की कई दिन पुरानी फोटोज पर भी लोग आज जमकर कमेंटबाजी कर रहे हैं!

जाह्नवी का बोल्ड लुक वायरल!

जाह्नवी कपूर अपनी बोल्डनेस को लेकर इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोरती हैं. हाल ही में जाह्नवी कपूर की ब्लू ब्रालेट वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. इन फोटोज में जाह्नवी समंदर किनारे ब्लू कलर की ब्रालेट और छोटी-सी डेनिम निक्कर पहने हुस्न का दीदार करा रही हैं. वैकेशन पर नारियल पानी पीते हुए जाह्नवी ने कैमरा के लिए सिजलिंग पोज दिए हैं.

जाह्नवी कपूर की जहां एक तरफ पुरानी फोटोज वायरल हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ एक्ट्रेस ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है. जाह्नवी कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया है कि उन्होंने सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है. एनटीआर 30 फिल्म से जाह्नवी कपूर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं.

बता दें, जाह्नवी कपूर की बीते दिन में अपकमिंग फिल्म 'बवाल' की भी रिलीज डेट अनाउंस हुई है. 'बवाल' फिल्म में जाह्नवी कपूर और वरुण धवन लीड रोल में दिखाई देने वाले हैं. एक तरफ 'बवाल' की रिलीज तो दूसरी तरफ 'एनटीआर 30' की शूटिंग, यानी जाह्नवी कपूर का साल 2023 खूब बिजी जाने वाला है...!

हिंदुत्व ट्वीट मामले में कन्नड़ एक्टर चेतन कुमार को राहत नहीं, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

कन्नड़ एक्टर चेतन कुमार सोशल मीडिया पर अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर ही ट्विटर पर कुछ न कुछ पोस्ट साझा करते हैं, जिसके चलते वह चर्चा का विषय बनते हैं। वहीं हाल ही में एक्टर ने हिंदुत्व को लेकर ट्वीट किया था, जिसके बाद वह ट्वीट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया था। इस ट्वीट के चलते एक्टर को 24 घंटे के अंदर बेंगलुरू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। अब इसपर एक बड़ा फैसला आया है।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

आपको बता दें कि एक्टर चेतन कुमार ने हिंदुत्व की आलोचना की थी, जिसके बाद उन्हें 21 मार्च को बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार किया था, उसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। जहां पर उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। चेतन कुमार के खिलाफ बजरंग दल के शिवकुमार ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने दावा किया था चेतन के ट्वीट से हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। इस मामले में एक्टर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 295ए(धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने) के तहत बेंगलुरु के शोषाद्रीपुर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था।

हिंदुत्व पर चेतन कुमार ने किया था ट्वीट

चेतन ने अपने ट्वीट में लिखा था- ₹हिंदुत्व झूठ पर बना है. सावरकर- भारतीय राष्ट्र तब शुरू हुआ जब राम ने रावण को हराया और अयोध्या वापस लौटे- झूठ, 1992 में बाबरी मस्जिद राम जन्मभूमि है- एक झूठ, 2023 उरीगौड़ा-नानजेगौड़ा टीपू के हत्यारे हैं- एक झूठ, हिंदुत्व को सत्य से हराया जा सकता है- सत्य समानता है। इससे पहले भी एक्टर कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस कृष्णा दीक्षित के बारे में ट्वीट को लेकर विवादों में फंसे थे।

कार्तिक आर्यन की इस खासियत की मुरीद हैं सारा अली खान, सरेआम एलान से कर दिया हैरान

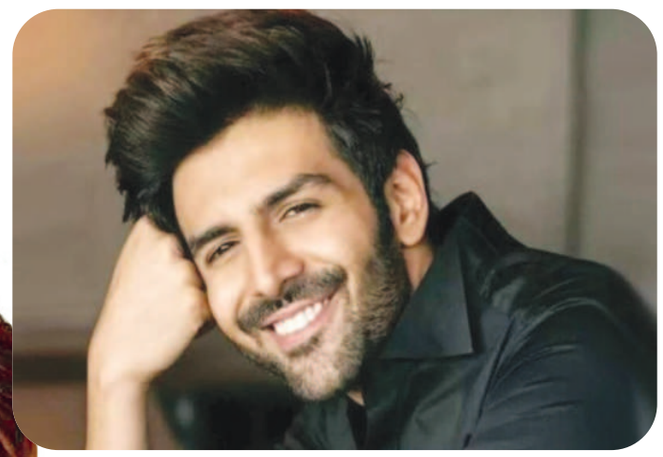

कार्तिक आर्यन ने आउट-साइडर होते हुए भी मनोरंजन जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लंबा रास्ता तय करते हुए कार्तिक आज अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर छा चुके हैं। कॉमिक, ड्रामा और इंटेंस एक्टर ने हर किरदार में खुद को साबित किया है। यह सारे कारण हैं कि कार्तिक की फैन-फॉलोइंग में दिन दोगुनी-रात चौगुनी बढोतरी हो रही है। दर्शकों के स्वाद के बारे में कार्तिक का ज्ञान काफी मायने रखता है, वहीं सारा अली खान भी एक्टर को लेकर यही राय रखती हैं।

सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गैसलाइट' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी को लेकर एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ से जुड़ीं कई दिलचस्प बातें साझा कीं। हालिया इंटरव्यू में सारा अली खान ने कार्तिक आर्यन के ऑडियंस चुनाव वाली क्वालिटी की दिल खोलकर तारीफ की। एक्ट्रेस ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे अभी तक कोई ऐसा नहीं मिला है जो हमारे दर्शकों की नब्ज को अच्छी तरह से जानता हो।'

सारा अली खान के इस बयान से दोनों के फैंस बेहद खुश हो गए हैं। सारा ने साफ कर दिया है कि कार्तिक को दर्शकों की अच्छी पहचान है, साथ ही वो क्या देखना पसंद करते हैं इसे भी एक्टर बखूबी जानते हैं। इसका नतीजा भी साफ देखने को मिलता है। देश से लेकर विदेश तक में कार्तिक के फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेहद एक्साइटेड नजर आते हैं। साथ ही कार्तिक जब भी आउटिंग पर जाते हैं, फैंस उनके साथ तस्वीर क्लिक कराने के लिए लाइन लगा लेते हैं।

गौरतलब हो कि सारा अली खान और कार्तिक आर्यन ने साल 2020 की फिल्म 'लव आज कल' में साथ काम किया था। ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। हालांकि, इस फिल्म के दौरान कार्तिक और सारा की नजदीकियां बढ़ी थीं और दोनों रिलेशनशिप में भी रहे थे।

सारा अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो, वह 'गैसलाइट' में नजर आने वाली हैं। यह मूवी डायरेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 31 मार्च को रिलीज हो रही है। सारा के पास अनुराग बसु की मूवी 'मेट्रो इन दिनों' भी है। इसके साथ ही उन्हें लक्ष्मण उतेकर की अनटाइटल्ड फिल्म में भी देखा जाना है, जिसमें वह विक्की कौशल संग स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। सारा की पाइपलाइन में करण जौहर की फिल्म 'ऐ वतन मेरे वतन में' भी है।

पति के रहते किसी दूसरे पर आया इन हीरोइनों का दिल, सब कुछ भूलकर कर बैठीं अफेयर

हीरोइनों की पर्सनल लाइफ अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. ऐसे में कई बार स्टार्स से एक्सट्रा मैरिटल अफेयर भी खूब चर्चा में रहते हैं. कई बार देखा गया है कि शादी के बाद भी कई एक्ट्रेसेस पति के बजाय किसी दूसरे शख्स की तरह इतनी ज्यादा अट्रैक्ट हो जाती हैं कि उनका एक्सट्रा मैरिटल अफेयर ही शुरू हो जाता है. आज हम कुछ ऐसी ही अदाकाराओं के बारे में बताएंगे जिनपर एक्सट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगा.

संजीदा शेख

एक्टर आमिर अली और संजीदा शेख कभी टीवी के पॉपुलर कपल हुआ करते थे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजीदा शेख पर भी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लग चुका है. एक्टर हर्षवर्धन राणे को दोनों के तलाक का कारण बताया गया था. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'तैश' की शूटिंग के वक्त संजीदा और हर्षवर्धन की नजदीकियां काफी बढ़ गई थीं.

दीपिका कक्कड़

पहले पति रौनक के साथ तलाक के बाद दीपिका कक्कड़ पर भी एक्सट्रा मैरिटल अफेयर के आरोप लगे थे. साल 2011 में दीपिका की मुलाकात शोएब इब्राहिम से हुई थी और उसके अगले साल उन्होंने रौनक से तलाक ले लिया था. आज दीपिका और शोएब एक-दूसरे के साथ बहुत खुश हैं और अपने पहले बच्चे के आने की तैयारी कर रहे हैं.

मलाइका अरोड़ा

इस लिस्ट में मलाइका अरोड़ा का नाम भी शामिल है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरबाज खान के साथ मलाइका के तलाक की वजह अर्जुन कपूर के साथ उनकी बढ़ती नजदीकियों को बताया जाता है. खैर, अरबाज से तलाक के बाद अर्जुन और मलाइका एक-दूसरे के साथ हैं.

निशा रावल

टीवी का एक और मशहूर कपल जो अब साथ नहीं है. निशा रावल को लेकर करण मेहरा ने खुलासा किया है कि निशा का अफेयर उनके मुंह बोले भाई रितेश सेतिया के साथ चल रहा था.

काम्या पंजाबी

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी पर पति को धोखा देने का आरोप लगा था. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके एक्स पति बंटी नेगी ने काम्या पर संजय दत्त के कजिन निमाई बाली के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था. हालांकि, काम्या ने हमेशा ही इन आरोपो को गलत बताया. एक्ट्रेस ने बताया कि अपने तलाक के बाद वो निमाई के साथ रिलेशनशिप में आई थीं.

सलमान खान को धमकी मामले में बड़ा अपडेट आया सामने, पुलिस को यूके से मिला ईमेल का लिंक

हाल ही में सलमान खान को गोल्डी बराड़ की तरफ से एक धमकी भरा मेल मिला था, जिसके बाद अभिनेता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इस घटना के बाद से सलमान के घर पर पुलिस का पहरा बढ़ा दिया गया था। अब पुलिस ने इस मामले में नया खुलासा किया है। पुलिस को इस ईमेल का लिंक यूके से मिला है। हालांकि जिस ईमेल के जरिए सलमान को मेल भेजा गया था, उसके बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है।

सलमान खान को गोल्डी बराड़ की तरफ से मिले धमकी भरे ईमेल मामले की मुंबई पुलिस गहनता से जांच कर रही है। पुलिस को धमकी भरे मेल का ब्रिटिश से कनेक्शन पता चला है। यह मेल यूके में एक मोबाइल नंबर से जुड़ा हुआ है। पुलिस अब उस व्यक्ति का पता लगाने का प्रयास कर रही है, जिसके नाम पर नंबर दर्ज है। बता दें कि सलमान को धमकी भरे मेल के बाद सलमान खान के घर के बाहर पुलिस की गश्त बढ़ गई है। पुलिस ने लोगों के अपार्टमेंट के सामने खड़े होने पर भी रोक लगा दी है।

धमकी के बाद सलमान खान का कॉन्सर्ट टला!

सलमान खान का कोलकाता में होने वाले शो को मई-जून के लिए टाल दिया गया है। कहा जा रहा है कि शो को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली धमकी के बाद पोस्टपोन किया गया है। पहले ये शो जनवरी में होने वाला था लेकिन किसी वजह से कैंसिल हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनवरी में शो के पोस्टपोन होने के बाद इसकी डेट अप्रैल में रखी गई, लेकिन अब फिर से डेट्स में बदलाव करते हुए मई-जून में ट्रांसफर कर दी गई है। हालांकि, शो के ऑर्गनाइजर्स का कहना है कि ये लाइव कॉन्सर्ट अप्रैल नहीं बल्कि मई-जून में ही होना तय था।

सलमान खान हर साल देश-विदेश में दबंग टूर करते हैं। इसमें उनके साथ कई और सेलिब्रिटीज भी परफॉर्म करते हैं। इस बार उनके साथ सोनाक्षी सिन्हा, जैकलीन फर्नांडीज, प्रभु देवा, आयुष शर्मा और गुरु रंधावा भी परफॉर्म करने वाले थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली धमकियों के बाद शो की डेट्स में बदलाव किया गया है। हालांकि, शो के ऑर्गनाइजर्स का कहना है कि शो पहले से ही मई-जून में होना तय था। बाकी सब अफवाह है।

सोनू निगम के पिता के घर पर 72 लाख की चोरी मामले में पूर्व ड्राइवर रेहान हुआ गिरफ्तार

सिंगर सोनू निगम के पिता अगम कुमार निगम के घर 72 लाख रुपए की चोरी हुई है। इस वारदात को उनके पुराने ड्राइवर ने अंजाम दिया है। आरोपों के मुताबिक ड्राइवर ने डुप्लीकेट चाबी से अलमारी का लॉकर खोलकर चोरी की है। सोनू की बहन ने बुधवार को ओशिवारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद अब मामले की जांच चल रही है। निकिता की शिकायत पर ओशिवारा पुलिस ने IPC की धारा 380, 454 और 457 के तहत चोरी और घर में घुसने के लिए FIR दर्ज की है। वहीं ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सिंगर सोनू निगम के पिता ने अपने पूर्व ड्राइवर पर घर से 72 लाख रुपए चोरी करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने कहा कि सोनू के पिता मुंबई के अंधेरी वेस्ट के ओशिवारा में विंडसर ग्रैंड बिल्डिंग में रहते हैं। उनका आरोप है कि ड्राइवर ने 19 और 20 मार्च के बीच चोरी को अंजाम दिया है।

कुछ दिन पहले काम से हटाया गया था ड्राइवर

सोनू निगम की छोटी बहन निकिता के मुताबिक, उनके पिता के पास करीब 8 महीने से रेहान नाम का एक ड्राइवर था। काफी से उसके काम को लेकर शिकायत थी, जिस कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया था।

ड्राइवर ने डिजिटल लॉकर से चुराए 72 लाख

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगम कुमार निगम रविवार को वर्सोवा इलाके में निकिता के घर लंच पर गए थे। कुछ देर बाद वो वापस लोटे, तो उन्होंने अपनी बेटी को फोन पर कॉल करके बताया कि लकड़ी की अलमारी में रखे डिजिटल लॉकर से 40 लाख रुपए गायब हैं। अगले दिन फिर अगम वीजा से जुड़े काम को लेकर संबंधी किसी काम से अपने बेटे के घर गए थे। जब वो शाम को लौटे, तो उनके लॉकर से 32 लाख रुपए गायब थे। जबकि लॉकर को कोई डैमेज नहीं हुआ था। ये देखने के बाद उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की जांच करवाई, जिसमें ड्राइवर रेहान दोनों दिन बैग लेकर फ्लैट की ओर जाता दिखाई दिख रहा है।

शिकायत के मुताबिक, अगम कुमार को शक है कि रेहान डूप्लीकेट चाभी की मदद से फ्लैट में घुसा और बेडरूम में डिजिटल लॉकर से 72 लाख रुपए की चोरी की।

ऐश्वर्या रजनीकांत के घर चोरी के मामले में नौकरानी गिरफ्तार, गहने बेचकर खरीदा था घर

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत के घर में बीते दिनों गहने चोरी होने का मामला सामने आया था। चोरी के बाद से चेन्नई पुलिस जांच में जुटी थी, जिसके बाद इस मामले में एक नया अपडेट सामने आया है।

नौकरानी और ड्राइवर गिरफ्तार

चोरी के मामले में ऐश्वर्या रजनीकांन ने एफआईआर दर्ज करवाई थी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि सोने और डायमंड की ज्वेलरी गायब हुई है। साथ ही घर के कुछ और गहने भी चोरी हुए हैं। इस मामले में उन्हें अपने घर के नौकरों पर शक था, जिसके बाद गहने चोरी मामले में चेन्नई पुलिस ने ऐश्वर्या के घर पर काम करने वाली नौकरानी ईश्वरी और उनके ड्राइवर वेंकटेसन को गिरफ्तार किया है।

ईश्वरी ने कबूल किया अपराध

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी थी। उन्होंने घर के सभी नौकरों से पूछताछ की थी। जांच के दौरान नौकरानी ईश्वरी ने गहने चोरी करने की बात को कबूल किया था कि उसने ही घर से गहने चोरी किए थे, जिसमें से सोने के गहनों के अलावा 30 ग्राम डायमंड की ज्वेलरी भी थी और 4 किलो की चांदी थी। ईश्वरी से पूछताछ में पाया गया कि घर का ड्राइवर वेंकटेसन भी इसमें शामिल था, जिसके बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार किया था।

बीते 18 वर्षों से ईश्वरी कर रही थी ऐश्वर्या के घर काम

ऐश्वर्या की नौकरानी ईश्वरी बीते 18 वर्षों से उनके घर पर काम कर रही थी, जिसके चलते उसे घर के कोने कोने के बारे में पूरी जानकारी थी। साथ ही उसे लॉकर की चाबियों और गहनों के बारे में भी जानकारी थी। ईश्वरी ने बताया कि उसने वह गहने चोरी के बाद बेच दिए थे और उससे एक घर खरीद लिया था। पुलिस का कहना है कि लॉकर से गहने एक-एक करके चोरी किए गए हैं।

फिल्म लाल सलाम से करेंगी निर्देशन में वापसी

आपको बता दें कि ऐश्वर्या रजनीकांत फिल्म लाल सलाम की तैयारी में जुटी हुई हैं। वह इस फिल्म के जरिए निर्देशन में वापसी करने जा रही हैं। उनकी इस फिल्म में विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म में ऐश्वर्या के पिता रजनीकांत भी नजर आने वाले हैं।

कंगना रनौत के 'दुश्मन' हैं ये बॉलीवुड सितारे, एक आंख नहीं भाते; शक्ल देखते ही आ जाता है गुस्सा!

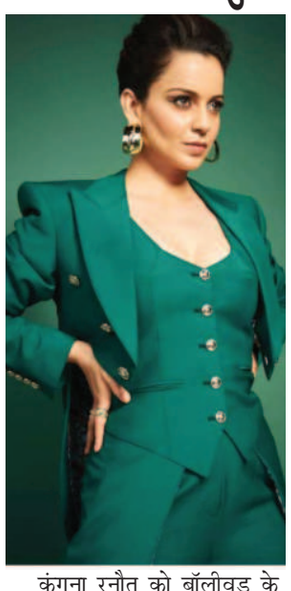

कंगना रनौत को बॉलीवुड के बेबाक एक्ट्रेस कहा जाता है. कंगना ना तो किसी से डरती है और ना ही अपनी बात कहने में कभी पीछे हटती है. इसी वजह से सिनेमाजगत में कंगना रनौत का नाम बॉलीवुड की तीखी तेज तर्रार एक्ट्रेस में गिना जाता है. कंगना के इसी बेबाकी की वजह से सिनेमाजगत में उनकी काफी कम लोगों से बनती है. यहां तक कि बॉलीवुड में उनके कई दुश्मन भी है जिनसे उनकी सोशल मीडिया पर खुलेआम लड़ाई भी हो चुकी है. जानिए कंगना रनौत के बॉलीवुड में अभी तक कौन-कौन से दुश्मन है जिनसे वो बात करना पसंद नहीं करती.

ऋतिक रोशन

इस लिस्ट में पहला नाम आता है ऋतिक रोशन का. 'कृष 3' फिल्म से कंगना और ऋतिक की नजदीकियां खूब बढ़ी. लेकिन जैसे ही ये दोस्ती प्यार में बदली तो फिल्म रिलीज होने के कई साल बाद दोनों का सोशल मीडिया पर खूब झगड़ा हुआ. बात इतनी बढ़ गई है कि दोनों एक दूसरे को देखना तक पसंद नहीं करते हैं.

करण जौहर

नेपोटिज्म को लेकर कंगना रनौत की करण जौहर से भी बहस हो चुकी है. ये जुबानी जंग इतनी ज्यादा हुई कि दोनों एक दूसरे पर कमेंट करने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं. हालांकि दोनों एक साथ कई मौकों पर जरूर दिखे.

दीपिका पादुकोण

कंगना रनौत की वैसे तो खुलेतौर पर दीपिका पादुकोण से झगड़ा नहीं हुआ. लेकिन जब दीपिका कंगना रनौत की फिल्म 'क्वीन' की सक्सेस में नहीं पहुंचीं और ना ही उन्हें विश किया तो कंगना भी 'पीकू' फिल्म की पार्टी में नहीं गई. हालांकि कंगना ने हाल में दीपिका की ऑस्कर स्पीच के लिए तारीफ की थी.

आलिया भट्ट

कंगना रनौत और आलिया भट्ट की भी सोशल मीडिया पर बहस हो चुकी है. इस बहस की शुरुआत तब हुई जब कंगना ने आलिया की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' फिल्म की आलोचना की थी. इसका जवाब आलिया ने भी दिया था.

अपूर्व असरानी और जावेद अख्तर

कंगना रनौत और अपूर्व असरानी का विवाद 'सिमरन' फिल्म से शुरू हुआ था. अपूर्व कंगना की फिल्म लिख रहे थे. इसके साथ अपूर्व मीडिया में बयान दिया था कि कंगना ने हंसल मेहता के साथ मिलकर उन्हें फिल्म से निकालने का प्लान बनाया है. इसके अलावा कंगना की जावेद अख्तर से भी कई बार बहस हो चुकी है.

अदाणी मामले में खुलासों से हलचल मचाने वाले हिंडनबर्ग का दावा- एक और 'बड़ी रिपोर्ट' आने वाली है

सैन फ्रांसिस्को, 23 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में अपनी रिपोर्ट्स के जरिए भूचाल लाने के लिए लोकप्रिय हिंडनबर्ग रिसर्च ने अब एक और 'बड़ी रिपोर्ट' जल्द लाने की बात कही है। शॉर्ट सेलिंग फर्म ने एक ट्वीट में कहा कि जल्द ही एक बड़ी रिपोर्ट आ रही है। गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की पिछली रिपोर्ट के चलते भारतीय अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी को शेयर बाजार में भारी नुकसान हुआ था। इतना ही नहीं अदाणी की कई कंपनियां सेबी की निगरानी में भी रही थीं। हिंडनबर्ग रिसर्च एक वित्तीय शोध करने वाली कंपनी है, जो इक्विटी, क्रेडिट और डेरिवेटिव मार्केट के आंकड़ों का विश्लेषण करती है। इसकी स्थापना साल 2017 में नाथन एंडरसन ने की है। हिंडनबर्ग रिसर्च हेज फंड का कारोबार भी करती है। इसे कॉरपोरेट जगत की गतिविधियों के बारे में खुलासा करने के लिए जाना जाता है। इस कंपनी का नाम हिंडनबर्ग आपदा पर आधारित है जो 1937 में हुई थी, जब एक जर्मन यात्री हवाई पोत में आग लग गई थी, जिसमें 35 लोग मारे गए थे। कंपनी यह पता लगती है कि क्या शेयर मार्केट में कहीं गलत तरीके से पैसों की हेरा-फेरी तो नहीं हो रही है? क्या कोई कंपनी अकाउंट मिसमैनेजमेंट तो खुद को बड़ा नहीं दिखा रही है? क्या कंपनी अपने फायदे के लिए शेयर मार्केट में गलत तरह से दूसरी कंपनियों के शेयर को बेट लगाकर नुकसान तो नहीं पहुंचा रही?अदाणी समूह कोई पहला नहीं है जिसपर अमेरिकी फर्म ने रिपोर्ट जारी की है। इससे पहले इसने अमेरिका, कनाडा और चीन की करीब 18 कंपनियों को लेकर अलग अलग रिपोर्ट प्रकाशित की है जिसके बाद काफी घमसान मचा।

अमेरिका में बैंकिंग संकट के बीच पीएसयू बैंकों के प्रमुखों से मिलेंगी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में होने वाली बैंकों की विफलता और क्रेडिट सुइस की नकदी संकट को ध्यान में रखते हुए भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जल्द ही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशकों से मुलाकात कर सकती हैं। कहा जा रहा है कि वह प्रबंध निदेशकों से 25 मार्च को मिलने वाली है, जिसमें कई बड़े मुद्दों पर बातचीत की जा सकती है।

पहली पूर्ण समीक्षा बैठक

बजट 2023-24 को पेश करने के बाद यह पहली पूर्ण समीक्षा बैठक होगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसमें बैंकों को उत्पादक क्षेत्रों के ऋण प्रवाह सहित बजट द्वारा उजागर किए गए क्षेत्रों पर ध्यान देने के लिए कहा जा सकता है। साथ ही आक्रामक मौद्रिक सख्ती के कारण बैंकों की विफलता पर होने वाली वैश्विक चिंता के बारे में यह बैठक हो सकती है।

इन चीजों पे हो सकती है चर्चा

कहा जा रहा है कि पहली पूर्ण समीक्षा बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), स्टैंड-अप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई), और आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए बैंकों द्वारा की गई प्रगति का जायजा लिया जा सकता है।

इसके अलावा, वित्त मंत्री अगले वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि, संपत्ति की गुणवत्ता, पूंजी जुटाने और बैंकों की व्यवसाय वृद्धि योजना की समीक्षा करेंगी। साथ ही, 100 करोड़ रुपये की गैर-निष्पादित संपत्ति और इनकी वसूली की स्थिति पर भी चर्चा की जा सकती है।

बैंकों की संपत्ति में हुआ सुधार

बता दें कि हाल के समय में सरकार द्वारा किए गए विभिन्न सुधार योजनाओं के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संपत्ति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। सकल एनपीए अनुपात मार्च 2018 में 14.6 प्रतिशत से गिरकर दिसंबर 2022 में 5.53 प्रतिशत हो गया है। इस तरह, सभी पीएसबी का कुल लाभ चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में बढ़कर 70,167 करोड़ रुपये हो गया, जो 2021-22 में 66,543 करोड़ रुपये था। यूएस फेड ने बुधवार को बैंकिंग संकट के बावजूद उच्च मुद्रास्फीति को कम करने के लिए ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी की। इस कारण, सबकी निगाह इस बात पर भी रहेगी कि बढ़ती मुद्रास्फीति से लड़ने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है।

अशनीर ग्रोवर ने फिर साधा भारतपे पर निशाना

कहा-मुझपर कंपनी हर हफ्ते करती है नया केस

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। शार्क टैंक इंडिया के जज अशनीर ग्रोवर और भारत पे के बीच जुबानी जंग थमने का नाम नहीं ले रही हैं। फिनटेक कंपनी और अशनीर ग्रोवर आए दिन एक दूसरे के ऊपर कई तरह के इल्जाम लगाते रहते हैं। हाल ही में अशनीर ग्रोवर ने भारत पे के ऊपर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भारत पे हर कुछ दिन के बाद उनके ऊपर एक नया केस दर्ज करती हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि भारत पे के डायरेक्टर रहे अशनीर ग्रोवर पर पिछले साल कंपनी के फंड के साथ हेराफेरी का आरोप लगा था। इसके बाद अशनीर को कंपनी के सभी पदों से इस्तीफा देना पड़ा था।पिछले साल अशनीर ग्रोवर पर कंपनी ने पूरे 88 करोड़ रुपये के फंड्स की हेराफेरी का आरोप लगाया था। भारत पे का कहना था कि अशनीर ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर ने कंपनी के 88 करोड़ रुपये का इस्तेमाल अपने पर्सनल यूज के लिए किया था। इसके बाद कंपनी ने ग्रोवर के ऊपर मुकदमा दर्ज करके 88 करोड़ रुपये की मांग की थी। इसके बाद से ही कंपनी और अशनीर ग्रोवर अक्सर एक दूसरे पर सोशल मीडिया के जरिए निशाना साधते रहते हैं।मशहूर बिजनेस रियालिटी शो शार्क टैंक इंडिया सीजन वन के जज रहे अशनीर ग्रोवर ने बुधवार को ट्वीट करके भारत पे पर तंज कसते हुए कहा कि मैं थोड़ा कंफ्यूज हूं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से भारत के खाद्य सुरक्षा को खतरा!

घट सकता है गेहूं - चावल का उत्पादन

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन को लेकर पूरी दुनिया में लगातार चिंता जताई जाती रही है। लेकिन आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का भारत के खाद्य सुरक्षा पर बेहद बुरा असर पड़ सकता है जिसे लेकर संसद में चिंता जाहिर की गई है। सरकार ने संसद को बताया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के चलते चावल, गेहूं के अलावा खरीफ मक्के के उत्पादन में बड़ी कमी देखने को मिल सकती है।

घट सकता है गेहूं-चावल का उत्पादन

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लोकसभा में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर पूछे गए प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि सरकार ने अनुमानित जलवायु को ध्यान में रखते हुए 2050 और 2080 के लिए फसल सिम्यूलेसन मॉडल का प्रयोग करते हुए जलवायु परिवर्तन प्रभाव का मुल्यांकन किया है। इसमें पता लगा है कि अनुकूल उपायों को ना अपनाया गया तो भारत में वर्षा पर निर्भर चावल की पैदावार 2050 तक 20 फीसदी और 2080 तक 47 फीसदी कम हो सकती है। जबकि सिंचित चावल के उत्पादन में 20250 तक 3.5 फीसदी और 2080 तक 5 फीसदी उत्पादन घटने का अनुमान है। कृषि मंत्री ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण गेहूं के पैदावार में भी बड़ी गिरावट आ सकती है। उन्होंने बताया कि स्थानीय और अस्थायी जलवायु परिवर्तनों के कारण 2050 तक 19.3 फीसदी और 2080 तक 40 फीसदी गेहूं के पैदावर में कमी होने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन के कारण खरीफ मक्के के भी पैदावार में 2050 तक 18 फीसदी और 2080 तक 23 फीसदी कमी आ सकती है।

घट सकता है अनाज में पोषक तत्व भी

कृषि मंत्री ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से फसल की पैदावार कम होती है साथ ही पोषक तत्व में भी कमी आती है।

सूखे जैसे हालात के चलते खाद्य और पोषक तत्व उफबोग को प्रभावित करते हैं। किसानों के वित्तीय सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ता है।

कृषि मंत्री के मुताबिक इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय कृषि खाद्य अनुसंधान, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने नेशनल इनोवेशन इन क्लामेट रिजिलिएंट एग्रीकल्चर नाम से फ्लैगशिप नेटवर्क अनुसंधान परियोजना को शुरू किया है जिसका मतसद जलवायु अनुकूल प्रोद्योगिकी के विकास करने के साथ उसे बढ़ावा देना है।

सोने-चांदी में तेजी बरकरार, वायदा बाजार में आज फिर चढ़ा सोना

जानें प्रमुख शहरों में सोने के दाम

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। पिछले दो दिनों में सोने और चांदी के दाम में लगातार उठापटक देखने को मिला है। आज यानी 23 मार्च, 2023 गुरुवार के दिन गोल्ड और सिल्वर के रेट में तेजी देखी जा रही है। घरेलू कमोडिटी मार्केट में आज कीमती मेटल्स के दाम में बढ़त देखी जा रही है और सोना कल के मुकाबले आज 494 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी के साथ 59,283 रुपये पर खुला है। वहीं सुबह 11 बजे तक इसमें मामूली गिरावट दर्ज की गई है और यह फिलहाल 59,211 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोना बुधवार को 58,756 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के दाम में भी कल के मुकाबले आज बढ़त देखी जा रही है। चांदी में आज 506 रुपये यानी 0.73 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है और यह 69,822 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। इसमें बाद चांदी के दाम में कुछ और बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह सुबह 11 बजे तक 69,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। कल चांदी 69,309 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था।

इंटरनेशनल मार्केट में क्या है सोने चांदी का हाल-

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना जहां आज तेजी के साथ कारोबार कर रहा है, वहीं चांदी के दाम में कमी दर्ज की जा रही है। सोना 1,976 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में आज सिल्वर मे के दाम में 0.25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और यह 22.9 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।

देश के 4 प्रमुख महानगरों में सोने-चांदी के दाम-

दिल्ली- 22 कैरेट सोना 54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 71,600 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई-22 कैरेट सोना 54,200 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 71,600 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता-22 कैरेट सोना 54,200 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 71,600 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई-22 कैरेट सोना 54,700 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,000 रुपये प्रति किलोग्राम।

दो दिन के भारत दौरे पर अजय बंगा

पीएम मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण से करेंगे मुलाकात, हो सकते हैं विश्व बैंक के अगले प्रेसिडेंट

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। विश्व बैंक के प्रेसिडेंट (अध्यक्ष) पद के लिए अमेरिका के उम्मीदवार अजय बंगा आज से 2 दिवसीय भारत दौरे पर हैं। वह 23 और 24 मार्च को नई दिल्ली में रहेंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे वित्त मंत्री निर्मल जिम्मेदारी और विदेशी मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात करेंगे।

भारत की विकास प्राथमिकताओं सहित कई मामलों पर होगी चर्चा

अपनी विजिट के दौरान वे भारत की विकास प्राथमिकताओं, विश्व बैंक और वैश्विक आर्थिक विकास चुनौतियां सहित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा, बंगा लर्नेट इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स का भी दौरा करेंगे।

अध्यक्ष पद के लिए नॉमिनेट होने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति

अजय बंगा वर्ल्ड बैंक के नए प्रेसिडेंट बन सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें पिछले नॉमिनेट किया था। वे इसके लिए नॉमिनेट होने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं। वर्ल्ड बैंक के वर्तमान प्रेसिडेंट डेविड मालपास के अप्रैल 2024 से पहले ही पद छोड़ने के ऐलान के बाद उन्हें नॉमिनेट किया गया। इस वक्त 63 साल के भारतीय-अमेरिकी बंगा प्राइवेट इक्विटी फंड जनरल अटलांटिक के वाइस चेयरमैन हैं।

फॉर्च्यून ने शक्तिशाली उद्योगपति-2012 चुना

बंगा 1996 में सिटी ग्रुप के मार्केटिंग हेड बने। 2000 में सिटी फाइनेंशियल के प्रमुख नियुक्त किए गए। 2009 में मास्टरकार्ड के सीईओ बने और अपनी मार्केटिंग रणनीतियों से मास्टरकार्ड को युवाओं में इतना लोकप्रिय बना दिया कि यह स्टेटस सिंबल बन गया। 2016 में बंगा को पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। मशहूर पत्रिका फॉर्च्यून ने 2012 में बंगा को 'शक्तिशाली उद्योगपति-2012' के तौर पर चुना था। वह हिंदुस्तान यूनिलीवर के पूर्व चेयरमैन मानविंदर सिंह बंगा के भाई हैं।

दो दिनों की तेजी के बाद शेयर बाजार लुढ़का

290 अंक गिरकर बंद हुआ सेंसेक्स

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। दो दिनों की तेजी के बाद फिर से शेयर बाजार में बिकवाली लौट आई है। निवेशकों के मुनाफावसूली के चलते बाजार में गिरावट देखने को मिली है। जबकि अमेरिकी फेड रिजर्व के एक चौथाई फीसदी ब्याज दरें बढ़ाने के बाद और अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट के बावजूद भारतीय बाजार सुबह तेजी के साथ खुले थे। लेकिन यूरोपीय मार्केट में गिरावट का असर भारतीय बाजारों पर भी दोपहर बाद देखा गया। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 290 अंकों की गिरावट के साथ 57,925 अंक तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 75 अंकों की गिरावट के साथ 17,077 अंकों पर बंद हुआ है। आज के कारोबार में फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में तेजी रही। जबकि बैंकिंग, आईटी, एनर्जी सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। मिडकैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स भी लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स के 30 स्टॉक्स में 13 तेजी के साथ तो 17 गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 20 तेजी के साथ तो 30 गिरकर बंद हुए। आज के कारोबार में हिंडाल्को का स्टॉक 1.54 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.22 फीसदी, नेस्ले 1.19 फीसदी, भारती एयरटेल 0.91 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.84 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है तो एसबीआई 1.69 फीसदी, बजाज ऑटो 1.55 फीसदी, कोटक महिंद्रा 1.49 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.48 फीसदी, विप्रो 1.34 फीसदी, रिलायंस 1.27 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। शेयर बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों को नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 2571.0 लाख करोड़ रुपये पर आ गिरा है तो बुधवार को 257.99 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेडिंग सत्र में निवेशकों को 89,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

मूडीज ने कहा-एशिया में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा की कमजोरी चिंताजनक, भारत पर ज्यादा खतरा

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। मूडीज एनालिटिक्स ने एशिया में उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को लेकर बड़ा दावा किया है। मूडीज का कहना है कि एशिया में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्राओं में कमजोरी का जोखिम चिंताजनक है। सबसे ज्यादा खतरा भारत पर है। अगर रुपया और अन्य मुद्राएं ऐसे ही कमजोर होती रहीं तो इसका खासा असर तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। मूडीज के अनुसार, रुपये की कमजोरी के चलते एशिया की सबसे अच्छी प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकती है। भारतीय रुपया लगभग एक साल से अस्थिर था और प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से कई नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। अक्टूबर 2022 में, रुपये ने अपने इतिहास में पहली बार 83 अंक को पार किया। अभी एक डॉलर की कीमत 82 रुपया है।

मूडीज ने ये भी कहा कि अगर रुपये की स्थिति मजबूत नहीं होती है तो आरबीआई को मजबूरन बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। कमजोर रुपये को और अधिक टूटने से बचाने के लिए दरों में इजाफा करना पड़ सकता है। मूडीज का कहना है कि आयातित वस्तुओं की उच्च लागत का सामना करने वाले विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा जारी मौद्रिक नीति को मजबूत करने से मुद्रा का मूल्यह्रास शुरू हो गया। किसी भी सख्त मौद्रिक नीति के बीच बेहतर और स्थिर रिटर्न के लिए निवेशक अमेरिका जैसे स्थिर बाजारों की ओर रुख कर सकते हैं। आमतौर पर भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर बाजार में तरलता प्रबंधन के माध्यम से हस्तक्षेप करता है, जिसमें रुपये में भारी मूल्यह्रास को रोकने की दृष्टि से डॉलर की बिक्री भी शामिल है। रिपोर्ट में भारत की मुद्रास्फीति का भी जिक्र किया गया है। कहा गया है कि यह अब नहीं बढ़ रही है, लेकिन उच्च खाद्य कीमतें एक प्रमुख चिंता का विषय हैं। बता दें कि फरवरी में ही भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले 10 महीनों में लगातार छठी बार रेपो रेट बढ़ाने का एलान किया था। इसके चलते लोन की ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी हुई। आरबीआई ने आठ फरवरी 2023 को मौद्रिक नीति की बैठक में रेपो दर को फिर से 0.25 फीसदी बढ़ा दिया था। यह छठी बार था जब केंद्रीय बैंक ने पिछले साल मई से लगातार रेपो दर में वृद्धि की। इसके पहले आरबीआई ने दिसंबर 2022 में रेपो रेट में 35 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोत्तरी की थी। अब ताजा बढ़ोत्तरी के बाद रेपो रेट बढ़कर 6.5 फीसदी हो गई है। मूडीज का दावा है कि अगर मुद्रा में कमजोरी जारी रही तो अगले महीने यानी अप्रैल में भी आरबीआई रेपो रेट में बढ़ोतरी कर सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन में	मीन...	05-52 बजे
चंद्र-	मेष में	मेष--	07-28 बजे
मंगल	मिथुन में	वृष--	09-13 बजे
बुध-	मीन में	मिथुन..	11-15 बजे
गुरु-	मीन में	कर्क...	13-25 बजे
शुक्र-	मेष में	सिंह...	15-38 बजे
शनि-	कुंभ में	कन्या..	17-45 बजे
राहु-	मेष में	तुला	19-50 बजे
केतु-	तुला में	वृश्चिक	21-59 बजे
		धनु.....	00-13 बजे
		मकर..	02-20 बजे
		कुंभ...	04-10 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल **-** पश्चिम - दही खाकर घर से निकल
तिथि- तृतीया **- 16 -59** उपरान्त चतुर्थी
मास **-** चैत्र शुक्ल पक्ष **,** शुक्रवार **Mar 24**
नक्षत्र **-** अश्विनी **-13 -21** तक उपरान्त भरणी
योग **-** वैधृति **- 01 - 42 -** तक उप **-** विष्कुंभ
करण- गर **- 16 - 59 -** तक उप- वणिज
विशेष:- गणगौरी पूजा
व्रत -त्योहार **-** श्री मत्स्य जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:52 से 12:23 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:21 - 07:50 शुभ	रोग.	18:24 - 19:55 अशुभ
लाभ	07:50 - 09:21 शुभ	काल.	19:55 - 21:24 अशुभ
अमृत	09:21 - 10:52 शुभ	लाभ	21:24 - 22:53 शुभ
काल.	10:52 - 12:23 अशुभ	उत्पात	22:53 - 00:22 अशुभ
शुभ.	12:23 - 13:54 शुभ	शुभ	00:22 - 01:51 शुभ
रोग	13:54 - 15:25 अशुभ	अमृत.	01:51 - 03:20 शुभ
उत्पात	15:25 - 16:56 अशुभ	चंचल.	03:20 - 04:49 शुभ
चंचल	16:56 - 18:24 शुभ	रोग.	04:49 - 06:21 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं । एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योंकि आपको धोखा मिल सकता है । बड़ी राशि उधार देने से बचे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहे हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है ।अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोड़ा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खींचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा ।आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे । आपको ये अवसर कार्यालय के भीतर उपलब्ध हो सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

चाय के शौकीनों जरा संभलकर लें चुस्की

आंतें हो सकती हैं खराब, ठंडी चाय को फिर से गर्म कर पीना हानिकारक

हैदराबाद, 23 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। गरम चाय। हां वही चाय जो कुछ लोगों के लिए एनर्जी ड्रिंक से कम नहीं होती। बिस्तर पर पड़े-पड़े ही चाय मिल जाए, तो दिन की शुरुआत अच्छी मानी जाती है। घर पर मेहमान के आते ही किचन में चाय का पतीला चढ़ जाता है। सफर पर निकलते ही एक अच्छी चाय की तलाश शुरू हो जाती है। ऑफिस में काम से ब्रेक लेने का यही तो एक बहाना है। कुछ लोग उपवास में भूख मिटाने और एनर्जी के लिए भी चाय पर ही डिपेंड रहते हैं।

जिस चाय की चुस्की को आप अलग-अलग बहाने के साथ लेते हैं। जिसे आप ऊर्जा का स्रोत मान रहे हैं, क्या वो वाकई में एनर्जी देती है? तो जवाब है नहीं जनाब! आप बिल्कुल गलत हैं। अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने इस पर स्टडी की। जिसमें बताया गया कि दूध वाली चाय के हर कप में 40 मिलीग्राम कैफीन होता है। बहुत ज्यादा चाय पीने से आप कैफीन के आदी हो सकते हैं। इसकी वजह से किसी काम में फोकस कर पाना मुश्किल हो जाता है।

अमेरिका में यह कोई अनोखी रिसर्च नहीं हुई है। हमारे पूर्वज और आपके-हमारे डॉक्टर्स हमेशा से यह बात बताते रहे हैं। इसे एक तरह का नशा ही मानते हैं। इसके बावजूद लोग पी रहे हैं और धीरे-धीरे अपनी सेहत का नुकसान कर रहे हैं। आज यह जानेंगे जो लोग उपवास में चाय पीते हैं उनके लिए किस तरह यह जहर का काम करता है।

सुबह बासी मुंह या उपवास में खाली पेट दूध वाली चाय पीने से मेटाबॉलिक सिस्टम बिगड़ जाता है। इसी सिस्टम की वजह से हमलोग जो खाते-पीते हैं, उसको पचाकर ऊर्जा में बदलने का प्रोसेस होता है, जिसे मेटाबॉलिज्म कहते है। और भी सरल भाषा में समझे तो यह वह प्रोसेस है, जो कैलोरी को ऊर्जा में बदल देती है। शरीर में मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया 24 घंटे चलती रहती है। चाय पीने की वजह से नॉर्मल मेटाबॉलिक एक्टिविटी में रुकावट आती है। जिससे कब्ज, पेट में ऐंठन की परेशानी हो सकती है। ऐसे में अगर आपको सुबह चाय पीने की आदत है तो इसके साथ कुछ हल्का-फुल्का जरूर खाएं। हेल्थलाइन की रिपोर्ट के हिसाब से एक स्वस्थ व्यक्ति को 1 दिन में 1 से 2 कप चाय पीनी चाहिए। अगर गले में खराश, सर्दी-जुकाम जैसी दिक्कत है तो 2 से 3 कप हर्बल टी पी सकते हैं। अगर दिन में 4 कप से ज्यादा चाय पीते हैं तो कई तरह की फिजिकल हेल्थ प्रॉब्लम होगी। मेंटल हेल्थ भी गड़बड़ होगा, स्ट्रेस और एंजाइटी बढ़ने लगेगी।

ब्लड प्रेशरः खूब दूध वाली चाय ज्यादा पीने से कोलेस्ट्रॉल और सैचुरेटेड फैट बढ़ता है, जिससे आर्टरी सिकुड़ जाती है और ब्लड प्रेशर का लेवल बढ़ सकता है।

एसिडिटीः चाय में कैफीन होता है, जिसकी वजह से पेट में गैस बनती है। पेट फूलने की प्रॉब्लम होती है। इससे आंतें भी खराब हो सकती हैं। कुछ भी पचाना मुश्किल हो जाता है।

मुंहासेः चाय की आदत हार्मोन का बैलेंस गड़बड़ कर देती है। इससे एक्ने यानी मुंहासे और पिंपल जैसी समस्या होने लगती हैं।

नींद कम आनाः कैफीन की वजह से नींद पूरी नहीं होती। इससे स्ट्रेस, बेचैनी और चिड़चिड़ापन जैसी कई दिक्कतें हो सकती हैं।

अल्सरः अल्सर होने का रिस्क रहता है। पेट की अंदरुनी सतह में जख्म होने की पॉसिबिलिटी बढ़ जाती है।

हड्डियों को नुकसानः चाय में कैफीन और निकोटीन दोनों होते हैं, यह हमारे शरीर से कैल्शियम को बाहर निकाल देते हैं। इससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द हो सकता है।

डिहाइड्रेशनः दूध वाली चाय में मौजूद कैफीन शरीर के पानी को सोख लेती है। इस वजह से पानी की कमी शरीर में होने लगती है।

घबराहटः चाय में टैनिन पाया जाता है, इसकी वजह से कई बार बहुत चाय घबराहट की वजह भी बन जाती है। चाय में निकोटिन होता है लेकिन बहुत ही कम मात्रा में। चूंकि चायपत्ती को उबालकर छानकर हम पीते हैं इसलिए इसका असर ज्यादा नहीं होता है। लोग कई बार ठंडी चाय या बहुत देर तक रखी चाय को दोबारा-तिबारा गर्म करके पी लेते हैं। कई बार उबालने से चाय में कैंसर्स बैक्टीरिया बनने लगते हैं। ऐसे में इस तरह की चाय पीने से कैंसर होने का रिस्क बढ़ जाता है। साथ ही दोबारा गर्म करके पीने से चाय से टैनिन बाहर निकल जाता है जिससे इसका स्वाद भी कड़वा हो जाता है। इसलिए ध्यान रखें कि चाय बनाने के सिर्फ 15 मिनट के अंदर ही गर्म करके पी लें। लेकिन ये भी तभी करें, जब आपके पास ताजा चाय बनाने का कोई ऑप्शन न हो। गर्म चाय के साथ पानी पीने या किसी भी तरह के ठंडे लिक्विड को पीने से कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। जैसे- इनडाइजेशन.लूज मोशन, सर्दी-जुकाम

गले में खराश,नाक से ब्लीडिंग, दांतों में सड़न, पीलापन, सेंसिटिविटी आदि होने का खतरा बढ़ जाता है।

एक ही पत्ती को बार-बार उबालकर पीना और भी नुकसान पहुंचा सकता है। एक ही चायपत्ती को बार-बार पकाकर बनी चाय पीने से शरीर पर धीमे जहर जैसा असर होता है। इसका मतलब आपको अलग-अलग तरह के हेल्थ इश्यूज होंगे। दूध और चीनी मिलाने से चाय के गुण कम हो जाते हैं। **दूध मिलाने सेः** एंटी-ऑक्सिडेंट तत्वों की एक्टिविटी कम हो जाती है।

चीनी मिलाने सेः कैल्शियम कम हो जाता है और वजन बढ़ता है। पाउडर वाले दूध में कोलेस्ट्रॉल और चीनी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।

चाय को कप में डालने के 2-3 मिनट बाद ही पीना चाहिए। वैसे तो जीभ खुद एक सेंस ऑर्गन है। ज्यादा गर्म होने पर जलन होने लगती है और पता चल जाता है कि ज्यादा गर्म है या ठंडी। खाना खाने के बाद चाय जो लोग पीते है उनकी डाइजेस्टिव सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे खाना अच्छे से पच नहीं पाता है। शरीर के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट्स भी नहीं मिल पाते हैं।

सोने से पहले चाय नहीं पीनी चाहिए, इससे स्लीप डिस्टर्बेंस, एंजाइटी और एसिड रेफलेक्स बढ़ जाता है। चाय पीने का सबसे अच्छा समय सुबह-शाम के नाश्ते के साथ। ड्राई फ्रूट्स जैसे काजू, बादाम, मूंगफली और किशमिश जैसी चीजें चाय के साथ नहीं खानी चाहिए। इसके अलावा हल्दी और चाय की पत्ती बिल्कुल अपोजिट होते हैं। हल्दी की चीजों के साथ चाय पीने से एसिडिटी समेत पेट की कई प्रॉब्लम हो सकती हैं। नींबू का रस चाय की पत्ती में मिलाने से बॉडी में सूजन आ सकती है। अगर सुबह खाली पेट नींबू की चाय पी जाए तो इससे रिफ्लक्स और हार्टबर्न की प्रॉब्लम हो सकती है। आयरन से भरपूर सब्जियों के साथ चाय न पिएं। चाय में टैनिन और ऑक्सालेट होते हैं जो आयरन को अब्जॉर्ब होने से रोकते हैं। चाय को लकड़ी और कांच के डिब्बे में स्टोर करना चाहिए। इससे उसकी महक बनी रहती है। चीनी की जगह गुड़ की चाय पीने में टेस्टी तो लगती ही है साथ ही इसमें विटामिन-ए और बी, फास्फोरस, आयरन, कैल्शियम पाए जाते है। लेकिन ये सोचना की गुड़ वाली चाय डायबिटीज पेशेंट के लिए सेफ है, तो ये गलत है।

हेल्दी पर्सन के लिए इसके कई फायदे हैं-

थकावट दूर होगी, इम्यूनिटी बूस्ट होती है, मोटापा कम करने में मददगार, माइग्रेन की परेशानी दूर होगी, आयरन की कमी नहीं होगी, डाइजेस्टिव सिस्टम दुरुस्त रहेगा और मौसमी बीमारियां होने का खतरा कम होगा।

अमृतपाल के समर्थन में निकली रैली पर सीएम भूपेश बोले

बिना सूचना दिए की गई नारेबाजी, वीडियो खंगाले जा रहे, इन्हें बर्दाश्त नहीं करेंगे

रायपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमृतपाल के समर्थन में रायपुर में निकली रैली के मसले पर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि 30-35 लोग बिना सूचना दिए नारा लगाते हुए निकले थे। जहां तक सिख समाज की बात है तो उनके बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन जिस तरह से नारा लगाते हुए निकले उन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वीडियो खंगाले जाने के लिए कहा गया है। देश-विरोधी गतिविधियों में जो भी शामिल होंगे उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

भूपेश बघेल ने राहुल गांधी पर सूरत कोर्ट के फैसले पर कहा कि उन्हें जमानत भी मिल गई है। इस पर आगे की लड़ाई लड़ी जाएगी। सीएम ने कहा कि आज की जो राजनीति है, उसमें राजनीतिक शुचिता खत्म हो गई है। बीजेपी के लोगों ने राहुल गांधी को मीरज़ाफर तक कहा है। राजनीतिक विचारधारा अलग-अलग हो सकती है। राजनीतिक लड़ाइयां भी हो सकती है लेकिन एक-दूसरे के प्रति जो सम्मान का भाव था वो अब खत्म हो चुका है और इसका कारण बीजेपी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी बीजेपी के दो टारगेट हैं और इन्ही दोनों से वो डरी हुई है। राहुल पदयात्रा कर रहे हैं, बीजेपी के करप्शन को सामने लाए हैं। इसलिए ये विचलित हैं और किसी भी स्तर तक जा सकते हैं।

खालिस्तानी समर्थकों की रैली पर नेताओं ने दी प्रतिक्रिया

बृजमोहन अग्रवाल बोले- एक जुलूस पंजाब में निकाला गया और दूसरा छत्तीसगढ़ में इससे पूरे देश में राज्य की बदनामी हुई है। इसलिए मुख्यमंत्री के इस वक्तव्य को प्रस्ताव माना जाए।

स्पीकर बोले -मुख्यमंत्री के वक्तव्य को प्रस्ताव माने जाने की मांग विपक्ष ने की है और सीएम के वक्तव्य को प्रस्ताव के रूप में सम्मिलित करने का निर्णय आसंदी ने लिया । धर्मजीत सिंह ने कहा- रायपुर शहर में खालिस्तानी समर्थक खुलेआम नारा लगाते हुए देश विरोधी नारे लगाए, पुलिस के पास कोई इंटेलिजेंस नहीं रही, इनकी इंटेलिजेंस अक्षम साबित हुई है। क़ानून से बड़ा कोई नहीं। कोई अपने आप को क़ानून से बड़ा समझता है इसका मतलब है कि वह संविधान को नहीं मानता। प्रधानमंत्री का पद देश की गरिमा बढ़ाने वाला पद है और इस पद पर कोई टिप्पणी करेगा तो मानहानि का केस चलेगा ही। मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर सूरत कोर्ट का फ़ैसला सबक सिखाने वाला है। ये फ़ैसला नज़ीर बनेगा कि राजनीतिक शुचिता कैसे होनी चाहिए।

अवैध खनन से गयी मजदूरों की जान

विधायक ढुल्लु महतो ने सदन में पूछा और कितनों की जान लेगी सरकार, 10 मजदूरों की हुई मौत

धनबाद, 23 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद में अवैध खनन ने एक बार फिर चार मजदूरों की जान ले ली है। बीसीसीएल कतरास क्षेत्र में संचालित भूमि आउटसोर्सिंग के पैच में अवैध खनन के दौरान यह हादसा हुआ। हादसा सुबह हुआ इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई. जबकि करीब आधा दर्जन लोग घायल हैं।

हादसे में चार की मौत, छह घायल

हादसे के बाद अवैध खन के मामले में फंस जाने के डर से परिजनों, मित्रों ने अनन-फानन में शव को निकालने की कोशिश की। कई बार इस तरह के मामले मे हुई मौत के बाद परिजन शिकायत नहीं करते, कई घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस घटना की जानकारी मिलती ही पुलिस टीम वहां पहुंची और मामले की जांच की। प्रबंधन के पहल पर घटनास्थल पर भराई करा दिया गया है . सीआईएसएफ के जवानों ने घटनास्थल पर कैंप किये हुये है। इस घटना में मारे गये लोगों की अब तक पुष्टि नहीं हुई है।

कौन करा रहा है अवैध खनन

धनबाद जिले के बाघमारा विधायक ढुल्लु महतो ने इस मामले को विधानसभा में उठाया है। उन्होंने कहा इस हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है। मामला धनबाद जिले में तेतुलमारी थाना क्षेत्र के वेस्ट मोदीडीह स्थित बीएस माइनिंग आउट सोर्सिंग की उत्खनन परियोजना का है। बाघमारा विधायक ढुल्लु महतो ने कहा, धनबाद में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। अगर सदन चाहे तो इस संबंध में वह सबूत भी पेश कर सकते हैं वह तस्वीरें और वीडियो भी दिखा सकते हैं।

उन्होंने कहा, आखिर कब प्रशासन अवैध खनन रोकेगा। बीसीसीएल के अधिकारियों पर भी केस होना चाहिए। विधायक ढुल्लु महतो ने कहा, चार नहीं दस की संख्या में लोग मरे हैं। सरकार कितने लोगों की जान लेगी, कोयला चोरी कौन करा रहा है। मैं इस मामले में सरकार से जवाब चाहता हूं।

नियोजन नीति के विरोध में विधानसभा का घेराव

छात्रों ने किया उग्र प्रदर्शन, जयराम महतो हिरासत में, सुरक्षा बलों ने किया लाठी चार्ज, छोड़े आंसू गैस के गोले

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। नियोजन नीति के विरोध में छात्रों ने आज उग्र प्रदर्शन किया। पुलिस ने छात्रों को जगन्नाथ मंदिर के पास रोकने की कोशिश की लेकिन जगन्नाथपुर मंदिर के पास बैरिकेडिंग के बगल से निकलते हुए खेत वाले रास्ते से विधानसभा तक पहुंच गये। इस दौरान छात्र नेता जयराम महतो को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

झारखंड यूथ एशोसिएशन, झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के बैनर तले आज राज्य भर के युवा विधानसभा का घेराव करने पहुंचे थे।

छात्रों पर पुलिस ने किया बल प्रयोग, छोड़े गये आंसू गैस के गोले

नियोजन नीति में कमियां आरक्षण रोस्टर में गड़बड़ियां सहित 60 40 नाय चल तो किनारे के बीच राज्य के विभिन्न जिले से युवा विधानसभा का घेराव करने पहुंचे। पुलिस प्रशासन की ओर से उन्हें जगन्नाथपुर मंदिर के पास बैरिकेडिंग का रोका गया लेकिन छात्र खेत से होकर विधानसभा की तरफ बढ़ रहे हैं, छात्रों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गये हैं, पुलिस ने बल का भी प्रयोग किया है। छात्र उग्र आंदोलन के मूड में है वह विधानसभा तक पहुंचने की हर कोशिश कर रहे हैं, छात्र नेता का प्रतिनिधित्व कर रहे देवेंद्र नाथ महतो बैरिकेडिंग पर चढ़कर उसे पार करने की कोशिश कर रहे हैं वहीं से युवाओं को संबोधित करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

लगभग 500 की संख्या में युवा हैं जो विधानसभा घेरने पहुंचे हैं पुलिस प्रशासन की ओर से वाटर कैनन आदि की व्यवस्था की गई है हालांकि युवा जगन्नाथ मंदिर के पास ही रुके हुए हैं और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं

क्यों कर रहे हैं आंदोलन

राज्य सरकार की ओर से नौकरी देने की बात कह, अब तक मुकम्मल निर्णय नहीं लिए जाने से राज्य के युवा नाराज हैं। उनका कहना है कि जिस सरकार ने पांच लाख नियुक्तियां करने की बात कही थी, वह नियोजन नीति तक स्पष्ट नहीं कर सकी है। सरकार ने जो नियोजन नीति बनायी, उसे कोर्ट ने रद्द कर दिया। फिर जो नियोजन नीति सामने है, उसमें विसंगतियां हैं। वर्तमान की नियोजन नीति में राज्य के युवाओं के भविष्य की सुनिश्चितता नहीं है। वहीं बीते दो दिनों में जो वेकेंसी निकाली है, उसमें भी कई तरह की गड़बड़ियां हैं। राज्य सरकार ने जिलावार आरक्षण रोस्टर जारी किया है। उसमें भी विसंगतियां हैं। ऐसे में युवा आंदोलन का रास्त अपना कर सरकार तक अपनी बात पहुंचाना चाह रहे हैं।

सीएम हाउस घेराव का लिया था निर्णय

आज के विधानसभा घेराव से पहले 20 मार्च को सीएम हाउस घेराव की रणनीति थी। लेकिन सरकार व प्रशासन के आग्रह पर एक दिन पूर्व ही मंत्री आलमगीर आलम व छात्र नेताओं की सकारात्मक वार्ता से आंदोलन को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया था। पर 20 मार्च को ही जिलावार आरक्षण रोस्टर व 21 मार्च को सहायक प्रयोगशाला परीक्षा की वैकेंसी निकाल दी गयी। जिसमें कई गड़गड़ी व अनियमिता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इसमें दिख रही गड़बड़ियों की वजह से राज्य के छात्र आक्रोशित हो गए। राज्य के विभिन्न जिलों में युवाओं ने 22 मार्च को जिलावार सरकार का पुतला दहन किया। आज उन्होंने विधानसभा घेराव की घोषणा की है। झारखण्ड यूथ एशोसिएशन के इमाम सफी व राजेश ओझा ने आंदोलन से संबंधित तमाम जानकारियां दीं।

हेमंत सोरेन की सरकार में बनी झारखंड कर्मचारी चयन आयोग स्नातक स्तरीय परीक्षा संचालन संशोधन नियमावली-2021' को 16 दिसंबर 2022 को झारखंड हाईकोर्ट ने असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया। कहा कि यह नियमावली भारतीय संविधान के अनुच्छेद-14 व 16 के प्रावधानों का उल्लंघन है। सरकार की यह नियमावली संवैधानिक प्रावधानों पर खरी नहीं उतरती है, इसलिए इसे निरस्त किया जाता है। राज्य सरकार ने गजट नोटिफिकेशन सं ख्या - 3 8 4 9 / दि नां क 10.8.2021 के माध्यम से झारखंड कर्मचारी चयन आयोग स्नातक स्तरीय परीक्षा संचालन संशोधन नियमावली-2021 लागू की थी। इस संशोधित नियमावली में कहा गया था कि सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को झारखंड के मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान से मैट्रिक व इंटर उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा तथा अभ्यर्थी को स्थानीय रीति-रिवाज, भाषा व परिवेश की जानकारी रखना अनिवार्य होगा, लेकिन झारखंड राज्य के आरक्षण नीति से अच्छादित अभ्यर्थियों के मामले में इस प्रावधान को शिथिल कर दिया गया था। नियमावली में हिंदी व अंग्रेजी को भाषा की सूची से बाहर कर दिया गया था तथा उर्दू को क्षेत्रीय व जनजातीय भाषा की सूची में शामिल किया गया था।

शादी का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म

पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट, आरोपी हुआ फरार

मरवाही, 23 मार्च (एजेंसियां)। गौरेला थाना क्षेत्र के गांव में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता को जब खुद के ठगे जाने का अहसास हुआ तो वह परिजनों के साथ थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ़ अपराध दर्ज कराया है। वहीं, थाने में एफआईआर दर्ज होने की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया। पुलिस मामले में आरोपी को खोजने में जुट गई है।

पूरा मामला जिले के गोरेला थाना क्षेत्र का है। जहां पर एक युवती अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची और गांव में ही रहने वाले युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का अपराध दर्ज कराया। पीड़िता के अनुसार आरोपी उसके

गांव का ही रहने वाला है उसने पहले युवती को अपने बातों में फसाया और उसके बाद धीरे-धीरे दोनों में काफी बातचीत और मेल मिलाप बढ़ने के बाद आरोपी ने उसे शादी का प्रलोभन देकर लगातार उसके साथ संबंध बनाये। कई बार युवती ने आरोपी युवक को शादी करने के लिए कहा तो आरोपी युवक उसे कुछ ना कुछ बहाना कर टाल देता। काफी समय बीतने के बाद जब युवती को एहसास हो गया कि आरोपी युवक उसके साथ शादी नहीं करेगा तो युवती ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। उसके बाद एक राय होकर युवती और परिजन सीधे गौरेला थाने पहुंचे। जिसके बाद पीड़िता की शिकायत पर गौरेला पुलिस ने गांव के ही रहने वाले आरोपी युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किए जाने का अपराध पंजीबद्ध कराया। वहीं, घटना की जानकारी कहीं से आरोपी युवक को लग गई और वह फरार हो गया। फिलहाल पुलिस आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है। जीपीएम पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के बूट से कुचलकर नवजात की मौत

गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज, 5 सस्पेंड, अपराधी को पकड़ने गई थी पुलिस

गिरिडीह, 23 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह में एक पुलिस वाले ने अपने बूट से नवजात को कुचल दिया। इससे मौके पर ही नवजात की मौत हो गई। बच्चे का जन्म 4 दिन पहले ही हुआ था। मामला गिरिडीह के देवरी के कोशोगोंदोदिघी गांव का है, जहां पुलिस 2 अपराधियों की तलाश में गई थी। छापेमारी के दौरान घर में बिस्तर पर सो रहे 4 दिन के नवजात को पुलिसवाले ने अपने बूट से कुचल दिया। इस मामले में कार्रवाई करते हुए एक अधिकारी समेत पांच पुलिस वालों को निलंबित कर दिया गया है। गैर इरादतन हत्या के मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है।

सदर डीएसपी संजय राणा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि थानेदार को लाइन हाजिर किया गया है। पीड़ित परिवार ने मामले को लेकर देवरी थाने में आवेदन दिया है। आवेदन में परिवार ने ये भी लिखा है कि पुलिस ने इस मामले की शिकायत नहीं करने की धमकी भी दी।

इधर इस मामले को लेकर राजनीति तेज है। मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। दूसरी तरफ एक के बाद एक ट्वीट कर बीजेपी नेता और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी निशाना साध रहे हैं। जिला मुख्यालय से 33 किमी दूर कोशोगोंदोदिघी गांव में पुलिस ने बुधवार की देर रात 3 बजे के करीब छापेमारी की। मारपीट के मामले में पुलिस दो अपराधियों को पकड़ने पहुंची थी। कोशोगोंदोदिघी के भूषण पांडेय और उनके पड़ोस में रहने वाले आकाश पांडेय के खिलाफ न्यायालय ने गैर जमानती वारंट जारी था। इसी घर में नवजात का जन्म चार दिन पहले ही हुआ था। छापेमारी के दौरान सो रहे नवजात को पुलिसकर्मी ने अपने बूट से कुचल दिया। उसी वक्त उसकी मौत हो गई। मामले में कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर सरोज कुमार मंडल, कॉन्स्टेबल दीपक कुमार, कॉन्स्टेबल शिवशंकर, कॉन्स्टेबल विनोद, कॉन्स्टेबल परमानंद कुमार पांडेय और ड्राइवर मनोज कुमार को सस्पेंड किया गया है।

दुनिया का पहला 3डी प्रिंटिड रॉकेट मिशन फेल

ऑर्बिट में जाने से पहले गड़बड़ी हुई 1200 किलो वजन ले जाने में सक्षम था

फ्लोरिडा, 23 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के पहले 3डी प्रिंटिड रॉकेट टेरेन-1 को बुधवार को फ्लोरिडा के केप कैनवरल से लॉन्च किया गया। हालांकि ये ऑर्बिट में पहुंचने से पहले ही फेल हो गया। कैलिफोर्निया की कंपनी रिलेटिविटी ने इस रॉकेट को बनाया है। इसमें 9 3डी प्रिंटिड इंजन मौजूद हैं। रॉकेट में बतौर फ्यूल लिक्विड मीथेन का इस्तेमाल हुआ था। इस टेस्ट फ्लाइट को 'गुड लक हैव फन' नाम दिया गया था।

लॉन्च होने के बाद ये पहले स्टेज में कामयाब रहा। रॉकेट ने मैक्स-क्यू स्टेज भी पार की, जिसमें इस पर सबसे ज्यादा लोड होता है। इसके बावजूद करीब 4 मिनट बाद स्टेज 2 में जाने से पहले डायरेक्टर क्ले वॉकर ने वेबकास्ट पर गड़बड़ी की सूचना दी। इसके बाद रॉकेट फेल हो गया। हालांकि, गड़बड़ी क्यों हुई इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

तीसरी कोशिश में हुआ लॉन्च

टेरेन-1 रॉकेट को तीसरे प्रयास पर लॉन्च किया गया। इससे पहले ये 8 मार्च को लॉन्च होने वाला था लेकिन टेम्परेचर में दिक्कत होने के चलते इसे 11 मार्च के लिए पोस्टपोन कर दिया गया था। फिर 11 मार्च को फ्यूल प्रेशर में दिक्कत के चलते इस दोबारा टाल दिया गया। फिलहाल लॉन्च के वक्त इसमें कोई क्रू मेंबर या सामान नहीं मौजूद था। लेकिन ये रॉकेट आगे चलकर पृथ्वी के लोअर ऑर्बिट में 1,250 किलो का भार ले जाने में सक्षम होगा।

रिलेटिविटी के स्पेस लॉन्च की कमेंटेटर अर्वा टिजानी केली ने कहा- दुनिया में इससे पहले किसी ने भी 3डी प्रिंटिड रॉकेट लॉन्च नहीं किया है। हम आज इसमें पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए लेकिन रॉकेट लॉन्चिंग इस बात का सबूत है कि भविष्य में 3डी प्रिंटिड रॉकेट उड़ाना मुमकिन है।

सबसे बड़े 3डी मेटल प्रिंटर्स से बनाया गया

ये रॉकेट 110 फीट (33.5 मीटर) लंबा और 7.5 फीट(2.2 मीटर) चौड़ा है। इसका 85% हिस्सा 3डी प्रिंटिड है। ये दुनिया का सबसे पड़ा 3डी प्रिंटिड ऑब्जेक्ट है और इसे सबसे बड़े 3डी मेटल प्रिंटर्स की मदद से बनाया गया है। रिलेटिविटी कंपनी का लक्ष्य एक ऐसे रॉकेट को बनाना है जो 95% 3डी प्रिंटिड हो। कंपनी के मुताबिक, इसे बनाने में सिर्फ 60 दिन का समय लगता है। इसके अलावा कंपनी एक टेरेन-आर रॉकेट भी बना रही है जो करीब 20 हजार किलो का भार ले जाने में सक्षम होगा। इसे अगले साल लॉन्च किया जाएगा।

जापान ने अपने एच3 मिडियम रॉकेट को मंगलवार को लिफ्ट-ऑफ के बाद तबाह कर दिया। जापान की एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) से लॉन्च होने के बाद रॉकेट का सेकेंड स्टेज इंजन फेल हो गया। इसके बाद जेएएक्सए ने रॉकेट को सेल्फ-डिस्ट्रक्ट सिग्नल भेज दिए।

साल 2023 को स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए स्वर्ण युग माना जा रहा है। वजह- 5 बड़े मिशन जो लोगों की अंतरिक्ष को लेकर समझ बढ़ाएंगे। ये हैं- यूरोपीय अंतरिक्ष एंजेसी के जुपिटर आइसी मून्स एक्सप्लोरर और सुपर हैवी स्पेसएक्स स्टारशिप की लॉन्चिंग। जापान के 8 सदस्यीय दल का मिशन डियरमून।

इंडियन हाईकमीशन स्टाफ ने लहराया और बड़ा तिरंगा

खालिस्तानी समर्थकों को दिया जवाब, लंदन पुलिस ने रोका तो प्रदर्शनकारियों ने स्याही-अंडे फेंके

लंदन, 23 मार्च (एजेंसियां)। लंदन में खालिस्तान समर्थकों के बढ़ते विरोध के बीच इंडियन हाई-कमीशन की इमारत पर बुधवार को पहले से बड़ा तिरंगा फहराया गया। जब 22 मार्च को 2 हजार से ज्यादा खालिस्तानी समर्थक दोबारा इमारत के सामने आए तो हाई-कमीशन की टीम ने बिल्डिंग की छत पर खड़े होकर छत के किनारों को राष्ट्रीय ध्वज से ढंक दिया।

बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने मेट्रो पुलिस पर स्याही, पानी की बोतलें और अंडे फेंके। हालांकि, पुलिस ने उन्हें बिल्डिंग से कुछ दूरी पर रोक दिया। पिछले हमले के बाद हाई-कमीशन के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों में से कई के हाथ में खालिस्तानी झंडे थे। इस घटना को लेकर ब्रिटिश विदेश मंत्री ने भरोसा जताया है कि वे उच्चायोग की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएंगे।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवर्ली ने कहा है कि लंदन में इंडियन हाई-कमीशन के स्टाफ पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। मैंने हाई-कमिश्नर विक्रम दोराईस्वामी के सामने अपनी बात रख दी है। पुलिस की इन्वेस्टिगेशन जारी है और हम लंदन में इंडियन हाई-कमीशन और नई दिल्ली में भारत सरकार के संपर्क में हैं। हम मेट्रोपॉलिटन पुलिस की मदद से इंडियन हाई-कमीशन में सुरक्षा की समीक्षा कर रहे हैं। यहां मौजूद स्टाफ की सुरक्षा के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे। रविवार को खालिस्तानियों ने यहां प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ की थी और तिरंगा उतार दिया था। रविवार की घटना पर भारत ने सख्त विरोध जताया था। इसके बाद बुधवार को लंदन की मेट्रो पुलिस ने यहां सिक्योरिटी के सख्त इंतजाम किए। घुड़सवार पुलिस भी यहां नजर आई। हर जगह बैरिकेडिंग की गई। रविवार को लंदन में इंडियन हाई कमीशन के बाहर खालिस्तानियों के प्रदर्शन के दौरान सिक्योरिटी मौजूद नहीं थी। इससे अलगाववादियों के हौसले बुलंद हो गए थे।

प्रदर्शनकारी बोले- हमें पंजाब में अपने परिवार की चिंता है

इनमें से कई लोगों ने कहा कि उन्हें पंजाब में अपने परिवार और दोस्तों की सुरक्षा की चिंता है। राज्य में इंटरनेट सेवा बंद कर ली गई है, ऐसे में हम अपने परिवार से बात नहीं कर पा रहे। वे पंजाब में इंटरनेट सुविधा बहाल करने की मांग कर रहे थे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, विरोध का आयोजन फेडरेशन ऑफ सिख ऑर्गेनाइजेशन और ब्रिटेन के अलग-अलग सिख युवा समूहों की ओर से किया गया था।

कानूनी फर्म जायवाला एंड कंपनी के को-पार्टनर सरोश जायवाला ने लंदन में इंडियन हाईकमीशन पर हमले को अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि हाईकमीशन की बिल्डिंग को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। ब्रिटिश सरकार स्थिति पर कंट्रोल करने में ढिलाई बरत रही है। जिसने भारतीय ध्वज को उतारा था, वह अभी तक फरार है। हालांकि, कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में बुधवार को भारतीय कॉन्स्यूलेट के बाहर खालिस्तानी समर्थकों ने प्रदर्शन किया। हालांकि, इस दौरान कॉन्स्यूलेट के आगे बड़ी संख्या में सिक्योरिटी तैनात रही। यूनिफॉर्म पहने पुलिस अफसर मौके पर मौजूद रहे और सड़कों को बैरिकैड लगाकर प्रदर्शनकारियों को कॉन्स्यूलेट में घुसने से रोका गया।

चीन-रूस की बढ़ती दोस्ती से भारत के हितों को नुकसान?

बीजिंग, 23 मार्च (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 20 मार्च से शुरू हुई रूस दौरा बुधवार 22 मार्च को खत्म हो गया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मिलकर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोनों देशों के संबंधों के नए युग के शुरुआत की बात कही थी।

इसके अलावा दोनों देशों ने नाटो के एशिया में किए जा रहे विस्तार पर भी चर्चा करते हुए बताया कि इससे अमेरिका अपने प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। दोनों देशों ने नाटो के एशिया में विस्तार के खिलाफ एकसाथ आने पर सहमति भी बनाई। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के रूस की इस यात्रा पर रूसी राजदूत डेनिस एल्पोव ने भारत के लिए हानिकारक बताया है। इस यात्रा के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा हुई है जिसपर चीन ने रूस का साथ देने की बात कही थी। हालांकि भारत ने अभी तक इस युद्ध पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, कई विशेषज्ञ चीन-रूस के संबंधों का सपना देख रहे हैं जो भारत के लिए खतरा साबित हो सकता है। इससे भारत और रूस के संबंधों के बीच खटाश पैदा हो सकती है। डेनिस एल्पोव ने अपने आधिकारिक ट्वीट के जरिए ये बात कही है।

यूएस में कैलिफोर्निया पुलिस नहीं ले सकेगी कुत्तों की मदद

अश्वेतों की गिरफ्तारी में भेदभाव का आरोप सर्च ऑपरेशन में इस्तेमाल पर रोक नहीं

वॉशिंगटन, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य की पुलिस अब अरेस्ट या क्राउड कंट्रोल में अपने डॉग स्क्वॉड की मदद नहीं ले सकेगी। यहां की असैंबली ने एक बिल पास किया है। इसमें कहा गया है कि पुलिस अश्वेतों या दूसरे देशों के नागरिकों की गिरफ्तारी के दौरान डॉग स्क्वॉड का गलत इस्तेमाल करती है।

बिल के मुताबिक- क्राउड कंट्रोल के दौरान भी इस डॉग यूनिट का गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, बिल में कुछ मामलों में पुलिस को इस यूनिट के उपयोग का अधिकार जरूर दिया गया है।

बाइडेन की पार्टी ही लाई थी बिल

असैंबली में यह बिल जो बाइडेन की डेमोक्रेट पार्टी के मेंबर कोरी जैक्सन और ऐश कालरा ने पेश किया।

इन मेंबर्स ने कहा- अगर पुलिस चाहे तो पहले की तरह एक्सप्लोसिव्स का पता लगाने और ड्रग्स की सर्च में डॉग यूनिट का इस्तेमाल कर सकती है। लेकिन, कई मौकों पर हमने यह महसूस किया है कि पुलिस अश्वेतों के खिलाफ रंगभेद के कदम के तौर पर इनका इस्तेमाल करती है।

मेंबर्स ने कहा- पुलिस के यह तौर तरीके सीधे तौर पर जुल्म कहे जा सकते हैं, खास तौर पर अश्वेत अमेरिकियों के खिलाफ इस तरह के जुल्म किए जाते हैं। पहले लोगों को गुलाम बनाने के लिए भी यह होता था। इसे अमेरिका का काला इतिहास कहा जाता है। आज क्यों इस तरह की यूनिट का इस्तेमाल किया जाता है। इसे फौरन बंद किया जाना जरूरी है।

खास बात यह है कि कैलिफोर्निया श्वेत लोगों ने भी इस बिल का स्वागत किया है। जनरल सिटीजन नाम के एक संगठन ने कहा- इंसान तो इंसान है। रंग और नस्ल का भेद भी उसने ही पैदा किया है। हम जितनी जल्दी इस गलती को सुधार लें, उतना अच्छा होगा।

कई बार काट लेते थे कुत्ते

कैलिफोर्निया में इस तरह की कई शिकायतें मौजूद हैं, जब पुलिस ने अपराधियों और खास तौर पर अश्वेत आरोपियों के खिलाफ डॉग स्क्वॉड का इस्तेमाल किया और इससे लोगों में गुस्सा भड़का।

असैंबली की एक मेंबर कैथरीन ने कहा- कई मौकों पर हमने देखा कि पुलिस ने जिन आरोपियों के खिलाफ डॉग्स का इस्तेमाल किया, उन्हें इन डॉग्स ने गंभीर जख्म दिए। खास तौर पर अश्वेतों के खिलाफ तो यह कई साल से चल रहा है।

पुलिस रिकॉर्ड की ही बात करें तो पुलिस ने जिन केसेस में इस यूनिट का इस्तेमाल किया उनमें 67.5% आरोपियों को गंभीर जख्म आए और उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराना पड़ा। दूसरे मामलों में यह आंकड़ा महज 22% ही रहा।

ब्रेकअप से मायूस युवाओं की मदद करेगी न्यूजीलैंड सरकार

ऑकलैंड, 23 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड सरकार ने लव रिलेशनशिप में ब्रेकअप से मायूस युवाओं की मदद के लिए कैम्पेन लॉन्च किया है। इसके जरिए 16 से 24 साल के उन युवाओं को डिप्रेशन बचाने की मुहिम चलाई जा रही है। यह कैम्पेन भारतीय मूल की महिला मंत्री प्रियंका राधाकृष्णन ने शुरू किया। इसके लिए बजट सरकार ने ही जारी किया है।

दुनिया में पहली बार ऐसा गवर्नमेंट कैम्पेन

न्यूजीलैंड की वेबसाइट 'आरएनजड' के मुताबिक- इस कैम्पेन के कई मकसद हैं। सबसे पहला तो यही कि लव रिलेशनशिप अगर टूटती है तो हमारी यंग जेनरेशन इन हालात का बिना डिप्रेशन में आए सामना कर सके। इसके अलावा उन्हें यह ट्रेनिंग भी जा रही है कि वो जिम्मेदार फैमिली मेंबर बनें और किसी तरह के डोमेस्टिक वायलेंस में शामिल न हों। यह दुनिया में अपनी तरह की पहली सरकारी मुहिम है, जिसके लिए फंड भी सरकार ही दे रही है।

ब्रिटिश अखबार द गार्डियन के मुताबिक- इस कैम्पेन को लव बैटर नाम दिया गया है। वो युवा जो ब्रेकअप से परेशान हैं, वो टेक्स्ट, फोन या ईमेल के जरिए यूथलाइन सें कॉन्टैक्ट कर सकते हैं। इसके लिए 6.4 लाख डॉलर का शुरुआती बजट रखा गया है। पिछले साल यानी 2022 में कैंटर रिसर्च ग्रुप ने ब्रेकअप के शिकार होने वाले युवाओं पर एक रिसर्च किया था। इसमें पाया गया कि 16 से 24 साल के 80% युवा रिलेशनशिप में हैं। इनमें से 87% ऐसे होते हैं जो ब्रेकअप का शिकार बने। इनमें से ज्यादातर खुद को अलग-अलग तरह से नुकसान पहुंचाते हैं। रिचर्स ग्रुप की यह रिपोर्ट जब डेवलपमेंट मिनिस्टर प्रियंका राधाकृष्णन के पास पहुंची तो उन्होंने कहा- युवा ही तो देश का भविष्य हैं। अगर वो खुद को ही नुकसान पहुंचाएंगे तो इससे आखिरकार देश को ही घाटा होगा। प्रियंका ने इस रिपोर्ट पर फैमिली और सेक्शुअल वॉयलेंस प्रिवेंशन मिनिस्टर मरामा डेविडसन से बातचीत की। यूथलाइन ऑफिस की तरफ से ऑकलैंड में यह कैम्पेन लॉन्च किया गया।

चीन में गंभीर हो रही है शिशु जन्म दर गिरने की समस्या

आर्थिक अनिश्चितता है बड़ी वजह

बीजिंग, 23 मार्च (एजेंसियां)। चीन में आबादी घटने को लेकर चिंताएं गहराती जा रही हैं। चीन पिछले साल ही जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की श्रेणी में शामिल हो गया, जहां आबादी में बुजुर्गों का अनुपात तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा बच्चों और युवाओं का आबादी में अनुपात घटने के कारण हो रहा है। दक्षिण कोरिया में शिशु जन्म दर दुनिया के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुकी है। सिंगापुर, थाईलैंड और ताइवान भी आबादी घटने की समस्या का सामना कर रहे हैं। वियतनाम और फिलीपीन्स जैसे देशों में आबादी की वृद्धि दर गिर गई है। लेकिन चीन की समस्या अलग किस्म की है।

जनसंख्या विशेषज्ञों के मुताबिक अगर किसी देश में बुजुर्गों का अनुपात उसकी समृद्धि के दौर में बढ़े, तब इसे समस्या नहीं माना जाता। उस स्थिति में बुजुर्ग आरामदायक अवस्था में रियाटरमेंट के बाद की उम्र गुजारने की स्थिति में होते हैं। लेकिन जापान में ऐसा तब हुआ, जब वह अपनी समृद्धि के शिखर से उतरने लगा था। जापान 1980 के दशक में अपनी समृद्धि के चरम पर पहुंचा था। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी यूनिवर्सिटी स्थित चाइना स्टडीज सेंटर में एसोसिएट प्रोफेसर लॉरेन जॉनस्टन वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'जापान धनी होने के बाद के दौर में बुजुर्गों का देश बना। दूसरे विश्व युद्ध के बाद वहां जन्मी पीढ़ी ने सबसे समृद्ध जीवन गुजारा था।' जानकारों के मुताबिक अब चीन में आबादी में बुजुर्गों का अनुपात बढ़ने की समस्या खड़ी हो रही है, हालांकि वहां ऐसा एक अलग तरह की आर्थिक परिस्थितियों के बीच हो रहा है। जापान 1980 के दशक तक दुनिया के सबसे धनी देशों में शामिल हो चुका था। लेकिन चीन आज भी मध्यम आय वर्ग का देश है। इस बीच वहां आबादी में कामकाजी उम्र वाले लोगों की संख्या घटती जा रही है। इसका चीन की अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी असर हो सकता है।

चीन के विश्लेषक भी देश में लगातार गिर रही जन्म दर पर चिंता जता रहे हैं। 2022 में चीन में प्रति महिला जन्म सिर्फ 1.1 दर्ज हुई, जबकि 2.1 से इस दर के नीचे आने को चिंता की बात समझा जाता है। चाइना पॉपुलेशन एसोसिएशन के अध्यक्ष झाई झेनवू ने पिछले वर्ष एक चीनी अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा था- '1.3 या उससे नीचे की जन्म दर हमारे हित में नहीं है। हमारी राय है कि अगर जन्म दर 1.5 से 1.6 तक रखी जा सके, तो हमारी अर्थव्यवस्था और समाज के विकास के लिए वह अधिक अनुकूल होगी।' शंघाई एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज की भविष्यवाणी है कि साल 2100 में चीन की आबादी सिर्फ 58 करोड़ 70 लाख रह जाएगी। यानी आज की तुलना में वहां आधी से भी कम आबादी ही रहेगी। इसका यह अर्थ भी होगा कि कामकाजी उम्र के हर 100 व्यक्ति पर 120 बुजुर्ग लोग होंगे, जिनकी देखभाल की जरूरत पड़ेगी।

लाइट बल्ब का खर्च नहीं उठा पाने से अंधेरे में बैठी है महिला

इंटरव्यू में पूछा सवाल तो सुनक ने दिया जवाब

लंदन, 23 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमत्री ऋषि सुनक का इंटरव्यू के दौरान एक महिला की ऐसी स्टोरी से सामना हुआ, जो आर्थिक संकट के कारण अंधेरे में रहने को मजबूर है, क्योंकि वह लाइट बल्ब खरीदने में सक्षम नहीं है। बीबीसी ब्रेकफास्ट कार्यक्रम में कार्नवाल की निक्की नाम की महिला का उदाहरण देते हुए सुनक से लीविंग कॉस्ट के बारे में सवाल किया गया। बीबीसी के प्रेजेंटर जोन के ने कहा, निक्की नाम की महिला केयरटेकर के रूप में काम करती हैं, उसे 10.15 पाउंड प्रति घंटे मिलते हैं। उसकी रसोई इस हफ्ते अंधेरे में है। वह रसोई के लिए लाइट बल्ब का खर्च नहीं उठा सकती, जब तक उसकी बेटी को अगले सप्ताह भुगतान नहीं मिल जाता है। वह सोशल केयर में काम कर रही है। प्रेजेंटर ने कहा, यह भरोसा करना मुश्किल है कि आप ब्रिटेन में 2023 में हैं। आप चांसलर थे, आप ट्रेजरी के मुख्य सचिव रहे हैं। अब आप प्रधानमंत्री हैं। मेरा मतलब है कि इस अर्थव्यवस्था में आपके फिंगरप्रिंट्स हैं। है ना? इस पर सुनक ने जवाब दिया, मुझे वास्तव में गर्व है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद हमने जो चीजें कीं, उनमें से एक यह थी कि हमने कहीं और कुछ कठिन फैसले लिए। उदाहरण के लिए हम जिन परिस्थितियों में हैं, उन्हें देखते हुए हमने सबसे बड़ी कंपनियों के मुनाफे पर ज्यादा टैक्स लगाने का फैसला किया। सुनक ने कहा, हम उन परिस्थितियों में लोगों की मदद करने के लिए पैसे का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम वास्तव में सोशल केयर में ज्यादा पैसे लगा रहे हैं। सुनक ने कहा, हम निक्की की मदद कर रहे हैं। हम हर जगह सोशल केयर में अरबों पाउंड डाल रहे हैं। इससे हमें यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि निक्की को अच्छी तरह भुगतान किया जा सके।

ब्रिटेन के पूर्व पीएम ने फिर मांगी माफी

लंदन, 23 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन में पार्टीगेट मामले को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने एक बार फिर से माफी मांगी है। कोरोना लॉकडाउन के दौरान अपने सरकारी आवास यानी डाउनिंग स्ट्रीट में पार्टी को लेकर पूर्व में दिए गए बयान पर भी सफाई दी। कहा कि उन्होंने ब्रिटिश संसद को जानबूझकर गुमराह नहीं किया। जो कुछ हुआ वो अनजाने में हुआ। इसके पहले जॉनसन से हाउस ऑफ कॉमन्स प्रिविलेज कमेटी यानी विशेषाधिकारी समिति ने बुधवार को करीब चार घंटे तक तक पूछताछ भी की थी। ये कमेटी इस बात की जांच कर रही है कि बोरिस जॉनसन ने पार्टीगेट मामले में संसद में झूठ क्यों बोला था? विशेषाधिकार समिति द्वारा पूछताछ के दौरान भी बोरिस जॉनसन ने माफी मांगते हुए सफाई दी थी। उन्होंने कहा, 'मैं दिल पर हाथ रखकर कहता हूं, मैंने सदन से झूठ नहीं बोला है।' उन्होंने आगे कहा कि वे हर समय हाउस ऑफ कॉमन्स के साथ पूरी तरह से पारदर्शी थे। बोरिस जॉनसन ने कहा कि सरकारी विभागों के अधिकारियों को इस बात पर गर्व करना चाहिए कि उन्होंने देश को कोविड से बचाया। जॉनसन ने जोर देकर कहा कि अगर किसी को लगता है कि वे लॉकडाउन के दौरान पार्टी कर रहे थे तो वे पूरी तरह से गलत हैं। उन्होंने कहा कि ये कोई पार्टी या सामाजिक कार्यक्रम नहीं था। वह खुद अधिकतम 25 मिनट के लिए मौजूद थे।

बोरिस जॉनसन ने समिति से कहा, 'मैं अनजाने में इस सदन को गुमराह करने के लिए माफी मांगता हूं, लेकिन यह कहना कि मैंने इसे लापरवाही से या जानबूझकर किया, पूरी तरह से असत्य है। सबूत से भी यह साफ है।' उन्होंने कोरोना लॉकडाउन के दौरान अपने आवास पर पार्टी करने के मामले को लेकर भी सफाई दी। कहा, 'मैं स्वीकार करता हूं कि सही तरीके से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया गया था, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम जो कर रहे थे वह मार्गदर्शन के साथ असंगत है।

संसद सत्र में जब जॉनसन बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ ली। बोले, 'दिल पर हाथ रखकर मैं बोल रहा हूं कि मैं सदन से झूठ नहीं बोलता।' उन्होंने कहा, 'जब यह जांच स्थापित की गई थी तो मुझे पूरा विश्वास था कि आपको यह दिखाने के लिए कुछ भी नहीं मिलेगा कि मैं कुछ और जानता या विश्वास करता हूं, जैसा कि वास्तव में आपने नहीं किया है।

मंगलवार को ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने स्वीकार कर लिया था कि उन्होंने पार्टीगेट मामले में संसद को गुमराह किया था। हालांकि, जॉनसन ने ये भी कहा कि ये उनसे अनजाने में हुआ। उनकी नीयत गलत नहीं थी।

जॉनसन ने 52 पन्नों का लिखित डोजियर जांच कमेटी को दिया। इसमें उन्होंने बताया है कि उन्होंने दो साल के कोविड लॉकडाउन में नियमों को तोड़ने से इनकार क्यों किया? जब उनके कर्मचारी अक्सर 10 डाउनिंग स्ट्रीट में पार्टी कर रहे थे।

रूस ने चीनी मुद्रा युवान का रुतबा बढ़ाने के लिए अपनी मुद्रा रुबल की बलि चढ़ाई?

मास्को, 23 मार्च (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बातचीत के बाद साझा प्रेस कांफ्रेंस में रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन कारोबार में चीन की मुद्रा युवान के इस्तेमाल को लेकर एक बड़ी घोषणा की। जानकारों के मुताबिक इसका दूरगामी असर हो सकता है। पुतिन के इस एलान को विश्व कारोबार में अमेरिकी मुद्रा डॉलर का वर्चस्व तोड़ने की जारी कोशिश की दिशा में एक बड़ी पहल माना जा रहा है।

पुतिन ने कहा- 'हम इस पक्ष में हैं कि रूस एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका आदि देशों के साथ अपने भुगतान का सेटलमेंट चीनी मुद्रा युवान के जरिए करे। मुझे पूरा भरोसा है कि रूस और उसके व्यापार भागीदारों के बीच युवान में सेटलमेंट का तरीका विकसित हो जाएगा।' विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि यूक्रेन युद्ध के सिलसिले में पश्चिमी देशों का प्रतिबंध लगने के बाद से रूस आपसी कारोबार में सारा भुगतान रूसी मुद्रा रुबल में करने पर जोर डाल रहा था। लेकिन अब उसने इसके लिए चीनी मुद्रा को अपनाने का एलान किया है। इससे दुनिया में युवान का रुतबा बढ़ेगा।

राजस्थान बीजेपी के नए अध्यक्ष बने सीपी जोशी

विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा बदलाव, सतीश पूनिया को हटाया

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव से आठ महीने पहले राजस्थान संगठन में बड़ा बदलाव कर चौंकाया है। सतीश पूनिया की जगह चित्तौड़गढ़ से सांसद सीपी जोशी को बीजेपी का नया प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है। पूनिया अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं और उन्हें एक्सटेंशन भी दे दिया गया था। करीब-करीब तय था कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव तक पूनिया ही प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे।

एबीवीपी से राजनीतिक करियर की शुरुआत करने वाले सीपी जोशी संघ के नजदीक माने जाते हैं। सतीश पूनिया भी RSS बैकग्राउंड से ही आते हैं, अब उनकी जगह उन्हीं जैसे सियासी बैकग्राउंड के नेता को राजस्थान में संगठन की जिम्मेदारी दी गई है। 58 साल के पूनिया के मुकाबले जोशी(47) यंग भी हैं। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह की ओर से जोशी की नियुक्ति संबंधी पत्र जारी किया गया।

बताया जा रहा है कि पूनिया को अब राष्ट्रीय संगठन में जगह मिल सकती है। राजस्थान बीजेपी में सीएम फेस की लड़ाई के बीच संगठन में इस बड़े बदलाव की चर्चाएं शुरू होने लगी हैं। सियासी जानकार इसके मायने निकाल रहे हैं। अब नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति भी जल्द होने के आसार हैं। गुलाब चंद कटारिया के राज्यपाल बनाए जाने के बाद से यह पद खाली है। ऐसे में अब नेता प्रतिपक्ष गैर ब्राह्मण चेहरा होने के आसार हैं।

सीपी जोशी

चित्तौड़गढ़ से हैं सांसद

चंद्र प्रकाश जोशी चित्तौड़गढ़ से दो बार लोकसभा पहुंचे हैं। वह पहले 2014 में फिर 2019 में इस सीट से चुनाव जीते। 2014 के आम चुनाव में उन्होंने कांग्रेसी की सीनियर नेता गिरिजा व्यास को हराया था। जोशी भाजपा के यूथ विंग, भाजयुमो के प्रदेश प्रेसिडेंट रहे हैं। वह बीजेपी राजस्थान के 15वें अध्यक्ष और 7वें ब्राह्मण अध्यक्ष। इससे पहले हरिशंकर भाभड़ा, भंवरलाल शर्मा, ललित किशोर चतुर्वेदी, महेश चंद्र शर्मा, रघुवीर सिंह कौशल और अरुण चतुर्वेदी ब्राह्मण प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। अध्यक्ष बदलने के बाद भाजपा के सामने अब नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन एक चुनौती होगी।

साढ़े तीन साल प्रदेशाध्यक्ष रहे पूनिया

सतीश पूनिया ने 15 सितंबर 2019 को बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष का पद संभाला था। पूनिया साढ़े तीन साल तक इस पद पर रहे। बीजेपी ने कई बार नए चेहरों को प्रदेशाध्यक्ष के तौर पर मौका देकर चौंकाया है। बीजेपी राज में अशोक परनामी की जगह चुनावी साल में मदन लाल सैनी को प्रदेशाध्यक्ष बनाकर चौंकाया था। सैनी के देहांत के बाद सतीश पूनिया को प्रदेशाध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी दी गई थी। केंद्र में सत्ता में आने के बाद बीजेपी ने हर बार नए चेहरों को मौका देकर चौंकाने वाला ट्रेंड बरकरार रखा है।

प्रदेशाध्यक्ष से हटते ही सतीश पूनिया ने सोशल मीडिया पर बायो बदल लिया है। उन्होंने अपने फेसबुक पेज के इंट्रो और ट्वीटर हैंडल के बायो से बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हटाकर विधायक आमेर कर लिया है।

संसद में जोशी ने राष्ट्रपति को शबरी, मोदी को राम बताया था

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान चित्तौड़गढ़ से बीजेपी सांसद सीपी जोशी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शबरी और पीएम नरेंद्र मोदी को राम बता दिया था। पीएम के कामकाज की तारीफ करते हुए जोशी ने कहा था, 'त्रेता युग में माता शबरी श्री राम का स्वागत करने के लिए आतुर थीं। आज हम लोग संयुक्त सत्र की बात करें। राष्ट्रपति आज जब संसद में प्रवेश कर रही थीं, तब ऐसा लग रहा था कि उस समय त्रेतायुग में शबरी श्रीराम का स्वागत कर रही थीं। अभी ऐसा लग रहा था, जैसे श्रीराम शबरी का स्वागत करने के लिए, उनका अभिनंदन करने के लिए संसद के द्वार पर खड़े हैं। एक नरेंद्र वह थे, जिन्होंने कहा था लक्ष्य की पूर्ति तक मत रुको। एक नरेंद्र ये हैं, जो चलते रहो के सिद्धांत को अपनाकर देशसेवा के लिए निकल पड़े हैं। गरीब को गणेश मानकर काम कर रहे हैं।'

बीजेपी की मेवाड़ को साधने की कोशिश

सीपी जोशी को प्रदेशाध्यक्ष बनाकर बीजेपी ने मेवाड़ को साधने की कोशिश की है। मेवाड़ में ब्राह्मण और वैश्य बीजेपी का बड़ा वोट बैंक है। उदयपुर से विधायक रहे गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाए जाने के बाद मेवाड़ में बीजेपी के पास कोई प्रभावी नेता नहीं रह गया था। ऐसे में जोशी को नई जिम्मेदारी देकर बीजेपी ने इस बेल्ट में खुद को मजबूत बनाने का प्रयास किया है। उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और बांसवाड़ा जिलों में ब्राह्मण और वैश्य वर्ग का खासा वोट बैंक है।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बनाए गए सीपी जोशी ने रविवार को जयपुर में हुई विप्र महापंचायत में हिस्सा लिया था। उन्होंने महापंचायत में सनातन की रक्षा के साथ समाज हित में काम करने और समाज के नेताओं की बेवजह आलोचना नहीं करने की सीख दी थी। अब उन्हें प्रदेशाध्यक्ष बनाकर बीजेपी ने ब्राह्मण वोटर्स को मैसेज देने की कोशिश की है। ब्राह्मण बीजेपी का सबसे बड़ा कोर वोटर रहा है। ऐसे में इस बडे वर्ग को साधने के हिसाब से इस नियुक्ति को अहम माना जा रहा है। बीजेपी के पिछले 42 साल से ज्यादा के इतिहास में राजस्थान में 22 साल से ज्यादा प्रदेशाध्यक्ष इसी वर्ग से रहे हैं।

सीपी जोशी ने प्रदेशाध्यक्ष बनते ही पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। सीपी जोशी की नियुक्ति की घोषणा हुई तो उस समय वह संसद में थे। वहीं पर उन्होंने पीएम और राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की है।

बीजेपी प्रभारी अरुण सिंह ने सतीश पूनिया के कार्यकाल की तारीफ करते हुए ट्वीट किया है। लिखा- डॉ. सतीश पूनिया ने राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पार्टी के संगठन को विस्तार दिया, मज़बूत किया सफलतापूर्वक राजनीतिक कार्यक्रम एवं गहलोत सरकार के ख़िलाफ व्यापक जन आक्रोश और संघर्ष को प्रभावी नेतृत्व दिया। उनकी आगे भी अहम भूमिका रहेगी।

डोटासरा बोले- मोहरे बदलने से सत्ता में नहीं आया जा सकता, बीजेपी विपक्ष की भूमिका निभाने में फेल

सतीश पूनिया को हटाकर सीपी जोशी को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- यह उनका आंतरिक मामला है। फिर भी मेरा इतना ही कहना है कि मोहरे चेंज करने से सत्ता में नहीं आया जा सकता। बीजेपी सवा सवा चार साल में यहां पर प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने में फेल रही है। न तो उनमें एकजुटता है और न जनता के मुद्दे उठाने की क्षमता है। जनता की जितनी समस्याएं और मुद्दे हैं, उनको हमारी सरकार सॉल्व कर रही है।

अहमदाबाद-जयपुर नेशनल हाईवे पर गाड़ी ने लेपर्ड को मारी टक्कर

सड़क पार करते समय चपेट में आया

सिरोही, 23 मार्च (एजेंसियां)। अहमदाबाद-जयपुर नेशनल हाईवे पर गुरुवार सुबह सड़क क्रॉस करते समय अज्ञात वाहन ने लेपर्ड को टक्कर मार दी। लेपर्ड की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के गांव के लोगों ने सड़क किनारे उसका शव देखकर वन विभाग को सूचना दी। विभाग का स्टाफ मौके पर पहुंचा और शव को कब्जे में लिया। हादसा सिरोही में हुआ है।

मंडल वन अधिकारी शुभम जैन ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 7 बजे सूचना मिली कि बाहरी घाटा हनुमानजी मंदिर और सिरोही कट के बीच किसी गाड़ी की टक्कर से लेपर्ड की मौत हो गई है। हादसा लेपर्ड के सड़क क्रॉस करते समय हुआ। डीएफओ ने रेंजर को दल सहित घटनास्थल की ओर रवाना किया। लेपर्ड सड़क किनारे पड़ा होने की सूचना मिलते ही रेंजर अश्विनी पाठक और वन विभाग सिरोही रेंज के सभी अधिकारी-कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। शव को लेकर वन विभाग के रेस्क्यू सेंटर आए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे की सूचना सबसे पहले हनुमान जी मंदिर के लोगों को दी गई। यहीं से कुछ लोगों ने रेंजर अश्विनी पाठक को सुबह करीब 7 बजे फोन किया। कॉल रिसीव नहीं हुआ तो एक युवक को वहां से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर नर्सरी में भेजा गया। वहां के कर्मचारियों को युवक ने लेपर्ड के मरने की सूचना दी। इस दौरान उधर से गुजरने वाले लोग लेपर्ड की बॉडी के साथ सेल्फी लेते रहे।

डीएफओ शुभम जैन ने बताया कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से देर रात या सुबह लेपर्ड की मौत हो गई है। अहमदाबाद-जयपुर नेशनल हाईवे के आसपास घने जंगल हैं। यहां अक्सर लेपर्ड या अन्य जानवर सड़क पर आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि लेपर्ड भी सड़क पर आ गया होगा, जिससे हादसा हो गया है।

रेस्क्यू सेंटर पहुंचने के कुछ मिनट बाद ही डीएफओ मौके पर पहुंचे और लेपर्ड के पैर के नाखून, मूछों के बाल और दांतों को चेक किया। साथ ही, उन्होंने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाने के साथ ही अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए।

सरकार पशुपालकों को कराएगी विदेश की सैर

आठ लाख तक की आय वाले पशुपालकों के पशुओं का बीमा फ्री होगा

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार प्रदेश के प्रगतिशील पशुपालकों को अब विदेश की सैर कराएगी। पशुपालन के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने वाले चुनिंदा पशुपालकों को सरकारी खर्च पर विदेश भेजा जाएगा। बुधवार दोपहर बाद जयपुर में पशुपालक सम्मान समारोह के दौरान गहलोत ने इसकी घोषणा की है। इस साल 25 पशुपालकों को विदेश भेजा जाएगा। यह स्टडी ट्यूर होगा जिसमें पशुपालन के क्षेत्र में विदेशों में किए जा रहे इनोवेशन को देख सकेंगे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में आठ लाख तक की आय वाले पशुपालकों का फ्री पशु बीमा कर की घोषणा की है। अब आठ लाख तक की आय वाले पशुपालकों का बीमा सरकार अपने खर्च पर करवाएगी। अभी तक पशुपालकों को अपने खर्च पर दुधारू पशुओं का बीमा करवाना होता है। गहलोत ने कहा कि चिरंजीवी योजना में जिस तरह 8 लाख तक की आय वालों का प्रीमियम सरकार भरती है उसी तरह अब आठ लाख तक की आय वाले पशुपालकों का बीमा प्रीमियम सरकार भरेगी। आठ लाख से ज्यादा आय वालों के प्रीमियम के बारे में भी तय किया जाएगा। बीमा योजना में पशुपालकों के 2 दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रूपए का बीमा किया जाएगा।

415 प्रगतिशील पशुपालकों को दिए 52 लाख के अवॉर्ड

पशुपालक सम्मान समारोह योजना के 415 प्रगतिशील पशुपालकों का सम्मान किया गया। राज्य स्तर पर सम्मानित सुरेन्द्र अवाना,प्रेम सिंह राव को 50-50 हजार, जिला स्तर पर सम्मानित होने वाली 7 महिला पशुपालकों सहित 68 पशुपालकों को 25-25 हजार का अवॉर्ड दिया गया। पंचायत समिति स्तर पर सम्मानित होने वाली 18 महिला पशुपालकों सहित 345 पशुपालकों को 10-10 हजार का अवॉर्ड दिया।

दूध उत्पादन में राजस्थान टॉप पर

समारोह में सीएम अशोक गहलोत ने कहा- आज राजस्थान पूरे देश में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। पूरे देश के 15.05 फीसदी दूध का उत्पादन राजस्थान में हो रहा है। राज्य सरकार पशुपालकों को हर साल सम्मानित कर रही है। राज्य में अधिकतर किसान पशुपालन का काम करते हैं और इसमें महिला शक्ति का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

गहलोत ने कहा— प्रदेश में पशुपालन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। 1189 ग्राम पंचायतों में नए सब सेंटर आर चार नए वेटरनेरी अस्पताल खोले गए हैं। 2639 ग्राम पंचायतों में वैटरिनरी सब सेंटर खोलने की घोषणा की जा चुकी है। लंपी रोग से दुधारू पशु की मौत पर पशुपालकों को प्रति गाय 40 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी।

सीएम ने बिना हड्डी की जुबान से की घोषणाएं- राठौड़

बोले- विधायक गहलोत को कर रहे ब्लैकमेल, सचिन पायलट की नहीं हुई सुनवाई

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में बिना सीमा के निर्धारण किए जिलों की घोषणा करने का अधिकार मुख्यमंत्री के पास नहीं है। अशोक गहलोत बिना हड्डी की जुबान से कितनी ही घोषणाओं करें। उसे तो में नहीं रोक पाऊंगा। क्योंकि गाल बजाना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत रही है। राजस्थान के इतिहास में पहली बार बिना विधायक दल की बैठक के मुख्यमंत्री ने बजट सत्र खत्म कर दिया। जबकि उनकी पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट भी विधायक दल की बैठक करने की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। राजस्थान के हालात बद से बदतर हो चुके हैं ऐसे में अब जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए बीजेपी प्रदेश भर में जनता के खिलाफ जिला मुख्यालय का घेराव करेगी।

जयपुर बीजेपी मुख्यालय में बुधवार दोपहर विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी। उन्होंने कहा- लैंड रेवेन्यू एक्ट में सरकार को जिला बनाने का अधिकार है। लेकिन, सरकार ने जिलों की सीमा का निर्धारण किए बिना ही जिलों की घोषणा कर दी गई। जो की नियमों के विरुद्ध है। अब तो जयपुर आने वाले पर्यटक भी पूछ रहे हैं कि राजस्थान की राजधानी कौनसा जिला है। उन्होंने कहा कि ये पहला मौका होगा। जब ग्राम पंचायत से सीधे दूदू को जिला बना दिया गया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी बिना हड्डी की जुबान से बस घोषणाओं पर घोषणा करते चले जा रहे हैं। सरकार अपने खाते हुए जनाधार को ढूंढने की कोशिश कर रही है। लेकिन इनके निर्णयों से लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस के विधायकों से ब्लैकमेल हो रहे हैं। प्रदेश में जहां भी किसी भी विधायक ने इस्तीफे की धमकी दी। तो मुख्यमंत्री ने उसके क्षेत्र को जिला बना दिया। इसका ताजा उदाहरण यह भी है कि दूदू को जिला बनाने का कहीं भी कोई प्रस्ताव नहीं था। लेकिन सदन में जैसे ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पहुंचे। तो दूदू के विधायक ने कान में कुछ कहा और सीएम गहलोत ने दूदू को जिला बनाने की घोषणा कर दी। जबकि जिलों बनाने की एक प्रकिया होती है। नियमों के अनुसार पहले ग्राम पंचायत, फिर तहसील बनती है। तहसील के बाद उपखण्ड मुख्यालय और उसके बाद जिले की प्रक्रिया होती है। लेकिन सरकार ने सभी नियमों को दरकिनार करते हुए जिलों का गठन किया है। जो पूरी तरह नियमों के विपरीत है।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी विधायक दल की बैठक की मांग की। लेकिन राजस्थान के इतिहास में ये पहला मौका है। जब को सत्तारूढ़ दल अपने बजट सत्र में विधायक दल की बैठक नहीं बुलाई है। पिछले 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में जो त्यागपत्र देने का नाटक हुआ और कांग्रेस आलाकमान के आदेश का अपमान हुआ।

हड़ताली डॉक्टरों को आखिरी चेतावनी, बर्खास्त किया जाएगा

दर-दर भटक रहे मरीज, 300 ऑपरेशन कैंसिल; जयपुर में जेसीबी लेकर प्रदर्शन

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों के कारण मरीजों की जान पर बन आई है। रेजिडेंट्स की हड़ताल ने भी परेशानी में इजाफा कर दिया है। आज भी जयपुर सहित उदयपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर में प्राइवेट डॉक्टरों के साथ हड़ताली रेजिडेंट्स ने सड़कों पर प्रदर्शन किया। काम नहीं होने के कारण इन जिलों के हॉस्पिटल्स में 300 से ज्यादा ऑपरेशंस को टालना पड़ा है।

जयपुर में तक हड़ताली डॉक्टरों ने सड़क जाम करने तक का प्रयास किया और राहगीरों के साथ धक्का-मुक्की भी की। दर-दर भटक रहे मरीजों से बेपरवाह इन डॉक्टरों के खिलाफ अब सख्त एक्शन लेने की तैयारी में है। इसकी शुरुआत जोधपुर से हो सकती है। यहां मेडिकल कॉलेज के सुपरिंटेंडेंट ने ऐसे रेजिडेंट्स को बर्खास्त करने की चेतावनी दी है।

चक्कर काट रहे मरीज

सवाई मानसिंह सहित सभी मेडिकल कॉलेजों वाले हॉस्पिटल्स में दिनोंदिन मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गुरुवार को सावर्जनिक छुट्टी ने इस परेशानी को बढ़ा दिया। मरीजों का कहना था कि दो घंटे से चक्कर काट रहे हैं, पहले डॉक्टर नहीं मिले और अब पता चला कि हमें कल दोबारा इलाज के लिए आना पड़ेगा।

वहीं, अब मेडिकल कॉलेज मैनेजमेंट अपने स्तर पर कड़े निर्णय ले रहा है। जोधपुर में गुरुवार को हुई मीटिंग में मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. दिलीप कच्छावा ने रेजिडेंट डॉक्टर्स को टर्मिनेट करने की चेतावनी दी है। मीटिंग में उन्होंने साफ कहा कि यदि आज शाम तक ये काम पर नहीं लौटते हैं तो इन्हें टर्मिनेट किया जाए।

वहीं जयपुर में एक बार फिर से सभी डॉक्टर्स सड़कों पर उतर आए है। गुरुवार दोपह करीब 12:30 बजे डॉक्टर बैनर लेकर एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे। यहां से रैली निकाले हुए जेएलएन मार्ग पर आए और उसे बंद करवा दिया। इधर, इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। कुछ देर बाद ही डॉक्टर्स सड़क पर जेसीबी पर बैठ पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान वहां से गुजर रही गाड़ियों को भी रुकवा दिया गया। इस पर एक कैब ड्राइवर से डॉक्टर्स उलझ गए और धक्का-मुक्की करने लगे। इस पर मौजूद पुलिसकर्मियों से मामला शांत करवाया। इधर, गुरुवार को चेटीचंड होने की वजह से सरकारी हॉस्पिटल में ओपीडी सुबह केवल दो घंटे 9 से 11 बजे तक ही रही। इस कारण मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ा।

सवाई मानसिंह की बात करें तो यहां जनरल, ईएनटी, ऑथो समेत अलग-अलग डिपार्टमेंट और सेक्शन में कल छोटी-बड़ी 230 ही सर्जरी हो सकी, जबकि सामान्य दिनों ये 400 से भी ज्यादा हो जाती है। एसएमएस हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर अचल शर्मा ने बताया कि मरीजों की संख्या देखा जाए तो जितनी आम दिनों में आ रही थी उतनी ही आ रही है, लेकिन रेजिडेंट्स के हड़ताल पर जाने से वर्कलोड सीनियर पर बढ़ गया है।

जयपुर के लक्ष्मण सिंह को पद्मश्री

पानी बचाने की चौका तकनीक से तालाब रिचार्ज किए, चारागाह बचाए

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। पानी बचाने की चौका तकनीक से तालाबों और चारागाहों की तस्वीर बदलने वाले जयपुर जिले के लापोड़िया निवासी लक्ष्मण सिंह को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में लक्ष्मण सिंह को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री से सम्मानित किया। इस साल 25 जनवरी को लक्ष्मण सिंह सहित राजस्थान की चार हस्तियों को पद्मश्री देने की घोषणा की गई थी। कला के क्षेत्र में जयपुर के अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन, समाज सेवा में लक्ष्मण सिंह और मूलचंद लोढ़ा को पद्मश्री देने की घोषणा की गई थी।राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राजस्थान से लक्ष्मण सिंह ही पहुंचे थे। लक्ष्मण सिंह जयपुर जिले में दूदू के लापोड़िया गांव के रहने वाले हैं। पिछले 40 साल से पानी बचाने और पर्यावरण के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। लक्ष्मण सिंह ने पानी बचाने की तकनीक और इसके लिए छेड़ी गई मुहिम से 50 से ज्यादा गांवों की तस्वीर बदल दी। लक्ष्मण सिंह ने पानी बचाने की चौका तकनीक से तालाब रिचार्ज किए, चारागाहों को बचाया। लक्ष्मण सिंह ने पानी बचाने की चौका तकनीक को सबसे पहले अपने गांव लापोड़िया से शुरू किया। इस काम को आगे बढाने के लिए नवयुवक मंडल लापोड़िया का सहयोग लिया। सबसे पहले खुद के गांव के तालाब में पानी रिचार्ज कर चारागाह को हरा भरा बनाया। देखते ही देखते आसपास के गांवों में भी लापोड़िया मॉडल की चर्चा होने लगी। इसके बाद लापोड़िया नवयुवक मंडल के माध्यम से लक्ष्मण सिंह ने दूसरे गांवों में भी पानी बचाने और चारागाह विकास के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू किया।

जयपुर में जॉब का झांसा देकर युवती से रेप

ऑफिस दिखाने के बहाने मिलने बुलाया, बाथरूम में जाने के दौरान भाग निकली

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में जॉब दिलाने के बहाने एक युवती से रेप का मामला सामने आया है। ऑफिस दिखाने की कहकर आरोपी उसे बाइक पर बैठाकर ले गया था। सूने मकान पर ले जाकर आरोपी ने डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया। मौका पाकर पीड़िता के वहां से भागने पर कॉल कर धमकाने लगा। मानसरोवर थाने में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसीपी (मानसरोवर) अभिषेक शिव हरे कर रहे है। पुलिस ने बताया कि जगतपुरा निवासी 20 साल की युवती ने एफआईआर दर्ज करवाई है। गोपालपुरा स्थित ज्यूस शॉप पर उसकी अमित नाम के लड़के से मुलाकात हुई थी। बातचीत के दौरान उसने जॉब ढूंढने की बताई। ऑफिस दिखने के बहाने बाइक पर बैठा कर अपने साथ ले गया। मानसरोवर के स्वर्ण पथ स्थित एक मकान पर ले गया। जहां उसके साथ जबरदस्ती डरा-धमकाकर रेप किया। धमकाया कि यदि तुने किसी को बताया तो तुझे और तेरे परिवार की जिंदगी बर्बाद कर दूंगा।

हाईवे पर तीन लोगों को अज्ञात वाहन ने कुचला: पिकअप खराब होने पर ड्राइवर की मदद करने रुके थे

किशनगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। बांदरसिंदरी थाना क्षेत्र में केन्द्रीय राजस्थान विश्वविद्यालय के पास सर्विस रोड पर सुबह सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों लोग यहां खराब हुई एक पिकअप ड्राइवर की मदद के लिए रूके थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने तीनों को चपेट में ले लिया। इससे दो लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि तीसरे की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

सूचना मिलने पर बांदरसिंदरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा शवों को राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। हादसे में जान गंवाने वाले दो लोग दूदू के पास माधोपुरा और एक दांतरी गांव का रहने वाला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बुधवार रात बड़ल्या निवासी राजवीर रावत अपनी पिकअप आरजे 01 जीसी 4161 में पालतू बकरे भरकर ब्यावर से बिहार के लिए रवाना हुआ था। इसी दौरान बांदरसिंदरी थाना क्षेत्र में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पास निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास पिकअप खराब हो गई। पिकअप में आई खराबी दुरुस्त करने के लिए वह हाइवे से गुजर रहे ट्रक ड्राइवरों से मदद मांग रहा था।

बाइक सवार मिस्त्री लेकर आए

इस दौरान बाइक पर वहां से जा रहे जयपुर ग्रामीण के दूदू पुलिस थानातंर्गत माधोपुरा निवासी शंकर लाल (35) पुत्र मदनलाल रैगर और इसी गांव के शिवराज (30) पुत्र मोहनलाल वहां रूके। पिकअप के टायरों के स्क्रू ढीले होने के कारण शंकर लाल व शिवराज ने ड्राइवर राजवीर को कुछ देर इंतजार करने को कहा और गांव पहुंच कर वहां से दांतरी निवासी दयाल सिंघाड़िया (34) पुत्र रामकरण रैगर को साथ लेकर आवश्यक औजारों के साथ मौके पर पहुंचे।

चारभुजा कृषि उद्योग एलएलपी का उद्घाटन सम्पन्न

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी चिन्न श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी ने रंगारेड्डी जिला के बुर्गुला ग्राम के फारुख नगर मंडल में स्थित चारभुजा कृषि उद्योग एलएलपी का उगादी के शुभ अवसर पर उद्घाटन करते हुए कहा कि आज हर कोई चाहता है कि वह जो भी खाद्य सामग्री लेता है वह न केवल गुणवत्ता पूर्ण हो बल्कि सुरक्षित हो ताकि वह स्वस्थ जीवन जी सके। उन्होंने सभी भागीदारों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि व्यापारी वर्ग के कारण ही आज देश मजबूत हो रहा है और सभी व्यापारियों को चाहिए कि वे जिस वस्तु का व्यापार कर रहे हैं उसकी गुणवत्ता व भाव के प्रति इमानदार रहें यह भी एक समाज सेवा है।

चारभुजा के निदेशक रवि हेडा, जुगलकिशोर बंग, अभिनव राठी (पीपरिया, म.प्र.), संजय गुप्ता ने चारभुजा कृषि उद्योग एलएलपी के बारे में बतलाते हुए कहा कि उन्होंने उच्चगुणवत्ता का ध्यान रखते हुए क्योंकि यह स्वास्थ्य का मामला है इसीलिए आधुनिक तकनीक की मशीनों को गुणवत्तापूर्ण दाल उपलब्ध करवाने के लिए सथापित किया है। उन्नत तकनीक वाली स्वचलित मशीनों से उच्च गुणवत्ता खाद्य सुरक्षा के मानकों वाली दालों को तैयार किया जायेगा। सभी खाद्य उत्पाद की यह विशेषता है कि इसकी प्रक्रिया से उत्पाद को पोषक तत्व बने रहेंगे। साथ ही उत्पादों के लिए स्वचालित ड्राइंग एवं डेस्किनिंग तकनीकी एवं सोर्टिंग तकनीक का उपयोग कर उत्पाद को उपभोक्ता तक पहुंचाया जायेगा। इस प्लांट में कम से कम लेबर का कार्य होगा। प्रतिदिन लगभग 100 टन माल निकाला जाएगा जिसके कारण उत्पादन लागत में काफी कमी रहेगी और उपभोक्ता को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दाल उपलब्ध होगी। अवसर पर महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने चारभुजा के सभी निदेशकों का सम्मान किया। उद्घघाटन समारोह में श्रीनिवास बंग, मुरलीनारायण बंग, श्रीगोपाल बंग, कन्हैयालाल गुप्ता, भगवानदास हेडा, नन्दकिशोर हेडा, रमण हेडा, केसी जैन, पीसी जैन, नारायणलाल बाहेती, पुरुषोत्तमदास बाहेती, लक्ष्मीकन्त इन्नाणी, श्रीवल्लभ तोषनीवाल, विनय काबरा, रामअवतार लोहिया, महावीर लोहिया, पुरुषोत्तमदास अटासनिया, श्यामसुन्दर लोया, वल्लभदास सोनी, सुरेन्दर बजाजा, राधाकिशन बजाज, शिवकुमार भूतड़ा, कैलाश कांकाणी, विशाल कांकाणी, राजगोपाल बाहेती, नारायणदास बाहेती, अमर कलंत्री, अखिल राठी (नासिक), प्रमोद मोहता (चेन्नई), मनोज गुप्ता (बैंगलोर) महेश बैंक के निदेशकगण रामप्रकाश भण्डारी, बृजगोपाल असावा, प्रेमकुमार बजाज, अनिता सोनी, सुमन हेडा आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डबल बेडरूम निर्माण के लिय दस लाख रुपये मजूर करने की मांग

मदनूर, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बहुजन लेफ्ट पार्टी जुक्कल विस क्षेत्र के प्रभारी करेवार नागेश के नेतृत्व में गुरुवार के दिन आपने पार्टी कार्यकर्ता के साथ मदनूर तहसीलदार कार्यालय के सामने जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र सार्वजनिक मुद्दे के मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में भारत राष्ट्र समिति की सरकार स्थापन से लेकर आज तक एक ही गरीब जनता को डबल बेड रूम निर्माण कर के नहीं दिया गया। हमारी पार्टी की ओर से प्रदेश सरकार से मांग की जा रही है कि सरकार सभी पात्र गरीबों को डबल बेडरूम का मकान तत्काल दे। जिनके पास स्वयं की भूमि है, उनके लिए आवास निर्माण हेतु तत्काल 10 लाख की राशि स्वीकृत की जाए। अब तक जिस जिस गांव में मिशन भागीरता का पानी न आया हो, उस गांव में मिशन भागीरता का पानी वितरित करना चाहिए। बंजारा भूमि की समस्या का समाधान, के साथ असम्मेंट भूमि पर अधिकार रखने वालों को अधिकार दिया जाए। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के हर मंडल थाना क्षेत्र के लोगों पर पुलिस अत्याचार बंद करे। सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले विविध नियमो का व अधिकारि को उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

तेलंगाना में जीवन स्तर में सुधार हुआ : ऊर्जा मंत्री

सूर्यापेट, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डीने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा की गई पहल के परिणामस्वरूप तेलंगाना में ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में और लोगों के रहने की स्थिति में भी बड़ा बदलाव आया है। यहां दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार के तहत चयनित ग्राम पंचायतों को पुरस्कार वितरित करते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है।

राज्य सरकार सभी ग्राम पंचायतों का विकास करते हुए कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी पारदर्शिता ला रही है। जिला कलेक्टर एस वेंकट राव ने कहा कि गांवों के विकास में ग्राम पंचायतों के सरपंचों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जन सेवा संघ नाचाराम क्षेत्रीय समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ नाचाराम क्षेत्र में बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जन सेवा संघ के अनुशासन समिति के संयोजक एवं नार्थ जोन के जोनल प्रेसिडेंट पीपी पांडेय के मार्गदर्शन में नाचाराम क्षेत्रीय अध्यक्ष रूपाराम चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान क्षेत्र में किये गए कार्यों की समीक्षा की गई और क्षेत्र में हो रही समस्याओं की जानकारी ली गई।

बैठक में सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि सदस्ता अभियान का आयोजन कर नए सदस्यों को जोड़े साथ ही पुराने सदस्यों का सदस्यता नवीनीकरण करें। इस अवसर पर पीपी पांडेय, मदनलाल रावल, रूपाराम चौधरी, वोहरा रामजी, कानारामजी, छोटू गुप्ता, मल्लाराम, मांगीलाल, कैलाश सीरवी, बेचन गुप्ता, सुनील सीरवी, राकेश सीरवी, बाबूलाल चौधरी, नेमारामजी आदि उपस्थित हुए।

उगादी के अवसर पर रजक समाज यूथ एसोसियेशन, जियागुडा द्वारा आयोजित क्रिकेट टूनर्मिंट में विजेता रही 'आदर्श विद्या समिति' टीम के सदस्यों ने ट्राफी पर कब्जा किया।

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी स्टेडियम में पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष और सीएफआई के अध्यक्ष हनुमंत राव के नेतृत्व में आयोजित भारत जोड़ो क्रिकेट अंडर-19, टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में एआईसीसी सचिव एवं विधायक डी. श्रीधर बाबू, पूर्व मंत्री गद्दाम विनोद ने विजेता टीम मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर सीएफआई के प्रतिनिधि सादिक पाशा, आदि अविनाश, संभुला श्रीकांत गौड, पीसीसी महासचिव आर.लक्ष्मण यादव, कांग्रेस नेता एसपी क्रांति कुमार, रामशेट्टी नरेंद्र, साई राम, महेंद्र और अन्य उपस्थित थे। सीएफआई सदस्यों ने इस अवसर पर दुद्दीला श्रीधर बाबू और गद्दाम विनोद को सम्मानित किया।

डीसीपी ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की

मनचेरियल, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस उपायुक्त के. सुधीर रामनाथ ने लोगों से कहा कि वे अपने त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाएं। वे गुरुवार को यहां विभिन्न धर्मों के बुजुर्गों के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे। सुधीर ने कहा कि रमजान, श्रीराम नवमी और हनुमान जयंती त्योहार इस महीने के अंत में पड़ रहे हैं। उन्होंने दोनों धर्मों के अनुयायियों से एक-दूसरे के त्योहारों का सम्मान करते हुए धार्मिक मामलों को मनाने का आग्रह किया। उन्होंने उनसे भाईचारा रखने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित अफवाहों पर भरोसा न करने के लिए कहा। उन्होंने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने में उनका सहयोग मांगा। डीसीपी ने लोगों से स्थानीय पुलिस से संपर्क करने या डायल 100 सेवा से संपर्क करने का अनुरोध किया, अगर किसी ने व्हाट्सएप, फेसबुक आदि जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके किसी वर्ग की भावनाओं को आहत करते हुए परेशानी पैदा की या अफवाह फैलाई। उन्होंने चेताया कि जिले की शांति भंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसीपी बी तिरुपति रेड्डी, जी नरेंद्र, सदैया और अन्य उपस्थित थे।

पहाड़ी श्याम मंदिर, महेंद्रा हिल्स, सिकंदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए यश वर्मा तथा भजन गायक का स्वागत करते हुए श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के परामर्शदाता अरुण कुमार डाकोतिया तथा भजन का आनंद लेते हुए भक्तगण।

श्रीराम नवमी पर विशाल शोभा यात्रा को लेकर हुई बैठक

गुजराती, जैन समाज तथा सनातन धर्मप्रेमियों से जुडने का आह्वान

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीराम युवा सेना, भाग्यनगर के तत्वावधान में आगामी गुरुवार 30 मार्च 2023 को आयोजित श्रीराम नवमी विशाल शोभायात्रा मे विभिन्न समाजबंधुओं की एक बैठक गोशामहल विधायक ठाकुर राजा सिंह की अध्यक्षता में उनके मंगलघाट स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। शोभा यात्रा संयोजक अविनाश देवडा ने कहा कि श्रीराम नवमी विशाल शोभायात्रा के संदर्भ में आयोजित बैठक में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमतभाई पटेल, वल्लभ यूथ ओर्गनाईजेशन के अध्यक्ष अल्पेश पटेल, प्रभारी डेनिश पटेल, अतुल पटेल, पराग पटेल, जय पटेल, आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन तेलंगाना तथा प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के रिद्धीश जागीरदार, जैन राजनितिक चेतना मंच के आनंद बोहरा ठाकरे, कांची वेलफेर सोसायटी की अध्यक्ष परमेश्वरी शर्मा आदि ने भाग लिया। अविनाश देवडा ने कहा कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विधायक ठाकुर राजा सिंह के नेतृत्व में श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हैदराबाद सिकंदराबाद ही नहीं, बल्कि देशभर के श्रद्धालु भाग लेते है। उन्होंने सभी जैन, गुजराती, सनातन धर्मप्रेमी बंधुओं से आयोजित इस विशाल शोभायात्रा में जुडने का आह्वान किया। अवसर पर राजा सिंह ने कहा कि भाग्यनगर में आयोजित श्रीराम नवमी शोभायात्रा देशभर मे प्रसिद्ध है। यह यात्रा आकाशपूरी हनुमान मंदिर धुलपेट से प्रारंभ होकर, मंगलहाट, जुमेरात बाजार, बेगम बाजार, फीलखाना, गौलीगुडा, पुतलीबावली, सुलतानबाजार, रामकोट होते हुए अपने आखरी पडाव हनुमान व्यायामशाला पहुंचती है।

एसएसके समाज रहीमपुरा द्वारा आयोजित उगादि कार्यक्रम में भाग लेते हुए समाज के प्रदेश अध्यक्ष नागरी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, शिव रतन, नवयुवक संघ के अध्यक्ष अजय चौहान, अध्यक्ष रतन राजेंद्र नेहरू, उपाध्यक्ष जेआर नगरी पांडुशाह, दगुडु नवीन, कुलदीप चव्हाण, रतन कमल व अन्य।

मोइनाबाद मण्डल पेद्दा मंगलाराम में अति प्राचीन श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु आज चैत्र नवरात्रि एवं उगादि के शुभ दिवस पर पूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आरके जैन, ट्रस्टी अनंत रेड्डी, सदस्य महेंद्र जैन सिंघी, समाजसेवी प्रवीण वाणी गोता एवं अन्य उपस्थित रहे।

अलमासगुडा स्थित ए.वाइ.आर क्रिकेट ग्राउंड में जाट समाज हैदराबाद तेलंगाना समाज की चार टीमों के मध्य आयोजित जाट प्रीमियर लीग-1 क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता महादेव क्लब व उपविजेता वीर तेजा क्लब एवं प्रतिभावान खिलाडियों को ट्रोफी व नगद पुरुस्कार प्रदानकर उपस्थित अध्यक्ष दूदाराम बाबल, सोहनलाल बांगडा, कैलाश सारण, गोविन्द खदाल, तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

शहीदी दिवस पर केंद्रीय गुरुद्वारा गौलीगुड़ा में बीआरएस यूथ एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए अध्यक्ष मोना सिंह, एनआर लक्ष्मण राव, मनोज, बसंती सिंह, अशोक सेन व अन्य।

अमीरपेट में शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीदी दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा महाकाली जिला के अध्यक्ष श्याम सुंदर गौड़, पार्षद के. सरला, जी. राजशेखर रेड्डी, उत्तम सिंह राजपुरोहित, श्रीशैलम गौड़, सरदार केवल सिंह, सरदार सुरजीत सिंह, पेद्दी रविंदर, रामकृष्ण, लक्ष्मण, विद्याधर रेड्डी, राजू गौड़, रमेश राम, नागेश्वर रेड्डी, पवन कुमार, चंद्रशेखर।

सिकंदराबाद गांधीनगर वार्ड नं 4 में कट्टा मैसम्मा मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन करते हुए राजेंदर, साई, प्रभाकर, हरिबाबू व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब केजरीवाल हटाओ ...

इससे पता चलता है कि पीएम कितना डरे हुए हैं। क्या फर्क पड़ गया अगर चार लोगों ने आपके खिलाफ पोस्टर लगा दिए। ये अच्छा नहीं लगता कि इतने ताकतवर प्रधानमंत्री ने ऐसे मुद्दे से डील क्यों किया।

हैदराबाद में लगे थे 'बाय-बाय मोदी' के पोस्टर्स

के. कविता की ईडी पूछताछ को लेकर करीब 12 दिन पहले हैदराबाद में भाजपा पर निशाना साधते हुए पोस्टर लगाए गए थे। इन पोस्टर में दिखाया गया कि हिमंत बिस्वा सरमा, ज्योदिरादित्या सिंधिया, नारायण राणे और शुभेंदु अधिकारी समेत कई नेता जो पहले दूसरी पार्टियों में थे, वे रेड के बाद भाजपा में शामिल हो गए। अब उन्हें कोई जांच एजेंसी परेशान नहीं करती। वहीं कविता सीबीआई और ईडी की रेड के बाद भी नहीं बदलीं। पोस्टर में कविता के लिए लिखा है कि सच्चे रंग कभी हल्के नहीं पड़ते। पोस्टर में सबसे नीचे 'बाय-बाय मोदी' लिखा गया है।

मुंबई में बीएमसी ...

राज ठाकरे की वजह से हमें पता चला कि सीआरजेड एक्ट का उल्लंघन हो रहा है, इसलिए हमने एक्शन लिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दरगाह को हटाने का आदेश मुंबई के रेजिडेंट कलेक्टर ने दिया। सुबह 8 बजे कलेक्टर और डीसीपी समेत 6 अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे।

राज ठाकरे ने कहा था, मजार नहीं तोड़ी तो बगल में गणेश मंदिर बनेगा :

राज ठाकरे ने शिवाजी पार्क में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुंबई में माहिम के पास समुद्र में बन रही एक दरगाह का वीडियो दिखाया। उन्होंने कहा कि कुछ सालों पहले तक यहां कुछ नहीं था। अब अनधिकृत तरीके से यहां मजार बनाई जा रही है। माहिम पुलिस स्टेशन करीब है। महानगरपालिका के कर्मचारी घूमते रहते हैं। सब सोए हुए हैं। किसी को कुछ पता नहीं। मैं इसे हटाने के लिए एक महीने का टाइम देता हूं। अगर इसे नहीं तोड़ा गया तो उसके पास बड़ा गणपति का मंदिर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि एक बार मेरे हाथ में राज्य आया तो सब कुछ सीधा कर दूंगा।

मुझे जावेद अख्तर जैसा मुसलमान चाहिए :

मुझे धर्मान्ध हिन्दू नहीं चाहिए। मुझे धार्मिक हिन्दू चाहिए। मुझे जावेद अख्तर जैसा मुसलमान चाहिए, जो पाकिस्तान में जाकर उनको आइना दिखा सके। इस दौरान राज ठाकरे ने जावेद अख्तर की बाइट भी स्टेज पर चलाई। दरअसल जावेद अख्तर ने पाकिस्तान में हुए फैज फेस्टिवल में आतंकवाद की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि 26/11 मुंबई हमले को अंजाम देने वाले लोग आपके मुल्क में अभी भी घूम रहे हैं। ये शिकायत अगर हर हिंदुस्तानी के दिल में है तो, आपको बुरा नहीं मानना चाहिए।

मैं शिवसेना प्रमुख नहीं बनना चाहता था :

मैं शिवसेना से क्यों बाहर निकला इस पर नहीं बोलना है। कुछ लोग ये कहानी बना रहे हैं कि मैं शिवसेना प्रमुख बनना चाहता था। ये बिल्कुल झूठ है। मुझे मालूम था कि धनुष बाण बाला साहेब ठाकरे को छोड़कर कोई हैंडल नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से महाराष्ट्र की राजनीति काफी बदली है। शिवसेना के चुनाव चिन्ह धनुष-बाण की लड़ाई में तू-तू, मैं-मैं देख कर अफसोस हुआ। हमें जो खत्म हो गई पार्टी कहा करते थे, उनकी आज क्या हालत है देखिए। यह भीड़ देखकर कोई कह सकता है कि मनसे खत्म हो गई पार्टी है?

राज ठाकरे ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर बंद करवाने की मांग की :

राज ठाकरे ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर बंद करवाने के लिए सरकार से मांग की। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार से मांग है कि आप लोगों को बताओ कि मस्जिद से लाउडस्पीकर बंद करो, नहीं तो हम बंद करवा देंगे, आप ध्यान हमारी तरफ से हटा लो।

लुंगी डांस पर झूमे कोहली, ग्राउंड में घुसा डॉगी

सूर्यकुमार का लगातार तीसरा गोल्डन डक ; भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे के टॉप मोमेंट्स

चेन्नई, 23 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को तीसरे वनडे में 21 रन से हराकर सीरीज 2-1 से जीत ली। मैच में अहम 4 विकेट लेने वाले एडम जम्पा प्लेयर ऑफ द मैच रहे। वहीं सीरीज में 194 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। इससे पहले ग्राउंड में डॉगी घुस आने के कारण 5 मिनट तक खेल रोकना पड़ा।

भारत के विराट कोहली लुंगी डांस गाने पर थिरकते नजर आए। वहीं एलेक्स कैरी कुलदीप यादव की बॉल का टर्न देख दंग रह गए और भारत के सूर्यकुमार यादव लगातार तीसरे वनडे में गोल्डन डक पर पवेलियन लौटे। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे...

1. विराट का 'लुंगी डांस'

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम इंडिया फील्डिंग करने मैदान में उतरी। तभी स्टेडियम में 'चेन्नई एक्सप्रेस' फिल्म का 'लुंगी डांस' गाना बजने लगा। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली गानों की बीट पर डांस करते नजर आए। डांस करने के बाद कोहली ने टीम हर्डल जॉइन किया।

कोहली के पास मैच की पहली पारी में कोई कैच नहीं आया। दूसरी पारी में उन्होंने 72 बॉल पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाए। हालांकि, वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

2. कुलदीप के स्पिन जाल में फंसे कैरी

पहली पारी में भारत के कुलदीप यादव ने 3 विकेट लिए। डेविड वॉर्नर और मार्नस लाबुशेन को कैच आउट कराने के बाद कुलदीप यादव पारी का 39वां ओवर लेकर आए। पहली ही बॉल विकेटकीपर एलेक्स कैरी को उन्होंने मिडिल स्टंप पर गुड लेंथ फेंकी। कैरी को लगा बॉल सीधी रहेगी, वह आगे खड़े रहकर डिफेंस करने गए, लेकिन बॉल ऑफ स्टंप की ओर घूमी और गिल्लियों से जा लगी।

एलेक्स कैरी दंग रह गए कि बॉल इतनी तेज घूम कैसे गई। कुलदीप को तीसरी सफलता मिली और कैरी को 46 बॉल में 38 रन बनाकर पवेलियन लौटना पड़ा। कुलदीप ने 10 ओवर में 56 रन देकर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया।

3. डॉगी ने 5 मिनट रोका खेल

पहली पारी में 43वें ओवर के दौरान भारत के कुलदीप यादव अपने स्पेल का 10वां ओवर फेंक रहे थे। तीसरी बॉल के बाद ग्राउंड में एक डॉगी घुस आया, जिसके बाद चेपॉक स्टेडियम की जनता जोर-जोर से हूटिंग करने लगी। डॉग 3 से 4 मिनट तक ग्राउंड में ही रहा। स्टाफकर्मी उसके पीछे दौड़े, लेकिन डॉग बहुत देर तक ग्राउंड में दौड़ने के बाद बाहर निकला। करीब 5 मिनट के बाद खेल फिर शुरू हुआ।

इस वाकये के दौरान ऑस्ट्रेलिया टीम के एश्टन एगर और शॉन एबट बैटिंग कर रहे थे। टीम का स्कोर 7 विकेट के नुकसान पर 227 रन था। दोनों ने 41 बॉल पर 42 रन की अहम साझेदारी की। एबट 26 और एगर 17 रन बनाकर आउट हुए।

4. सूर्यकुमार का लगातार तीसरा गोल्डन डक

भारत के सूर्यकुमार यादव सीरीज के शुरुआती 2 वनडे में पहली बॉल पर शून्य के स्कोर पर LBW होने के बाद तीसरे वनडे में नंबर-4 पर बैटिंग करने नहीं उतरे। वह नंबर-7 पर हार्दिक पंड्या के बाद बैटिंग करने आए, लेकिन इस बार LBW होने के बजाय वह पहली गेंद पर बोल्ड हो गए। इस तरह उन्होंने वनडे में लगातार तीसरी बार गोल्डन डक बनाने का अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

सूर्यकुमार एक ही सीरीज में ऐसा करने वाले दुनिया के पहले ही बैटर बने। वहीं वनडे में लगातार 3 गोल्डन डक बनाने वाले वह दुनिया के 13वें बैटर बने। सूर्यकुमार से पहले भारत के सचिन तेंदुलकर, अनिल कुंबले, जहीर खान, ईशांत शर्मा और जसप्रीत बुमराह भी लगातार 3 वनडे में शून्य पर पवेलियन लौटे हैं। लेकिन ये सभी लगातार पहली बॉल पर आउट नहीं हुए थे।

सूर्यकुमार जब आउट हुए तब भारत का स्कोर 6 विकेट के नुकसान पर 185 रन था।

5. 26 सीरीज बाद घर में हारा भारत

दूसरी पारी का 50वां ओवर ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस कर रहे थे। भारत के कुलदीप यादव ने सिंगल लेना चाहा, लेकिन रन आउट हो गए। वह भारत के आखिरी बैटर के रूप में आउट हुए और टीम इंडिया 21 रनों से वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला हार गई। भारत ने पहला और ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा वनडे जीता था। इस तरह सीरीज ऑस्ट्रेलिया के नाम रही।

इस सीरीज हार के साथ भारतीय टीम घरेलू जमीन पर किसी भी फॉर्मेट में 26 सीरीज बाद हारा है। टीम को इससे पहले फरवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया ने ही टी-20 और वनडे सीरीज हराई थी। इसके बाद भारत ने 7 वनडे और 6 टेस्ट सीरीज जीतीं। वहीं 13 में 11 टी-20 सीरीज भी जीतीं और 2 सीरीज ड्रॉ कराईं।

नीतू-लवलीना के बाद निकहत और स्वीटी के पदक पक्के, जैस्मिन-साक्षी बाहर

खेल डेस्क, 23 मार्च (एजेंसियां)। स्वीटी ने नौ साल पहले विश्व चैंपियनशिप में रजत जीता था। यह उनका दूसरा पदक होगा, लेकिन पदक की दावेदार बीते वर्ष इस्तांबुल विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता मनीषा मौन (57) और साक्षी (52), जैस्मिन (60) को अंतिम-8 में हार का सामना करना पड़ा।

गत विजेता निकहत जरीन ने विश्व महिला मुक्केबाजी में एक और पदक पक्का कर लिया है। उन्होंने 50 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में कड़े मुकाबले में थाईलैंड की रक्सत को 5-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, दो बार की विश्व यूथ चैंपियन हरियाणा की नीतू (48) और स्वीटी बूरा (81 भार वर्ग) ने क्वार्टर फाइनल आसानी से जीतकर पदक पक्के किए।

स्वीटी ने नौ साल पहले विश्व चैंपियनशिप में रजत जीता था। यह उनका दूसरा पदक होगा, लेकिन पदक की दावेदार बीते वर्ष इस्तांबुल विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता मनीषा मौन (57) और साक्षी (52), जैस्मिन (60) को अंतिम-8 में हार का सामना करना पड़ा।

पांच साल पहले निकहत ने यहीं टीम को कराई थी प्रैक्टिस

निकहत के लिए यहां पदक जीतना खास है। बाउट के दौरान उनके माता-पिता भी मौजूद थे। पांच साल पहले जब इसी स्टेडियम में विश्व चैंपियनशिप हुई थी तो निकहत टीम में नहीं थी। वह याद करती हैं कि वह भारतीय टीम को प्रैक्टिस कराने के लिए चैंपियनशिप में बुलाई गई थीं, लेकिन वह पूरी चैंपियनशिप में रहीं। तभी से उनका सपना है कि अपने देश में विश्व चैंपियनशिप में वह पदक जीतें।

पहले दो दौर 3-2 के स्कोर से जीतने के बाद तीसरे दौर में रक्सत ने निकहत को कुछ जोरदार पंच लगाए, जिससे मुकाबले की समीक्षा करनी पड़ी। दूसरे रिंग पर चल रहे मुकाबले के विजेता की घोषणा होने पर रेफरी रक्सत का हाथ उठाने जा रहे थे, लेकिन उन्हें गलती का अहसास हो गया। अंत में निकहत ही विजेता बनीं। निकहत ने आज भी कहा कि रोजाना वह भी शाम को मुकाबले होने से वह पूरी तरह अपने को फिट नहीं रख पा रही हैं।

नीतू के मुक्कों पर रेफरी ने फिर रोका मुकाबला

बीते माह स्ट्रैंड्जा कप में स्वर्ण जीतकर आ रहीं नीतू के लिए अब तक यह टूर्नामेंट शानदार रहा है। उन्होंने अपने तीनों ही मुकाबले आरएससी (रेफरी की ओर से मुकाबला रोकना) से जीते हैं। पहले दो बाउट उन्होंने पहले दौर में जीते थे। क्वार्टर फाइनल में जापान की मादोका वादा को उन्होंने दूसरे दौर में बाहर किया। पहले दौर में बाई पाने वाली सर्वोच्च वरीय स्वीटी का यह पहला मुकाबला था। उन्होंने 2018 की विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीतने वाली बेलारूस की विक्टोरिया केबीकावा को 5-0 से हराया। साक्षी को चीन की वू यू ने और जैस्मिन को कोलंबिया की वाल्दोज एंजी पाओना ने 0-5 से पराजित किया। वू यू वही हैं जिन्हें मैरी कॉम ने 2018 में यहीं हुई विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में बुरी तरह परास्त किया था, लेकिन आज उन्होंने साक्षी को कोई मौका नहीं दिया। जैस्मिन भी वाल्दोज के आक्रामक खेल का शुरू से जवाब नहीं दे पाईं। हालांकी मनीषा मौन ने फ्रांस की अमीना जिदानी के खिलाफ संघर्ष किया, लेकिन उन्हें 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

शूटिंग वर्ल्डकप में सरबजोत ने भारत को दिलाया पहला गोल्ड

10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के टॉप पर रहे, वरुण को कांस्य

भोपाल, 23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के सरबजोत सिंह ने आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप 2023 में गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में खेले जा रहे शूटिंग वर्ल्ड कप में बुधवार को 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में शीर्ष स्थान हासिल किया। धीन गांव के रहने वाले किसान के बेटे सरबजोत ने अजरबैजान के रूस्लान लुनेव को 16-0 से हराया।

आईएसएसएफ विश्व कप के स्वर्ण पदक मैच में पहली बार है कि किसी प्रतिद्वंद्वी को ब्लैक-आउट किया गया है। ब्लैक-आउट यानी सरबजोत ने विपक्षी के खिलाफ 16-0 से क्लीन स्वीप किया, उन्होंने विपक्षी को एक भी पॉइंट नहीं लेने दिया। वर्ल्ड कप 2023 में भारत के लिए यह पहला गोल्ड मेडल है। वहीं भारत के वरुण तोमर को भी ब्रॉन्ज मेडल मिला।

उन्होंने क्वालीफिकेशन सीरीज में 98, 97, 99, 97, 97, 97 का स्कोर किया। क्वालीफिकेशन सीरीज में चीन के लियु जिनयाओ 584 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। फाइनल राउंड में सरबजोत ने 253.2 और रूस्लान ने 251.9 अंक हासिल किए। वरूण 250.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

हालांकि छह अन्य निशानेबाज में कोई भी ओलंपियन खिलाड़ी नहीं था। स्विट्जरलैंड के जेसन सोलारी ही एक ऐसे खिलाड़ी थे जिन्होंने साल 2018 यूथ ओलंपिक गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

यूएस, ईरान, कनाडा जैसे देशों से आए हैं शूटर

शूटिंग वर्ल्ड कप का हिस्सा बनने 33 देशों के 325 शूटर भोपाल आए हुए हैं। इंडिया समेत इन देशों में जर्मनी, इजरायल, अमेरिका, जापान, ब्राजील, चीन, चेक रिपब्लिक, अजरबैजान, बांग्लादेश, बोस्निया और हर्जेगोविना, डेनमार्क फ्रांस, ब्रिटेन, हंग्री, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, कोरिया, सऊदी अरब, लिथुआनिया, मालदीव, मेक्सिको, रोमानिया, सिंगापुर, सर्बिया, श्रीलंका, चीनी ताइपी, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, उज्बेकिस्तान जैसे देश शामिल हैं।

भोपाल शूटिंग एकेडमी में 375 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था

यहां भोपाल में शूटिंग एकेडमी का वातावरण भी शानदार है। यहां 10, 25, 50 के अलावा शॉट गन की क्वालिफाइ रेंज हैं। 10 मीटर में एक साथ 70, 25 मीटर में 50 और 50 मीटर में 20 खिलाड़ी एक साथ निशाना लगा सकते है। फाइनल शूटिंग रेंज में अपग्रेडेड मशीनें है। 375 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। बिशन खेड़ी में बनी ये राज्य शूटिंग अकादमी 37 एकड़ एरिया में फैली हुई है।

यहां पर एक छात्रावास भी बना हुआ है जहां 240 से ज्यादा खिलाड़ियों के रुकने की व्यवस्था है। छात्रावास में ही लाइब्रेरी, मिनी जिम, डायनिंग एरिया, मेडिटेशन हॉल और एंटरटेनमेंट जोन की भी व्यवस्था है। हालांकि विदेश और दूसरे राज्य से आए खिलाड़ियों को भोपाल की मैरियट, ताज, रेडिशन, जेहन नुमा जैसे 5 स्टार होटलों में रोका गया है।

आईपीएल में टॉस के बाद चुन सकेंगे प्लेइंग-11

विकेटकीपर या फील्डर के गलत मूवमेंट पर पेनल्टी, बैटिंग टीम को मिलेंगे 5 रन

खेल डेस्क, 23 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग का नया सीजन 31 मार्च से शुरू हो रहा है। 10 टीमों के सीजन में इस बार कुछ नए रूल भी जुड़ रहे हैं। टीमें अब टॉस में बैटिंग या बॉलिंग का फैसला करने के बाद प्लेइंग-11 चुन सकेंगी। टॉस के बाद ही टीमों को 4 इम्पैक्ट प्लेयर भी बताने होंगे।

इनके अलावा भी आईपीएल के 16वें सीजन में नियमों में बदलाव करने के साथ नए नियम भी जोड़े गए हैं। आगे स्टोरी में हम इन्हीं नियमों को समझेंगे।

2 प्लेइंग-11 के साथ आएंगे कप्तान

आईपीएल मैच में दोनों टीमों के कप्तान अब टॉस के दौरान 2 टीमें लेकर आ सकेंगे। टॉस के बाद जब उन्हें पता लगेगा कि पहले बैटिंग या बॉलिंग आई है, तब वे उसी हिसाब से प्लेइंग-11 सिलेक्ट कर सकेंगे। इससे पहले 15 सीजन तक टीमें टॉस के दौरान एक ही प्लेइंग-11 लेकर आती थीं। टॉस होने के बाद भी उन्हें उसी टीम के साथ खेलना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

4 इम्पैक्ट प्लेयर्स भी टॉस के बाद ही

आईपीएल में इस सीजन से नए इम्पैक्ट प्लेयर का रूल भी जोड़ा जा रहा है। दोनों टीमों को टॉस होने के बाद ही 4-4 इम्पैक्ट प्लेयर भी बताने होंगे। इन्हीं 4 इम्पैक्ट प्लेयर्स में से टीमें किसी एक प्लेयर को मैच के दौरान प्लेइंग-11 में शामिल खिलाड़ी से रिप्लेस कर सकेंगी। मैच में दोनों पारियों के दौरान 14 ओवर तक इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल कर खिलाड़ी को रिप्लेस कर सकेंगे।

एक टीम पूरे मैच के दौरान सिर्फ एक बार इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल कर सकेगी। वह चाहे तो पहली पारी के 14 ओवर तक रिप्लेसमेंट ले या फिर दूसरी पारी के 14वें ओवर तक।

इम्पैक्ट प्लेयर पूरे 4 ओवर बॉलिंग कर सकेगा

टीमें उस खिलाड़ी को भी रिप्लेस कर सकेंगी जो मैच में बैटिंग या बॉलिंग कर चुका हो। इम्पैक्ट प्लेयर को अपने खाते के पूरे चार ओवर गेंदबाजी के लिए मिलेंगे। साथ ही पारी में जितने ओवर बचेंगे वह उतने ओवर बल्लेबाजी भी कर पाएगा। हालांकि, एक इनिंग में किसी टीम के ज्यादा से ज्यादा 10 विकेट ही गिर सकते हैं।

एसए20 से आया है यह रूल

आईपीएल में टॉस के बाद टीमें जारी करने का नियम साउथ अफ्रीका की टी-20 लीग SA20 की तरह ही है। वहां ही सबसे पहले टॉस के बाद टीमें अनाउंस करने का नियम शुरू किया गया। उस नियम में दोनों टीमों के कप्तानों को टॉस से पहले 13 खिलाड़ी बताने होते थे और टॉस के ठीक बाद बैटिंग या बॉलिंग आने पर कप्तान किन्हीं 2 खिलाड़ियों को हटा सकते थे।

इस नियम से टॉस का असर लगभग खत्म हुआ। टूर्नामेंट के 33 में से 16 मैच टॉस हारने वाली टीमों ने और 15 मैच टॉस जीतने वाली टीमों ने जीते। 2 मैच बेनतीजा रहे।

आईपीएल में भी खत्म होगा टॉस का प्रभाव

आईपीएल में भी टॉस का प्रभाव खत्म करने के मकसद से ही इस रूल को लाया गया है। 2019 में आखिरी बार जब IPL होम और अवे फॉर्मेट में हुआ था। तब 60 मैचों में से 34 मैच टॉस जीतने वाली टीमों ने ही जीते थे। टॉस हारने वाली टीमों ने 23 मैच जीते थे, वहीं बाकी मैच सुपर ओवर में गए या फिर बारिश या किसी अन्य कारण से बेनतीजा रहे।

आईपीएल कंडीशन में ये बदलाव भी हुए

1. सभी टीमों को पारी के 20 ओवर पूरे करने के लिए 75 मिनट दिए जाते हैं। इस टाइम में ओवर नहीं करने पर जितने ओवर बाकी रहेंगे, उतने ओवरों के लिए 5 की जगह 4 फील्डर्स ही 30-यार्ड सर्कल के बाहर रह सकेंगे।

2. बॉलिंग के दौरान विकेटकीपर या फील्डर गलत तरीके से मूवमेंट करता है तो उस गेंद को डेड बॉल करार दिया जाएगा। साथ ही फील्डिंग टीम पर 5 रन की पेनल्टी भी लगाई जाएगी। गलत मूवमेंट यानी फील्डर द्वारा बॉलिंग के समय कुछ भी ऐसा करना जिससे बैटर का ध्यान डिस्ट्रैक्ट हो या फील्डर बॉल होने से पहले ही अपनी फील्डिंग पोजीशन बदल ले।

दरअसल आईसीसी ने पिछले साल टी-20 और वनडे की प्लेइंग कंडीशन में कुछ बदलाव किए थे। जिन्हें एक अक्टूबर 2022 से लागू किया गया। इंटरनेशनल क्रिकेट में इन नियमों का इस्तेमाल होना शुरू हो गया। लेकिन आईपीएल में पहली बार ही ये नियम लागू होंगे।

लक्ष्य सेन स्विस ओपन से बाहर

श्रीकांत और मंजूनाथ को मिली जीत

खेल डेस्क, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन बुधवार को यहां स्विस ओपन के पहले दौर से बाहर हो गए, जबकि हमवतन किदांबी श्रीकांत ने अगले दौर में प्रवेश किया। 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत को चीन के वेंग होंग यांग को 21-16, 15-21, 21-18 से हराने में मशक्कत करनी पड़ी और अब वह दूसरे दौर में हांगकांग के चेयूक यियू ली से भिड़ेंगे जिन्होंने दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी सेन की चुनौती समाप्त की।

सेन 18-21, 11-21 से मिली हार से पुरुष एकल स्पर्धा से बाहर हो गए। लेकिन मिथुन मंजूनाथ ने जोरान क्वीकेल पर सीधे गेमों में 21-8, 21-17 से जीत दर्ज कर पुरुष एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। महिला युगल में सिक्की रेड्डी और आरती सारा सुनील की जोड़ी भी पहले दौर में हारकर बाहर हो गई।

भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी ने मलेशिया के जिन युआन बून और टिएन सि वोंग को 21-15, 21-18 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित की। इससे पहले त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी पहले दौर में हारकर ही बाहर हो गई।

फुटबॉल में भारत ने म्यांमार को 1-0 से हराया

अनिरुद्ध थापा ने स्कोर किया गोल, ट्राई सीरीज का अगला मैच किर्गिजस्तान के खिलाफ

इम्फाल, 23 मार्च (एजेंसियां)। आईएसएल यानी इंडियन सुपर लीग अब खत्म हो चुकी है। अब इंटरनेशनल फुटबॉल का भी आगाज हो गया है। इस समय भारतीय फुटबॉल टीम किर्गिजस्तान और म्यांमार के खिलाफ ट्राई सीरीज खेल रही है। पहला मैच सोमवार को भारत और म्यांमार के बीच मणिपुर की राजधानी इम्फाल में खेला गया। भारत ने यह मुकाबला 1-0 से जीता।

मैच के पहले हाफ के एक्स्ट्रा टाइम में भारत के अनिरुद्ध थापा ने इकलौता गोल दागा। हालांकि, पूरे मैच के दौरान भारत ने ही दबदबा बनाए रखा। भारत अगला मैच किर्गिजस्तान के खिलाफ 28 मार्च को खेलेगा। भारतीय विंगर्स बिपिन सिंह और लालियानजुआला चांगते शुरू से ही फिल्ड में एक्टिव दिखे। कप्तान सुनील छेत्री ने कई बार क्रॉस कर गोल का चांस बनाने का प्रयास किया। वहीं जैक्सन सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने म्यांमार के खिलाफ शानदार डिफेंस किया।

आखिर में गोल आया राइट बैक से राहुल भेके ने म्यांमार के पाले में क्रॉस किया। वहां सही समय पर सही जगह थापा खड़े थे। उन्होंने बिना कोई गलती किए बॉल को गोलपोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

दूसरे हाफ में नहीं आया गोल

भारत के हेड कोच इगोर स्टिमाक दूसरे हाफ में मोहम्मद यासिर की जगह सुरेश वांगजाम को लेकर आए। इसके तुरंत बाद, लोकल प्लेयर नौरेम महेश सिंह ने अपनी शुरुआत की, क्योंकि उन्होंने और मनवीर सिंह ने बिपिन सिंह और चांगते की जगह ली।

गोलकीपर ने गोल दागा, 101 मीटर दूर से किक मारी

सबसे लंबी दूरी के गोल का रिकॉर्ड बन सकता है, चिली लीग का मैच था

चिली, 23 मार्च (एजेंसियां)। लैटिन अमेरिका के चिली में टॉप डिवीजन फुटबॉल लीग में हैरतअंगेज गोल देखने को मिला। केब्रेसल टीम के अर्जेंटीना के गोलकीपर लिएंड्रो रिकेना ने अपने बॉक्स से ही बिना किसी मदद के दूसरे छोर पर बॉल पहुंचा दी और गोल दाग दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो एक किक में बिना किसी को पास किए गोलकीपर ने गोल स्कोर किया। चिली के स्पोर्ट्स चैनल टीएनटी स्पोर्ट्स के मुताबिक, गोल ने 101 मीटर की दूरी तय की। अगर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इसे वेरिफाई करता है तो यह फुटबॉल इतिहास में सबसे लंबी दूरी के गोल के रिकॉर्ड को तोड़ देगा। केब्रेसल ने कोलो-कोलो को 3-1 से हराया।

मैच चिली की कोब्रेसल और कोलो-कोलो टीम के बीच चल रहा था। कोब्रेसल टीम 77वें मिनट में पहले से ही 2-0 से आगे चल रही थी। काब्रेसल के गोलकीपर लिएंड्रो रिकेना ने पेनल्टी बॉक्स से ही लम्बा शॉट हिट किया।

इस दौरान कोलो-कोलो टीम के गोलकीपर ब्राय कोर्टेस पेनल्टी बॉक्स के बाहर थे। बॉल आई और उनके सिर के ऊपर से उछलकर गोल में चली गई। गोल स्कोर करने वाले प्लेयर रेक्विना ने चिली के एक रेडियो शो में कहा - मैंने क्लब मैनेजर मैंने जुआन सिल्वा से पूछा कि क्या रिकॉर्ड रिकॉर्ड बन सकता है ।

सीएम केसीआर ने किया बेमौसम वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ 10,000 रुपये मुआवजे की घोषणा की

खम्मम, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पिछले हफ्ते तेलंगाना में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त हुई फसलों के लिए प्रति एकड़ 10,000 रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को खम्मम जिले के बोनाकल मंडल और जनगांव जिले के पालकुर्थी विधानसभा क्षेत्र के वंगरा मंडल में क्षतिग्रस्त फसलों का दौरा किया और बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से जिन किसानों की खड़ी फसल खराब हो गई थी, उनसे बातचीत कर समस्याओं की जानकारी ली।

खम्मम जिले के राविनुथला गांव में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को कुल 228.25 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे और वित्तीय सहायता का वितरण जल्द से जल्द जिला अधिकारियों द्वारा शुरू किया जाएगा। यह कहते हुए कि अप्रत्याशित मौसम की स्थिति के कारण महत्वपूर्ण नुकसान उठाने वाले किसानों को धनराशि बहुत जरूरी राहत प्रदान करेगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी फसलों के लिए समान रूप से वित्तीय सहायता की पेशकश की जाएगी। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में लगभग 2.22 लाख एकड़ में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा है, जिसमें से 1,29,446 लाख एकड़ में मक्का, 72,709 में धान, 8,865 में आम और 17,238 में अन्य फसलें प्रभावित हुई हैं।

केसीआर ने कहा कि तेलंगाना देश में एकमात्र ऐसा राज्य है जो कृषि-समर्थक नीतियों को लागू कर रहा है और किसानों को कई प्रोत्साहन दे रहा है। राज्य सरकार काश्तकारों सहित किसानों को हर संभव सहायता देगी। केंद्र सरकार पर कृषि नीति नहीं होने का आरोप लगाते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि अतीत में तेलंगाना को फसल नुकसान सहायता जारी करने में विफलता के विरोध के निशान के रूप में फसल नुकसान की रिपोर्ट केंद्र को नहीं भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की मौजूदा फसल बीमा पॉलिसियों से किसानों को कोई लाभ नहीं होगा। इन्हें केवल बीमा कंपनियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। देश को एक नई कृषि नीति की आवश्यकता है। केंद्र की वर्तमान सरकार इस स्थिति में नहीं है कि वह देश के लिए कृषि नीति योजना तैयार करने के लिए दूसरों से सलाह ले सके। हमारी दलीलें केंद्र के बहरे कानों पर पड़ती हैं।

एडीजी रविदीप सिंह साही ने सीआरपीएफ के साउथ जोन की कमान संभाली

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैडर के 1986 बैच के अधिकारी एडीजी रविदीप सिंह साही ने हैदराबाद में सीआरपीएफ के दक्षिण क्षेत्र की कमान संभाली।

साही सीआरपीएफमें सहायक कमांडेंट के रूप में शामिल हुए और अपनी 37 से अधिक वर्षों की सेवा के दौरान, उन्होंने जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़ और उत्तर पूर्व के विभिन्न परिचालन थिएटरों में सेवा की। दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमले के बाद, साही को 2002 में लोकसभा सचिवालय में संयुक्त निदेशक (सुरक्षा) के रूप में प्रतिनियुक्ति के लिए चुना गया और 2007 तक वहां सेवा की और संसद भवन परिसर के सुरक्षा तंत्र को उन्नत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने दिसंबर 2016 से मार्च 2020 तक सबसे लंबी अवधि के लिए आईजी श्रीनगर सेक्टर, सीआरपीएफ के रूप में कार्य किया और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले और बाद में कानून और व्यवस्था की चुनौतियों से निपटने और आतंकवाद विरोधी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके साहस, बेदाग और राष्ट्र की उत्कृष्ट सेवा के लिए, साही को वीरता के लिए पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक, अति उत्कृष्ट सेवा पदक, डीजी प्रशंसा डिस्क से अलंकृत किया गया है। एक खेल और साहसिक उत्साही, साही ने 1995 में हिमालयन कार रैली में सीआरपीएफ का प्रतिनिधित्व किया और तीसरे स्थान पर रहे।

वह एक उत्साही लॉन टेनिस खिलाड़ी हैं और उन्होंने कई अवसरों पर अखिल भारतीय पुलिस टेनिस टूर्नामेंट में सीआरपीएफ का प्रतिनिधित्व किया और वर्ष 2000 में गुवाहाटी में खुले एकल में उपविजेता रहे।

जीएचएमसी ने मौसमी फ्लू बीमारी के खिलाफ उपायों को तेज किया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने मौसमी फ्लू के मामलों में वृद्धि को देखते हुए, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने वेक्टर जनित बीमारियों के खिलाफ अपने उपायों को तेज कर दिया है। मच्छरों के प्रजनन और मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए, लगभग 2,375 कर्मचारी जीएचएमसी सीमा में 'वेक्टर नियंत्रण संचालन' पर काम कर रहे हैं। ये कर्मी निर्माण स्थलों, स्कूलों, समारोह हॉल, तहखानों और खुले भूखंडों जैसे सभी चिन्हित पुराने प्रजनन स्रोतों में एंटी लार्वा ऑपरेशंस (एएलओ) में लगे हुए हैं।

जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि उन क्षेत्रों में जहां पहले डेंगू के मामले सामने आए थे, हमने एंटी लार्वा और एंटी एडल्ट मॉस्किटो उपाय किए हैं। जीएचएमसी की सीमा में 4,846 कॉलोनियां हैं और एक एंटोमोलॉजी कर्मचारी हर सप्ताह तीन कॉलोनियों को कवर कर रहा है। वेक्टर-जनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए किए गए कार्य के हिस्से के रूप में, जीएचएमसी के एंटोमोलॉजी विंग के कर्मचारी निवासियों और स्थानीय नेताओं से मिल रहे हैं और वेक्टर-जनित रोगों के खिलाफ निवारक उपायों पर जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

स्कूली बच्चों को शामिल करने वाली सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों के अलावा, नागरिक निकाय द्वारा किए गए उपायों में बच्चे/कृत्रिमतालाबों, झीलों में गम्बूसियाफ़िश को छोड़ना भी शामिल है। अब तक, शहर के विभिन्न हिस्सों में 1,351 स्कूलों में आईईसी गतिविधियों का आयोजन किया गया था और छात्रों को डेंगू और मलेरिया के खिलाफ निवारक उपायों पर जानकारी दी गई थी। इसी तरह, 2,443 स्कूलों में इनडोर अवशिष्ट छिड़काव किया गया और गंदे जल भराव बिंदुओं और नालों पर तेल के गोले छोड़े गए।

वर्तमान में, 642 टीमों के साथ साप्ताहिक एंटी-लार्वल ऑपरेशन किए जा रहे हैं और वयस्क मच्छरों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए फॉगिंग की जा रही है। जीएचएमसी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, 302 पोर्टेबल और 63 वाहन-माउंटेड फॉगिंग मशीनों के साथ औसतन हर दिन 150 इलाकों में फॉगिंग की जा रही है।

वैजाग में इमारत गिरने से तीन की मौत, पांच घायल

विशाखापत्तनम, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यहां गुरुवार तड़के एक तीन मंजिला इमारत के गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। इस घटना में बिहार के रहने वाले दो बच्चों और 27 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, लगभग दो दशक पुरानी इमारत रात करीब 1.30 बजे ढह गई। उन्होंने कहा कि त्रासदी से कुछ ही घंटे पहले, इमारत के निवासियों ने मृतक अंजलि का जन्मदिन मनाया था। इमारत के गिरने के तुरंत बाद, स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पांच लोगों को मलबे से निकालने में कामयाब रहे। जिंदा दफनाए गए पीड़ितों की पहचान एस. दुर्गाप्रसाद (17), एस. अंजलि (10) और छोटू (27) के रूप में हुई है। बचाव अधिकारियों के मुताबिक हादसे के वक्त इमारत में आठ लोग मौजूद थे।

आंध्र विधान परिषद की सात सीटों के लिए मतदान

अमरावती, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश विधानसभा के सदस्यों ने विधान परिषद की सात सीटों के लिए होने वाले चुनाव में गुरुवार को वोट डाले। मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी विधानसभा परिसर में मतदान केंद्र में अपना वोट डालने वालों में सबसे पहले थे। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के कई मंत्रियों और सदस्यों ने पहले कुछ घंटों में अपना वोट डाला। राज्य विधानमंडल के उच्च सदन की सात सीटों के लिए आठ उम्मीदवार मैदान में हैं। विपक्षी तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने एक उम्मीदवार को मैदान में उतारा है, जिसके कारण मतदान कराना जरूरी हो गया है। जहां सत्तारूढ़ पार्टी को क्लीन स्वीप का भरोसा है, वहीं टीडीपी एक सीट जीतने की उम्मीद कर रही है।

एक उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए 22 मतों की आवश्यकता होती है। 175 सदस्यीय विधानसभा में, वाईएसआरसीपी के पास 151 सीटें हैं और उसे टीडीपी के चार बागी विधायकों और जन सेना पार्टी (जेएसपी) के एकमात्र विधायक के वोट हासिल करने का भरोसा है। टीडीपी, जिसके पास विधानसभा में 23 सीटें थीं, 19 सदस्यों के साथ बची है क्योंकि चार अन्य बागी हो गए हैं।

हालांकि, विपक्षी दल को सत्तारूढ़ दल के दो बागी विधायकों के वोट मिलने की उम्मीद है। भले ही वाईएसआरसीपी के दोनों बागी टीडीपी के साथ चले जाएं, फिर भी विपक्षी पार्टी को एक और वोट की जरूरत होगी।

टीडीपी, जिसने हाल ही में हुए परिषद चुनावों में तीन स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों को जीतकर वाईएसआरसीपी को झटका दिया था, को उम्मीद है कि वाईएसआरसीपी के कुछ विधायक अपने उम्मीदवार को वापस लेने के लिए पार्टी व्हिप की अवहेलना करेंगे। गुरुवार सुबह जब मतदान शुरू हुआ तो टीडीपी नेता निम्मला किस्तप्पा ने दावा किया कि वाईएसआरसीपी के 16 विधायक उनके संपर्क में हैं।

हालांकि, सत्ता पक्ष ने इस दावे को खारिज कर दिया कि विपक्ष द्वारा खेला जा रहा माइंड गेम है।

विधायक कोटे की सात सीटों के लिए सत्ता पक्ष ने वी.वी. सूर्य नारायण राजू, पोथुला सुनीता, कोला गुरुवुलु, बोम्मी इज़राइल, जयमंगला वेंकटरमना, चंद्रगिरी येसुरत्नम और मारी राजशेखर, टीडीपी के पास पी. अनुराधा हैं। वाईएसआरसीपी और तेदेपा दोनों ने अपने विधायकों को व्हिप जारी कर उन्हें अपनी पार्टी के उम्मीदवारों को वोट देने का निर्देश दिया है।

डेटा चोरी के मामले में साइबराबाद पुलिस को बड़ी सफलता

16.8 करोड़ नागरिकों का निजी डाटा बेचने वाले गिरोह को पकड़ा गया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डेटा चोरी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में साइबराबाद पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को गिरफ्तार किया है जो 16.8 करोड़ नागरिकों के व्यक्तिगत और गोपनीय डेटा के अलावा सरकारी और महत्वपूर्ण संगठनों के संवेदनशील और गोपनीय डेटा की चोरी, खरीद और बिक्री में शामिल है।

साइबराबाद पुलिस के अनुसार, संदिग्धों को 140 से अधिक विभिन्न श्रेणियों के तहत जानकारी बेचते हुए पाया गया, जिसमें रक्षा कर्मियों का विवरण, नागरिकों के मोबाइल नंबर, छात्रों, महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों का डेटाबेस, ऋण के आवेदक, बीमा, क्रेडिट या डेबिट कार्ड शामिल हैं। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त, स्टीफन रवींद्रने गुरुवार को कहा कि यह गिरोह व्हाट्सएप और फेसबुक उपयोगकर्ताओं, आईटी कर्मचारियों, पैन कार्ड, ऊर्जा और बिजली क्षेत्र आदि के डेटाबेस भी बेच रहा था। 1.20 करोड़ व्हाट्सएप उपयोगकर्ताओं से संबंधित डेटा पाया गया, जबकि 17 लाख फेसबुक उपयोगकर्ताओं की उम्र, ईमेल आईडी, फोन नंबर सहित जानकारी भी उन संदिग्धों से मिली, जो कथित रूप से पंजीकृत और अपंजीकृत तीन कंपनियों-डेटा मार्ट इन्फोटेक, ग्लोबल डेटा आर्ट्स और एमएस डिजिटल के माध्यम से संचालित थे। जांचकर्ताओं को संदेह है कि 3 करोड़ लोगों के मोबाइल नंबर डेटाबेस दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से लीक हुए हैं और जिनका इस्तेमाल विभिन्न अपराधों को अंजाम देने के लिए किया जा सकता था। इसके अलावा, संदिग्धों के कब्जे से प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थानों के क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड डेटा पाए गए।

स्टीफन रवींद्र ने कहा कि रक्षा और सरकारी कर्मचारियों से संबंधित डेटा का इस्तेमाल जासूसी, प्रतिरूपण और गंभीर अपराधों के लिए किया जा सकता है जो राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि पैन कार्ड से संबंधित डेटा का उपयोग बड़ी संख्या में साइबर अपराध करने के लिए किया जा रहा है, जिससे जानकारी का खुलासा करके पीड़ितों का विश्वास हासिल किया जा सके।

गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में कुमार नीतीश भूषण, जिन्होंने नोएडा, उत्तर प्रदेश में एक कॉल सेंटर स्थापित किया और क्रेडिट कार्ड डेटाबेस एकत्र किया, पूजा पाल एक टेली-कॉलर, सुशील थॉमर, एक डेटा एंट्री ऑपरेटर, अतुल प्रताप सिंह, जिन्होंने क्रेडिट कार्ड धारकों का डेटा एकत्र किया और बेचा आईटी मुस्कान हसन जिन्होंने एक मध्यस्थ के रूप में डेटा बेचा, संदीप पाल जिन्होंने ग्लोबल डेटा आर्ट्स की स्थापना की और साइबर अपराधों में लिप्त धोखेबाजों को ग्राहकों का गोपनीय डेटा बेचा और जिया उर रहमान जिन्होंने प्रचार के लिए बल्क मैसेजिंग सेवाएं प्रदान कीं और डेटा बेस भी साझा किया, शामिल हैं।

आग लगने के बाद कई जिलों में बीएसएनएल सेवाएं बाधित

करीमनगर, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यहां टावर सर्कल के पास बीएसएनएल के मुख्य कार्यालय में बुधवार देर रात आग लगने के बाद बीएसएनएल मोबाइल नेटवर्क सेवाएं बाधित होने से लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बीएसएनएल कार्यालय में स्थापित नेटवर्किंग नियंत्रण प्रणाली के पूरी तरह से ठप हो जाने के कारण बीती रात मोबाइल सेवाएं प्रभावित रहीं। अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न सरकारी विभागों के सीयूजी मोबाइल फोन के अलावा, पूर्ववर्ती करीमनगर और आसपास के आदिलाबाद, निजामाबाद और वारंगल जिलों के कुछ हिस्सों में बीएसएनएल सेवाओं का उपयोग करने वाले लगभग 3 लाख मोबाइल फोन भी प्रभावित हुए हैं। बीएसएनएल ब्रॉडबैंड सेवाएं भी प्रभावित हुईं क्योंकि नेटवर्क की कमी के कारण 3,000 लैंड फोन काट दिए गए थे। नेटवर्क की कमी के कारण विभिन्न बैंकों में भी गतिविधि प्रभावित हुई है।

उधर, बीएसएनएल के अधिकारियों ने भी तकनीकी टीम के साथ गुरुवार सुबह घटनास्थल का दौरा किया और नेटवर्किंग सिस्टम को बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए। शॉर्ट-सर्किट के कारण नेटवर्किंग कंट्रोल सिस्टम को ठंडा करने के लिए व्यवस्थित एयर कंडीशनिंग सिस्टम में आग लग गई और इमारत की ऊपरी मंजिल तक फैल गई।

कार्यालय के कर्मचारियों ने अग्निशमन विभाग को सूचित किया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, नुकसान की कीमत तीन करोड़ रुपये हो सकती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पेपर लीक मामले में आईटी मंत्री को दोष न दें : परिषद अध्यक्ष

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेन्द्र रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) का प्रश्न पत्र लीक होने की घटना दो दोषी व्यक्तियों की गलती के कारण हुई और इसमें सरकार को दोष देना उचित नहीं है। गुरुवार को यहां मीडियाकर्मियों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत में, गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव हमेशा चाहते हैं कि टीएसपीएससी पारदर्शी तरीके से काम करे और राज्य सरकार द्वारा हजारों पदों पर भर्ती किए जाने के बावजूद पेपर लीक की एक भी घटना नहीं हुई है। पेपर लीक की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए विधान परिषद सभापति ने कहा कि वे बेरोजगार युवाओं के दर्द को समझ सकते हैं, जिन्हें पिछली परीक्षाओं के रद्द होने के बाद दोबारा परीक्षा देनी पड़ रही है।

गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि विपक्षी दलों की ओर से पेपर लीक की घटना को जोड़ने के लिए आईटी मंत्री केटी रामाराव को दोष देना उचित नहीं है। वह किसी भी तरह से प्रकरण से संबंधित नहीं हैं। राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन के पास उनकी सहमति के बिना लंबित विधेयकों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि विधेयकों में कोई खामियां हैं, तो राज्यपाल को उनमें सुधार करना चाहिए या विधेयकों को वापस भेजना चाहिए।

केसीआर ने तेलंगाना में नौकरी चाहने वालों की उम्मीदों पर पानी फेरा : शर्मिला

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने राज्य में बेरोजगार युवाओं के सपनों और करियर को कुचल दिया है। शर्मिला ने कहा कि तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक होने का मामला तो छोटा सा नमूना है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'अक्षम और निरंकुश' सरकार अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान एक भी नौकरी सृजित करने में विफल रही, जबकि उसने अपने पहले कार्यकाल में महज 65,000 नौकरियां सृजित करने का दावा किया था।

मुख्यमंत्री ने अधिसूचना के माध्यम से 80,000 रिक्तियों को भरने का वादा किया था और यह पिछले साल 9 मार्च को विधानसभा के पटल पर था। एक साल बीत चुका है लेकिन अधिसूचना 26,000 नौकरियों तक सीमित है। पेपर लीक मामले के बाद इनकी किस्मत भी अधर में लटक गई है। संक्षेप में, 10 लाख से अधिक उम्मीदवारों की पीठ में छुरा घोंपा गया है और अब रिक्त पदों को भरना असंभव है, चुनाव अधिसूचना अब से सिर्फ छह महीने में लागू होने वाली है।

कुल मिलाकर, मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में 50 लाख से अधिक नौकरी चाहने वालों की उम्मीदों और करियर को नष्ट कर दिया है। 2015 में, उन्होंने 1 लाख नौकरियां पैदा करने का वादा किया था, लेकिन चार साल बाद यह आंकड़ा सिर्फ 65,000 रह गया। नए जिलों के निर्माण के बाद, कार्यबल की आवश्यकता 3 लाख आंकी गई थी, लेकिन कॉस्मेटिक उपचार के अलावा कुछ भी सकारात्मक दिशा में आगे नहीं बढ़ा है, जहां प्रशासनिक भवनों का निर्माण किया गया और बड़ी धूमधाम से उनका उद्घाटन किया गया। शर्मिला ने केसीआर की बेटी कविता से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूछताछ का जिक्र करते हुए कहा- हर कोई यह समझने में विफल रहता है कि केसीआर कई असहाय माता-पिता के बेरोजगार बच्चों के प्रति उतने प्रतिबद्ध क्यों नहीं हैं, क्योंकि वह अपने बच्चे के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसके लिए उन्होंने पूरी कैबिनेट और आधिकारिक मशीनरी को नई दिल्ली स्थानांतरित कर दिया है।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,D No: 51-1-2/1, एम आर ओ बिल्डिंग के के सामने, क्षेत्रीय कार्यालय बिल्डिंग, प्रथम तल, सिथम्मधारा, पुराना इनाडु जंक्शन के पास, विशाखपट्टणम, आंध्र प्रदेश- 530013

विशाखपट्टणम में आवासीय फ्लैट की खरीद

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, विशाखपट्टणम में एक (1) आवासीय फ्लैट की खरीद के लिए दो बोली प्रणाली में निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वैबसाईट www.unionbankofindia.co.inएवं एनआईसी पोर्टल www.tenders.gov.in पर उपलब्ध है। निर्धारित प्रारूप में आवेदनों/ प्रस्तावों को प्राप्त करने की अंतिम तिथि 13.04.2023 दोपहर चार बजे तक है।

बैंक को यह अधिकार है कि वह प्राप्त किसी भी निविदा/ सभी निविदाओं को बिना किसी कारण बताएं अस्वीकृत/ खारिज कर सकता है।

S/d क्षेत्र प्रमुख

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.